राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

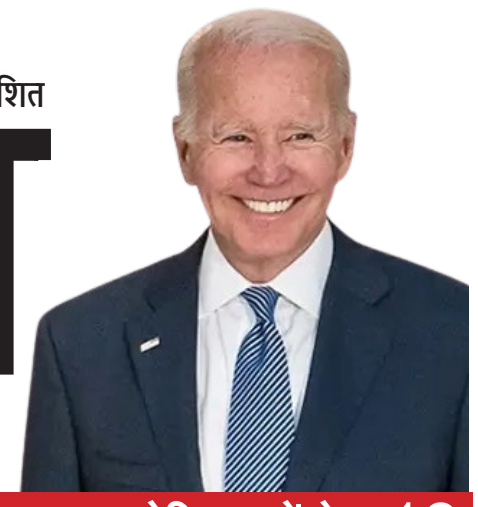

11 भारत-पाक टी20 विश्व कप मुकाबले में इस्तेमाल की गई न्यूयॉर्क की ...

अब गाजा में नहीं रुकी जंग तो तृतीय विश्व युद्ध पक्का, अमेरिका क्यों हो ... 12

वर्ष : 12 | अंक : 131 | पटना, गुरुवार, 22 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 36°C
न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 71,105
चांदी 81,500
सेंसेक्स 78,886
निफ्टी 24,117

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक, 31 एजेंडों की मंजूरी

कैबिनेट फैसला : पटना सदर अंचल का चार भागों में बंटवारा

पाटलिपुत्र, पटना सदर, पटना सिटी व दीदारगंज अंचल का गठन

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें 31 एजेंडों पर मुहर लगी। पटना सदर अंचल को विभाजित करने का निर्णय लिया गया है। अब पाटलिपुत्र, पटना सदर, पटना सिटी व दीदारगंज अंचल होंगे। बैठक के बाद राज्य मंत्रिमंडल के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि पटना सदर अंचल को चार अंचल में बांटा गया है। कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव की मंजूदी दी गई। उन्होंने बताया कि पाटलिपुत्र अंचल, पटना सदर, पटना सिटी अंचल व दीदारगंज अंचल का गठन किया गया है।

पटना सदर अंचल को चार भागों में बांटा गया : नव प्रस्तावित पाटलिपुत्र अंचल में दीघा, राजीव नगर, हवाई अड्डा, पाटलिपुत्रा, शास्त्री नगर और गर्दनीबाग थाना को शमिल किया गया है। वहीं, पटना सदर अंचल में बुद्धा कॉलोनी, कोतवाली, श्री कृष्णा पुरी, जक्कनपुर, गांधी मैदान, पीरबहोर, कदम कुआं, कंकड़बाग, पत्रकार नगर और सचिवालय थाना को शामिल किया गया है। जबकि पटना सिटी अंचल में बहादुरपुर, सुल्तानगंज, आलमगंज, खाजेकला, चौक, मालसलामी, मेहंदी गंज और अगम कुआं पुलिस थाना को रखा गया है। प्रस्तावित दीदारगंज अंचल में दीदारगंज, नदी और बाईपास थाना नव प्रस्तावित थाना शामिल में होंगे।

क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से बड़ा होने के कारण विभाजन : राज्य सरकार के मुताबिक पटना सदर अंचल क्षेत्रफल और जनसंख्या के दृष्टिकोण से

काफी बड़ा है। इस अंचल में दो अनुमंडल-पटना सदर अनुमंडल एवं पटना सिटी अनुमंडल हैं। इसी अंचल में 34 पुलिस थाना क्षेत्र है। इस एक अंचल में 4 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। सरकार के इस फैसले से राजधानीवासियों को कागजात बनवाने में सहुलियत होगी।

आम नागरिकों का अब तैयार होगा सोशल रजिस्टर: नीतीश कैबिनेट ने बुधवार को राज्य के सभी नागरिकों की परिवार आधारित सोशल रजिस्टर तैयार कराने का फैसला लिया है. इसके माध्यम से नागरिकों को सरकार से मिली सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं जैसे फसल योजना, साइकिल व पोशाक योजना, वृद्धा पेंशन आदि की जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर दर्ज की जायेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसके लिए यूनिफाइड सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म बिहार-वन की स्वीकृति दी है। इसके विकास के लिए कैबिनेट ने 85 करोड़ 23 लाख की स्वीकृति दी है। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने बताया कि बिहार वन पोर्टल से आम नागरिक सेवाओं और योजनाओं का लाभ सिंगल विंडो सिस्टम से उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के पास उनके विभाग के माध्यम से दी जा रही योजनाओं के लाभुकों के बारे में जानकारी है। अभी तक सरकार के पास व्यापक डाटाबेस नहीं था, जहां पर सभी प्रकार की सूचना का डाटाबेस हो। एक परिवार के किन-किन सदस्यों को कौन-कौन सी योजनाओं का लाभ दिया गया, इसका डाटाबेस नहीं है।

एक ही व्यक्ति दो लाभ नहीं ले, इसके लिए भी यह प्लेटफार्म काम करेगा। उन्होंने बताया कि इस सिंगल विंडों के माध्यम से किसी योजना का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद उसको एक नंबर दिया जायेगा। उसी नंबर के माध्यम से वह एक योजनाओं के लाभ के लिए निबंधन करा सकेगा। अब इस पोर्टल पर आम नागरिकों के प्रोफाइल और कॉमन डक्युमेंट से संबंधित सभा जानकारी होगी। इसका उपयोग आम नागरिकों द्वारा उपयोग किये जानेवाले सभी चैनल के माध्यम से सेवा दी जायेगी। इससे आम नागरिक के लिए राज्य सरकार द्वारा दिये जानेवाले सेवाओं और योजनाओं की पात्रता एक ही डैसबोर्ड पर उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि बिहार सोशल रजिस्टर के तहत विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत लाभ लेनेवाले लाभार्थियों का परिवार आधारित व्यापक और विश्वसनीय डेटाबेस तैयार होगा।

अन्य महत्वपूर्ण फैसले : विभिन्न विभागों के करीब साढ़े पंद्रह सौ पदों को मंजूर किया गया है। इन पर नयी बहाली होगी. इनमें स्वास्थ्य विभाग में 770 पद, खेल विभाग में पांच सौ, व्याख्याताओं के 247 और जेल विभाग की 67 पदें शामिल हैं।

सूबे में अब वाहनों का रजिस्ट्रेशन शुल्क होगा सस्ता

बिहार में गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन शुल्क को घटा दिया गया है। कैबिनेट की बैठक में बुधवार को मोटर वाहन के रजिस्ट्रेशन शुल्क को घटाने का फैसला लिया गया। अब बिहार के लोगों को गाड़ी खरीदने के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। ये फैसला बिहार में गाड़ियों की खरीद और रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। पहले बिहार में गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन का शुल्क दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा था, जिसके चलते लोग दूसरे राज्यों से गाड़ियां खरीदना पसंद करते थे। इससे बिहार सरकार को राजस्व की हानि होती थी।

गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन फीस घटाई गई : मोटर वाहन के रजिस्ट्रेशन शुल्क में बदलाव के बाद अब बिहार में मोटर साइकिल के रजिस्ट्रेशन के लिए 1500 रुपए की जगह 1150 रुपए देने होंगे। ऑटो के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 5650 रुपए से घटाकर 1150 रुपए कर दिया गया। कैब के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क में भी भारी कमी की गई है। पहले कैब का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 23650 रुपए देने पड़ते थे, जो अब घटकर मात्र 4150 रुपए हो गया है। अन्य राज्यों में रजिस्ट्रेशन शुल्क कम थे। इस फैसले से बिहार में गाड़ियों की बिक्री में इजाफा होने की उम्मीद है।

रास चुनाव : उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा ने दाखिल किया नामांकन

प्रात : किरण

पटना। बिहार से राज्यसभा उप चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा और मनन कुमार मिश्रा ने बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। श्री कुशवाहा और श्री मिश्रा ने बुधवार को निवार्ची अधिकारी सह विधानसभा सचिव के कक्ष में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार समुन, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डे, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा सहित बिहार सरकार के मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। दोनों का निर्विरोध जीतना तय माना जा रहा है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के विवेक ठाकुर और राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती को मिली जीत के कारण राज्यसभा की दोनों सीटें रिक्त हो गई थी, जिसके कारण उप चुनाव हो रहा है। श्री ठाकुर 2020 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। जिनका कार्यकाल 2026 तक था। वहीं, श्रीमती भारती 2022 में राज्यसभा की सदस्य बनी थीं और उनका कार्यकाल 2028 तक था। राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने पर श्री कुशवाहा का दो साल जबकि श्री मिश्रा का चार साल कार्यकाल रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपए की सहायता राशि

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मुख्य सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में मुख्यमंत्री राहत कोष में बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड की ओर से शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने पांच करोड़ रुपए का चेक सौंपा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी कार्तिकेय धनजी उपस्थित थे।

राजनाथ चार दिन की यात्रा पर अमेरिका जाएंगे

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के निमंत्रण पर 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। श्री सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के सहायक जेक सुलिवन से भी मुलाकात करेंगे। उनकी यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती गति और कई स्तरों पर रक्षा संपर्कों की पृष्ठभूमि में हो रही है। इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के और घनिष्ठ तथा व्यापक बनने की उम्मीद है। श्री सिंह अमेरिकी रक्षा उद्योग के साथ मौजूदा और भविष्य के रक्षा सहयोग पर एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की भी अध्यक्षता करेंगे।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार दूसरी बार बने दुनिया के शीर्ष बैंकर, पीएम ने दी बधाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2024 में लगातार दूसरी बार ए+ रेटिंग मिलने पर बधाई दी। भारतीय रिजर्व बैंक के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर की गई एक पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा कि आरबीआई गवर्नर श्री शक्तिकांत दास को लगातार दूसरी बार इस उपलब्धि के लिए बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह आरबीआई में उनकी लीडरशिप और देश की आर्थिक वृद्धि दर और स्थिरता बनाए रखने के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य को प्रमाणित करता है। ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2024 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर को काम के आधार पर ग्रेड दी थी, जिसमें सबसे अच्छी ग्रेड ए+, ए

और ए- हैं। इस रिपोर्ट को 1994 के बाद से हर साल जारी किया जाता है। इसमें करीब 100 देशों के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर को काम के आधार पर ग्रेड दी जाती है। इसमें यूरोपियन यूनियन के अलावा पूर्वी कैरेबियाई सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स शामिल हैं। इसमें ग्रेड महंगाई पर नियंत्रण, आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने, मुद्रा की स्थिरता और ब्याज दरों के मैनेजमेंट के आधार पर दी जाती है। ग्लोबल फाइनेंस के संस्थापक और एडिटोरियल डायरेक्टर जोसेफ जियारापुटो ने कहा कि पिछले कुछ वर्षो में केंद्रीय बैंकों ने महंगाई को कम करने के लिए अपने प्राथमिक विकल्प अधिक ब्याज दरों को उपयोग किया है, अब पूरी दुनिया में महंगाई में कमी देखने को मिल रही है। दास ने मंगलवार को कहा था कि बैंकों को क्रेडिट और डिपॉजिट में अंतर पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इससे लिक्विडिटी की समस्या पैदा हो सकती है। एनडीटीवी प्रॉफिट को दिए इंटरव्यू में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि उन्होंने बैकों को इस स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए कहा है। एनडीटीवी के एडिटर-इन-चीफ संजय पुगलिया से बातचीत करते हुए दास ने कहा कि बैंकों को युवा भारतीयों की बदलती हुई निवेश रणनीति को सावधानीपूर्वक निगरानी करनी चाहिए। ब्याज दर घटाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरीके से महंगाई पर निर्भर करता है। फल और सब्जियों की कीमतों में जुलाई में आई कमी ब्याज दर घटाने के लिए काफी नहीं है।

सारण में आईडीबीआई बैंक से 19 लाख रुपए की लूट

छपरा। बिहार में सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर में अपराधियों ने आईडीबीआई बैंक से 19 लाख 25 हजार रुपए लूट लिये। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने यहां बताया कि मुख्य बाजार गोला रोड में स्थित आईडीबीआइ बैंक में मोटरसाइकिल से पहुंचे तीन अपराधियों ने हथियार के बल पर बैंक काउंटर से 16.75 लाख और एक ग्राहक से 2.50 लाख कुल 19.25 लाख रुपए लूट लिये। इसके बाद अपराधी मोटरसाइकिल से फरार हो गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की सूचना मिलने मौके पर सोनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर थाना के पुलिस निरीक्षक, सोनपुर थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी के साथ ही विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम पहुंच कर जांच कर रही है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर अपराधियों के पहचान की कोशिश करने के साथ ही संदेह के आधार पर बैंक के सुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है।

भारत बंद के दौरान कई राज्यों में प्रदर्शन, सड़कें जाम

सूबे कई जिलों में बंद का व्यापक असर, ट्रेने रोकी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण में क्रीमी लेयर और उपवर्गीकरण के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ देशभर में हो रहे भारत बंद का असर बिहार से लेकर राजस्थान तक देखने को मिला। पटना के महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास भारत बंद समर्थकों ने सड़कों को जाम कर दिया और मार्च निकालकर उच्चतम न्यायालय के इस फैसले का विरोध किया। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य अमर आजाद ने कहा, आज पूरा भारत बंद है। एससी-एसटी आरक्षण के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा, उसे हम लोग छोड़ने वाले नहीं हैं। केंद्र सरकार उच्चतम न्यायालय के फैसले को वापस करे और इस पर कानून बनाए। अमरजीत कुमार ने भी कोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए इसे दलित

समाज को बांटने वाला बताया और इसे घातक निर्णय करार दिया। प्रदर्शनकारियों ने दरभंगा और बक्सर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही बाधित करने के साथ पटना, हाजीपुर, दरभंगा, जहानाबाद और बेगूसराय जिलों में कई स्थानों पर कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सड़क यातायात को अवरुद्ध करने की कोशिश की जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। दरभंगा और बक्सर रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और कुछ समय के लिए बिहार संपर्क क्रांति और फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन को रोक दिया। बाद में, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस के जवानों ने रेलवे स्टेशनों से प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने में कामयाबी हासिल की। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्रा ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने सुबह कुछ समय के लिए आरा, चौसा (बक्सर), दरभंगा, बेगूसराय और राजगीर में रेल यातायात को बाधित किया। प्रदर्शनकारियों को रेलवे ट्रैक और स्टेशनों से हटाकर स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया और अब ट्रेनों की आवाजाही सामान्य है। राज्य की राजधानी पटना के डाक बंगला चौक पर यातायात को अवरुद्ध करने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने कहा, ह्यडाक बंगला चौक पर यातायात को अवरुद्ध करने और पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने हल्का लाठीचार्ज किया।

पोलैंड पहुंचे पीएम मोदी, जोरदार स्वागत

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय पोलैंड यात्रा पर राजधानी वारसॉ पहुंच गए हैं। पीएम मोदी 21 और 22 अगस्त को यूरोपीय देश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इसके बाद 23 अगस्त को पीएम मोदी युद्धग्रस्त यूक्रेन का दौरा करेंगे। पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का अहम व्यापारिक साझेदार है। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह 45 साल बाद पहली पोलैंड यात्रा है। वारसॉ पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 22 अगस्त तक पोलैंड की यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री का पोलैंड की राजधानी वारसॉ में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। वह राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्जीवित करने का एक अवसर बनना है। प्रधानमंत्री मोदी पोलैंड में भारतीय प्रवासियों की एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

आंध्र प्रदेश : दवा फैक्टरी में विस्फोट से 15 लोगों की मौत !

नई दिल्ली/ एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में बुधवार को दवा बनाने वाली एक फैक्टरी में विस्फोट से 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, हादसे के समय यूनिट में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अच्युतपुरम फार्मा कंपनी दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए है। बुधवार के हादसे के संबंध में अनकापल्ली जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया, जिले के अचुटापुरम स्थित एसेंशिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में दोपहर 2:15 बजे आग लग गई। फैक्टरी में दो शिफ्ट में 381 कर्मचारी काम करते हैं। विस्फोट लंच के समय हुआ। इसलिए, कर्मचारियों की उपस्थिति कम थी। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर जताया दुख :उन्होंने कहा कि धमाका बिजली से संबंधित होने का संदेह है। 40 घायल लोगों को अनकापल्ली और अचुटापुरम के कई अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं इस हादसे की सूचना पर अग्निशमन विभाग, छह दमकल गाड़ियों को मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान में लगा हुआ है। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कंपनी में लोगों की मौत पर दुख जताया है।

बिहार सरकार

श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार

बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड

बोर्ड का हाथ, निर्माण श्रमिकों के साथ

निर्माण श्रमिक कौन :- राज मिस्त्री, टाईल्स मिस्त्री, पेंटर, रेजा, हेल्पर, बढ़ई, लोहार, बिजली मिस्त्री, सेंन्ट्रींग मिस्त्री, वेल्डर, कंक्रीट मिक्सर, ईंट निर्माण मजदूर, रोलर चालक, मनरेगा श्रमिक (बागवानी एवं वानिकी छोड़कर) इत्यादि।

विवाह के लिए वित्तीय सहायता
राशि ₹50,000/- (दो व्यस्क पुत्रियों के लिए)

मातृत्व लाभ
90 दिनों के न्यूनतम मजदूरी के समतुल्य राशि

पितृत्व लाभ
राशि ₹6,000/-

शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता
राशि 5,000/-, 10,000/-, ₹20,000/- एवं ट्यूशन फी

नकद पुरस्कार
राशि ₹10,000/-, 15,000/- और ₹25,000/- प्रत्येक वर्ष अधिकतम दो बच्चों के लिए मैट्रिक एवं इंटर में 60% या अधिक अंक लाने पर

साईकिल क्रय
राशि ₹3,500 /- एक बार

भवन मरम्मति अनुदान
राशि ₹20,000/- एक बार

औजार क्रय
अधिकतम ₹15,000 /- तक के मूल्य का औजार एक बार

वार्षिक चिकित्सा सहायता
राशि 3,000/- प्रतिवर्ष

चिकित्सा सहायता
मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना के समतुल्य राशि

मृत्यु लाभ
2,00,000/- (स्वभाविक मृत्यु)
4,00,000/- (दुर्घटना मृत्यु)

दाह संस्कार हेतु
राशि ₹5,000/-

विकलांगता पेंशन
स्थायी पूर्ण निःशक्तता में रु०- 75,000/- एकमुश्त अनुदान एवं रु०-1000/- प्रतिमाह पेंशन
स्थायी आंशिक निःशक्तता में रु०- 50,000/- एकमुश्त अनुदान

पेंशन
₹1,000/- प्रतिमाह

परिवार पेंशन
पेंशनधारी के मृत्यु के पश्चात पेंशनधारी को प्राप्त राशि का 50% राशि या ₹100/- जो अधिक हो

निबंधित श्रमिक स्वयं या CSC वसुधा केंद्र के माध्यम से बोर्ड के पोर्टल www.bocw.bihar.gov.in पर आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

नोट : किसी तरह के शिकायत अथवा जानकारी के लिए संबंधित प्रखंड के श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी / जिला के श्रम अधीक्षक कार्यालय अथवा बोर्ड (मु0) के फोन नं0- 0612-2525558 / ई मेल ID biharbhawan111@gmail.com पर संपर्क करें।

PR No.- 006555 (LRD)D. 2024-25

संक्षिप्त खबरें

लेटरल एंट्री रद्द करने और एससी-एसटी बिल संशोधन करने से इंकार पर पीएम और चिराग पासवान को बधाई

फतुहा। लेटरल एंट्री और आरक्षण पर चल रहे विवाद पर बुधवार को लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष रंजीत यादव ने प्रेस को बताया कि लेटरल एंट्री को रद्द कर दिया गया है तथा एससी-एसटी बिल में संशोधन से प्रधानमंत्री ने इंकार कर दिया है। इसके लिए हम सभी पटना जिला पूर्वी की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को पटना पूर्वी जिला की ओर से धन्यवाद व्यक्त करते हैं और बधाई देते हैं। प्रेस वार्ता में नगर अध्यक्ष अनील चंद्रवंशी, युवा नगर अध्यक्ष अमरदीप पासवान, बैजनाथ पासवान सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

बेअसर रहा भारत बंद

फतुहा। बुधवार को भारत बंद का असर फतुहा व दनियावां में नहीं देखा गया। बाजार खुली रही तथा सड़को पर हमेशा की तरह वाहनों का आवागमन होता रहा। इसी दरम्यान अम्बेडकर सेना के कार्यकताओं ने शहर के अंदर जुलुस निकालकर प्रदर्शन किया तथा सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण सम्बंधित फैसले का विरोध किया। कार्यकताओं ने आरक्षण में आरक्षण के फामूर्ले को रद्द करने की मांग की। कार्यकताओं की यह जुलुस महारानी चौक से निकलकर चौराहा होते हुए स्टेशन रोड तक गयी और फिर महारानी चौक वापस लौटने पर आमसभा में तब्दील हो गयी। अम्बेडकर सेना के इस जुलुस प्रदर्शन को भाकपा माले ने भी समर्थन किया। वहीं आरपीएफ, रेल पुलिस व फतुहा थाना की पुलिस ने भारत बंद को देखते हुए स्टेशन क्षेत्र के साथ साथ औद्योगिक क्षेत्र व स्टेशन रोड में फ्लैग मार्च किया। दूसरी तरफ दनियावां प्रखंड के एमन बिगहा गांव के पास बिहटा शरमेरा दनियावां राजमार्ग को अम्बेडकर सेना के कार्यकताओं ने सड़क जाम कर दिया। लेकिन शाहजहांपुर की पुलिस पहुंचते ही कार्यकताओं ने सड़क जाम को हटा लिया।

पुराने विवाद में एक युवक को गोली मार कर हत्या

दानापुर। नगर के अंतर्गत शाहपुर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर में बुधवार को अपराह्न पुराने विवाद में एक युवक को गोली मार दिया।गोली लगने से जख्मी 25 वर्षीय अंजेश कुमार को सगुना खगौल रोड में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं गोली मारने के बाद आरोपी राहुल कुमार पिस्तौल लहराते और फायरिंग करते हुए फरार हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस छानबीन करने में जुट गई। बताया जाता है कि भगवतीपुर निवासी स्व सिद्धनाथ शर्मा का पुत्र अंजेश अपराह्न पांच बजे के आसपास बिहटा से घर लौट रहा था। गांव में गया ही था कि स्थानीय निवासी रामकुमार सिंह का पुत्र राहुल कुमार पहले से अपने दोस्तों के संग घात लगाए हुए था।अंजेश को अकेला पाकर एक फायर किया जो अंजेश के बांये जांघ में जाकर लगी। फायरिंग होने की आवाज होते ही आसपास के लोग निकले।तब सभी पिस्तौल लहराते और फायरिंग करते हुए भाग निकले। थानाध्यक्ष मनीष आनंद ने बताया कि पुराने जमीनी विवाद में भगवतीपुर निवासी अंजेश को राहुल ने गोली मार दिया। जिससे वह जख्मी हो गया। आरोपित राहुल पहले भी जेल जा चुका है।

आग का मामत होगा कल

पटना सिटी (प्राकि)। अंजुमन ए पंजेतनी की ओर से चेहल्लुम को लेकर आग का मातम 23 अगस्त को किया जाएगा। इसका आयोजन नौजर कटरा स्थित इमामबाड़ा में होगा। आयोजन समिति के महासचिव अली इमाम, सचिव अली अब्बास, एकबाल हैदर, जावेद बबलू और चमडोरिया दरगाह के सचिव सैयद शाह जौहर इमाम जौनी ने बताया कि अंजुमन के लोग आग के अंगारों पर अलम लेकर चलते हुए मातम करेंगे। इससे पहले मौलाना समर अब्बास की तकरीर होगी।

दिसंबर 2025 तक 50 प्रतिशत स्वास्थ्य संस्थानों के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण का लक्ष्य

अब प्रत्येक माह होगा इंडिकेटर परफॉरमेंस और पेशेंट सटिस्फैक्टरी सर्वे

- एनक्यूएएस प्रमाणीकरण से स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एनक्यूएएस प्रमाणीकृत स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। राज्य स्वास्थ्य समिति में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में अगले साल तक इसमें प्रत्येक जिले से उसके 50 प्रतिशत स्वास्थ्य संस्थानों को एनक्यूएएस से प्रमाणीकृत करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में बताया गया कि एनक्यूएएस प्रमाणीकरण के लिए चल रहे प्रयासों को भारत सरकार के द्वारा निरंतर अवलोकन किया जा रहा है। एनक्यूएएस के राष्ट्रीय असेसर डॉ माहताब सिंह ने बताया कि ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण से प्राथमिक स्तर पर मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं भी बढेंगी। स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों के लिए मिलने वाली सुविधाओं से स्थानीय लोगों का विश्वास स्वास्थ्य सुविधाओं पर बढ़ेगा। वहीं इसके दूरगामी परिणामों में हेल्थ इंडिकेटरों में भी वृद्धि होगी। मालूम हो कि राज्य के 23 जिलों में एनक्यूएएस प्रमाणीकृत स्वास्थ्य संस्थान मौजूद हैं। जिन जिलों में नेशनल लेवल एनक्यूएएस प्रमाणित स्वास्थ्य संस्थान नहीं हैं वहां के जिला कार्यक्रम प्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि वे जिले के सभी संस्थानों का इंटरनल असेसमेंट प्रत्येक त्रैमास में संस्थान के क्वालिटी टीम के द्वारा करें। इसके बाद प्राप्त इंटरनल असेसमेंट रिपोर्ट का संकलन एवं समीक्षा जिला स्तर पर गठित जिला स्तरीय क्वालिटी एश्योरेंस यूनिट द्वारा कराएं। वहीं प्रत्येक माह सभी स्वास्थ्य संस्थानों से की परफॉर्मेंस इंडिकेटर तथा पेशेंट सटिस्फैक्शन सर्वे भी अगले माह के 5 तारीख तक राज्य को सुपुर्द कर दें। अधिक से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण को सही मानते हुए मुजफ्फरपुर के डीपीएम रेहान अशरफ कहते हैं कि हाल ही में यूपीएचसी के कन्हौली को एनक्यूएएस का प्रमाणीकरण मिला है। इसका असर स्पष्ट तौर पर वहां मिलने वाली 12 तरह की सेवाओं पर दिखता है।

इससे की इंडिकेटर परफोरमेंस में बढ़ोतरी हुई है। एएनसी, टीकाकरण, ओपीडी, परिवार नियोजन, आउटरीच में होने वाली एक्टिविटी का विस्तार हुआ है। जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में एनक्यूएएस पाने की होड़ लगी है। वहीं वैशाली के धनुषी एचडब्ल्यूसी की सीएचओ सुप्रिया कुमारी कहती हैं कि पेशेंट सटिस्फैक्टरी सर्वे से संस्थान पर उपलब्ध सेवाओं का विस्तार होगा। केंद्र पर इंफ्रा का विकास होगा,जिसका सीधा असर वहां के स्वास्थ्य सुविधाओं का पड़ेगा। स्वस्थ माहौल का निर्माण होगा जो स्वास्थ्य के चहुंमुखी विकास के लिए जरूरी है।

कंगन घाट मरीन ड्राइव को 600 नीम पौधा लगा बनाया कारिडोर

- रक्षा सूत्र बांध, पूजा व आरती कर सेवा का लिया संकल्प

पटना सिटी, प्रात :किरण, संवाददाता

छोटा सा प्रयास संस्था द्वारा कंगन घाट मरीन ड्राइव पर नीम कॉरिडोर में पेड़ बचाओ धरती बचाओ अभियान के तहत मनाया गया। कंगन घाट मरीन ड्राइव नीम कॉरिडोर में 600 नीम के पौधा को पुरोहित बिरजू महाराज मिश्रा ने विधिवत वृक्ष सुरक्षा के लिए पूजा-अर्चना संपन्न कराया। संस्था के साथियों ने सभी वृक्षों की आरती उतार कर रक्षा सूत्र बांध कर वृक्ष की देखभाल, सेवा और सुरक्षा करने का प्रण लिया। इस अवसर पर तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के प्रबंधक दिलीप सिंह पटेल और त्रिलोकी सिंह निषाद अपने साथियों के साथ शामिल हुए। स्थानीय लोग भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों ने नारा बुलंद करते हुए वृक्ष की रक्षा कौन करेगा? हम करेंगे, हम करेंगे। पेड़ बचाओ धरती बचाओ। पेड़ ही जीवन है, संरक्षण जरूरी है। आगे आएं पर्यावरण बचाएं आदि संदेश जनमानस को दिया। इसमें मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष पर्यावरण मित्र सुभाष कुमार उर्फ अन्नू कसेरा, महासचिव कन्हाई पटेल, संतोष अग्रहरि, जगन्नाथ कुमार, सरदार सूरज सिंह, आदित्य केसरी, राजीव वर्मा, रामानंद यादव, परमानंद जी, कृष्णा पटेल, श्याम किशोर सिंह आदि शामिल हुए।

सीनियर सिटीजन्स वेलफेयर 15 वां वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। सीनियर सिटीजन्स दिवस पर सीनियर सिटीजन्स वेलफेयर सोसाइटी, पटना-7 ने अपना 15 वां वार्षिकोत्सव शीला मैरेज हॉल त्रिपोलिया, बालकिशुनगंज, पटना-4 में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि अशोक कुमार सूखा, से०नि० पुलिस महानिदेशक एवं। विशिष्ट अतिथि डॉ विश्वेन्द्र कुमार सिन्हा, से.नि विभागाध्यक्ष, पीएमसीएच, पटना एवं संतोष कुमार से.नि. प्राध्यापक, एनआई है. उपस्थित रहे। सोसाइटी की ओर से सभी अतिथियों को मोमेंटो एवं सम्मान-0पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं संस्था के अध्यक्ष डॉ अविनाश प्रसाद को0मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। वरिष्ठ सदस्य राम स्वरूप प्रसाद, विद्यासागर, डॉ नवल किशोर शमी, स्वागत कत्ती, प्रो प्रभात चन्द, से.नि प्राध्यापक (सायंस कॉलेज), सुदर्शन प्रसाद सिंह एवं रविन्द्र प्रसाद सिन्हा को पुष्प एवं रुमाल अर्पित कर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था की और से अध्यक्षीय भाषण डॉक्टर अविनाश प्रसाद एवं प्रतिवेदन डॉ सुरेन्द्र प्रसाद द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा निरवर सेवाएं प्रदान करने के लिए सराहना किये बही जैभाषिक सामान्य बैठक एवं अन्य कार्यो के सम्पादन पर बल दिया। अनुभव साझा कर बुजुर्गो को लाभान्वित किया जाय। वहीं प्रो. संतोष कुमार द्वारा जल संरक मोबाइल से बच्चों को सुरक्षित रखने, सर्कुलर इकोनोमी पर चर्चा किये। निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा पर जोर दिये। धन्यवाद ज्ञापन ई. अनुल हयात द्वारा तथा मंच संचालन रविन्द्र प्रसाद सिन्हा द्वारा किया। राष्ट्रगान से समोराह की समाप्ति की गयी।

पटना फ्रूट मर्चेंट एसो. के श्मशाद अध्यक्ष, भुट्टो महासचिव व वसीम कोषाध्यक्ष बने

- मुसल्लहपुर बाजार समिति के कारोबारियों व व्यापारियों कीसमस्या को दूर करने पर होगा काम

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मुसल्लहपुर स्थित बाजार समिति परिसर में पटना फ्रूट्स मर्चेंट एसोसिएशन का चुनाव बुधवार को हुआ। इसमें बाजार समिति के कारोबारियों ने भाग लिया। चुनावी प्रक्रिया के बाद सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर मो शमशाद आलम, महासचिव मो साबिर उर्फ भुट्टो खान, कार्यकारी अध्यक्ष मो रईस अहमद, कोषाध्यक्ष मो वसीम, संयुक्त संगठन सचिव मो सिकंदर अली शब्बू, मो रियाज रिंकू का चयन किया गया। इस अवसर पर बाजार समिति के सबसे वरिष्ठ व्यापारी हाजी अब्दुल लतीफ की अध्यक्षता में सभी पदों पर चयनित पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की। इस अवसर पर मो फुरकान अली ने लोगों को बताया कि 1974 में सबसे पहले इस संगठन की नींव उन लोगों के द्वारा रखी गई थी। गर्व की बात है कि आज के युवाओं ने इस बागडोर को संभाला है। हम सब आशा करते हैं कि इनलोगों की देखरेख मे मुसल्लहपुर बाजार समिति नई बुलंदियों को लिखेगा। इस अवसर पर बाजार समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सम्मिलित रूप से कहा कि जल्द ही संगठन का विस्तार किया जाएगा। इसके बाद बाजार समिति की मुख्य समस्याओं को लेकर कृषि मंत्री या फिर जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री के पास भी जाया जाएगा। नवनियुक्त पदाधिकारी ने कहा कि अब संगठन का नए सिरे से गठन हो गया है और नए सिरे से कारोबारियों की समस्याओं को देखा और समझा जाएगा। फिलहाल बाजार समिति में पुरानी दुकान की जगह लोगों को नई दुकान बना कर आवंटित किया जा रहा है। बाजार समिति परिसर का भी कायाकल्प हो रहा है। ऐसे में हो रहे कार्यों की समीक्षा कर जहां कमी रह गई है, उस संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारी और मंत्री से मिलकर बात रखी जाएगी। परिसर में सफाई, अतिक्रमण हटाने, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षा, बाजार समिति परिसर में फल, सब्जी व मछली लोडेड कामर्शियल वाहनों को नो इंट्री मुक्त पर खास जोर दिया जाएगा। इसके अलावा शौचालय और पीने के पानी के साथ ही स्नानागार की व्यवस्था भी कराई जाएगी। इस दौरान युवा व्यापारियों का स्वागत भी किया गया, जिसमें मो सफी आलम, मो मेहताब, मो शहजादा, मो लइक, मो चांद, मो फिरोजुद्दीन, मो जलालउद्दीन, मो मंज्जर आलम, राकेश कुमार, विनोद कुमार, मो टुन्नू खान, मो सरताज आलम, अवधेश कुमार, मो मिट्ठू, संजीव कुमार कल्लू, जयप्रकाश कुशवाहा, मो इस्लाम खान आदि थे ' इनके अलावा वार्ड पार्षद सतीश गुप्ता, पाटलिपुत्रा नगर विकास समिति के अध्यक्ष व समाजसेवी रितेश कुमार बबलू, मो इरफान फन्नी और पंकज पोद्दार को क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

तहजीब की बेमिसाल प्रतिमूर्ति थे बिस्मिल्लाह खां : डॉ ध्रुव

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

वैश्विक जगत में छोटे से वाद्य यंत्र शहनाई को सम्मान दिलाने वाले भारत रत्न और अनेक बड़े सम्मान से नवाजे गए शहनाई सम्राट, संगीत निर्देशक, उम्दा गायक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जयंती स्वरांजलि द्वारा बुधवार को महेंद्रू स्थित व्योम सभागार में मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डॉ ध्रुव कुमार ने कहा तहजीब की बेमिसाल प्रतिमूर्ति थे खां साहेब। शहनाई की मिठास से हिन्दुस्तान की गंगा यमुनी एकीकृत संस्कृति को ऊंचाई देने वाले उस्ताद की स्मृतियों को समेट कर बिहार सरकार विश्व धरोहर के रूप में अविलंब विकसित करे। संयोजक अनिल रश्मि ने पटना साहिब में उस्ताद के नाम पर चूंकि यहां संगीत के घराने हैं, संगीत विश्विद्यालय खोलने की मांग अनेक वर्षों से लगातार की जा रही है। शुरू में खां साहेब चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वायलिन वादक डॉ संतोष कुमार नाहर, डॉ राजकुमार नाहर, निदेशक, दूरदर्शन, ने खां साहब को नमन किया। मौके पर शिक्षाविद् नेक आलम, नितिन कुमार वर्मा, रोहन कुमार, गुंजन कुमार, मो रजी अहमद, राजा पुद्दु, प्रीति गुप्ता, सुनीता रानी, पिंकी कुमारी मौजूद थीं। संचालन मीडिया प्रभारी जितेंद्र कुमार पाल ने किया।

कबीर सर्किट और कबीर विश्वविद्यालय के लिए संगठित प्रयास करना होगा : महंत ब्रजेश मुनि

कबीर वाटिका में कबीर प्रतिमा स्थापित हो: महंत आचार्य सुरेश दास

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भारतीय कबीर धर्म परिषद के संतों का जत्था महंत ब्रजेश मुनि के नेतृत्व में बिहार विधान परिषद प्रांगण स्थित कबीर वाटिका पहुँचा जहां संतों ने कबीर वाटिका का दर्शन करके राज्य के मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। परिषद के अध्यक्ष वचनवंशीय मूलगादी रोसड़ा के महंत आचार्य सुरेश दास ने कबीर वाटिका निर्माण के लिए राज्य के समस्त कबीरपंथियों की ओर से राज्य के मुख्यमंत्री को साधुवाद दिया और कबीर वाटिका में सद्गुरु कबीर की प्रतिमा स्थापित करने का आग्रह किया। सुरेश दास ने कहा कि प्रतिमा का दर्शन करने से लोगों में कबीर साहेब के जीवन दर्शन की प्रेरणा मिलेगी। सत्य कबीर आश्रम रक्सौल के महंत संत परमानंद दास शास्त्री ने कहा कि कबीर पंथियों के लिए मुख्यमंत्री जी की यह कीर्ति गौरवपूर्ण है। कबीर सर्किट की माँग सहित कबीरपंथ को एक धर्मपंथ के रूप में मान्यता दिलाने के लिए हम महंत ब्रजेश मुनि के नेतृत्व में संगठन के साथ मिलकर प्रयास करेंगे। महंत ब्रजेश मुनि महाराज ने कहा कि सद्गुरु कबीर ही ऐसे संत हुए जिन्होंने सम्पूर्ण मानव समुदाय को एकात्म होकर जीने कबीर वाटिका में उनके साखी, बीजक, रमैनी, दोहे के प्रासंगिक एवं अनुकरणीय विषय लिखित रूप मे कबीर वाटिका में प्रदर्शित की जानी चाहिए। बिहार के कबीर मठों को आपस में जोड़ने के लिए कबीर सर्किट का निर्माण, कबीर विश्वविद्यालय की स्थापना आदि कार्यों के लिए सरकार स्तर पर पहल सुनिश्चित करने के लिए संतों का समेकित प्रयास कारगर पहल साबित होगा। इसके लिए ब्रजेश मुनि ने सभी कबीर पंथी साधु संतों का आह्वान किया। जत्था में बीस संत शामिल थे। सभी ने महंत ब्रजेश मुनि के नेतृत्व में समर्पित भागीदारी का वचन दिया।

भारत बंद का आसर कुछ इलाके में दिखा

दानापुर। नगर के अंतर्गत अनुसूचितजाति जनजाति आरक्षण मे क्रीमीलेयर संबंधी सुप्रीमकोर्ट के सुझाव के विरोध में आहूत भारत बंद का नगर के कुछ इलाके में आंशिक नजारा दिखा। नगर के रूपसपुर नहर व रूकनपुरा के निकट बंद समर्थको ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। वही दानापुर शहर में इसका कोई खास असर नही दिखा। सुबह करीब पौने दस बजे बंद समर्थकन सड़क पर उतर आये। लोगो ने बंद के समर्थन में नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। जिससे दोनो ओर वाहनो की लंबी कतार लग गया। कई स्कूली वाहन निजी वाहन व सवारी वाहन के साथ एम्बूलेंस भी जाम में फंस गये। रूपसपुर ओभरब्रीज पर रूक रूक कर गाडिया रेंगती रही। जाम में घंटो वाहन फंसे रहे। सूचना पर पहुंची रूपसपुर पुलिस लोगो को समझाने बुझाने में लगी रही। काफी मशक्कत के बाद रूपसपुर ओभरब्रीज के नीचे से जाम हटाया। जिसके बाद लोग रूकनपुरा में जाम कर दिया। बाद में वहां से भी लोगो को पुलिस ने हटाया। जिससे घंटो तीन एम्बूलेंस फंसी रही। जाम हटने के बाद घंटो पुलिस को यातायात सामान्य करने में मशक्कत करनी पड़ी।

अनुसूचित जाति जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण के खिलाफ बंद विफल

सिटी में खुली रही दुकाने, चलते रहे वाहन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरक्षण बढ़ाओ, संविधान बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक दलित नेता अमर आजाद दलित युवाओं के साथ महेंद्रू से बंद के समर्थन में जुलूस निकाला। इसके पूर्व अंबेडकर कल्याण छात्रावास के पास आगजनी कर अशोक राजपथ को जाम कर दिया और मांगों के समर्थन में नारेबाजी की गई। इसके बाद सभी दुकान और वाहन को बंद कराते हुए गांधी मैदान की ओर प्रस्थान कर गए। बंद के समर्थन में जुलूस लेकर डाकबंगला चौराहा पटना पहुंचे थे, जहां अमर आजादगौतम कुमार एवं दलितों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बंद को लेकर बुधवार को भी पुलिस प्रशासन मुस्तैद दिखा। इस दौरान बंद समर्थक नहीं दिखे। अनुमंडल प्रशासन की ओर से बंद को लेकर पुलिस प्रशासन की तैनाती रही। इसके अलावा प्रमुख चौक-चौराहों पर भी दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी तैनात थे। अशोक राजपथ व सुदर्शन पथ पर भी वाहनों का परिचालन सामान्य ढंग से हो रहा था। इस दौरान बंद को लेकर वाहनों का परिचालन सामान्य दिनों की अपेक्षा कम रही। गांधी सेतु पर भी वाहनों का परिचालन होता रहा।

नवरात्र के पूर्व मूल गर्भगृह में विराजित होंगी भगवती: डीएम

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्राचीन विरासत स्थल सह शक्तिपीठ स्थल श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर, अगमकुआं स्थित श्री शीतला माता मंदिर एवं श्री छोटी पटनदेवी मंदिर का डीएम ने बुधवार को स्थल भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर एवं शीतला माता मंदिर में निमार्णाधीन कार्यों में प्रगति की समीक्षा की। डीएम डॉ सिंह ने कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन-1 को श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए इन दोनों स्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों को सितंबर माह में पूरा करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्री छोटी पटनदेवी मंदिर में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए गेट का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन-1 को यह बनाना है। सिटी एसडीओ को सभी स्टेकहोल्डर्स (हितधारकों) के साथ बैठक कर गेट के निर्माण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का निदेश दिया गया है। डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निदेश पर प्राचीन विरासत स्थलों को अक्षुण्ण रखने के लिए विकास का कार्य कराया जा रहा है। श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर, श्री शीतला माता मंदिर एवं श्री छोटी पटनदेवी मंदिर में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए अनेक कार्य किया जा रहा है। भविष्य में भी विकासात्मक कार्यों का किया जाना प्रस्तावित है। श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर में मुख्य भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन-1 द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। डीएम के द्वारा स्थल भ्रमण के समय समीक्षा में पाया गया कि मुख्य भवन के निर्माण कार्य में खासा प्रगति है। इस भवन में बेदी का भी निर्माण किया जा रहा है। बड़ी पटनदेवी मंदिर में शिखर का कार्य, इनले कार्य एवं पॉलिशिंग का कार्य चल रहा है। सभी कार्य तेजी से हो रहा है। नवदुर्गा कलाकृतियों का कार्य 23 अगस्त से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि फेज-1 का सभी कार्य 30 सितम्बर तक पूरा करने का निदेश कार्यपालक अभियंता को दिया गया है। इसका कार्य संपन्न होने के बाद इसे प्रबंधन को सौंप दिया जाएगा। इस वर्ष तीन अक्टूबर को दुर्गा पूजा शुरू होगा। उसी दिन कलश स्थापन यानी पहली पूजा है। इसके पूर्व नवनिर्मित मुख्य भवन में भगवती की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इस बार श्रद्धालुओं को यहां मूल गर्भ गृह में दुर्गापूजा के लिए अत्यंत उत्कृष्ट सुविधा उपलब्ध होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शक्तिपीठ स्थल श्री बड़ी पटनदेवी मंदिर में दुर्गापूजा के बाद अक्टूबर में फेज-2 का काम शुरू होगा। इसमें मुख्य भवन के ठीक सामने यात्री मंडप एवं गेट का भी निर्माण होगा। 04 कमरों का भी निर्माण किया जाएगा। दो मंजिलों सामुदायिक भवन भी बनाया जाएगा। डीएम डॉ सिंह ने कहा कि कार्यपालक अभियंता को मंदिर के बगल में स्थित सामुदायिक भवन पर एक अतिरिक्त फ्लोर का निर्माण इस नवरात्र से पहले करने का निदेश दिया गया है। सामुदायिक भवन के छत की ढलाई का कार्य पूरा हो चुका है। जिलाधिकारी द्वारा ईंट जोड़ाई का कार्य दिनांक 22 अगस्त से शुरू करने का निदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि प्राचीन विरासत स्थल अगमकुआं स्थित श्री शीतला माता मंदिर के विकास के लिए सरकार के द्वारा छह योजना को स्वीकृति दी गई है। इसमें मंदिर के आगे घेराबंदी, घेराबंदी के आगे नाला का निर्माण, श्रद्धालुओं की निकासी को निकास द्वार का निर्माण, मंदिर के बाएं और दाहिने फर्श में कोटा स्टोन का कार्य, सामुदायिक भवन की मरम्मत एवं पीछे भाग की चहारदीवारी पर बार्ब्ड तार लगाने का कार्य होगा। डीएम ने कहा कि सभी कार्य यहां प्रगति पर है। कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन-1 को 15 सितम्बर तक इन सभी कार्यों को पूरा करने का निदेश दिया गया। कोटा स्टोन का कार्य भी एक-दो दिन में शुरू करने का निदेश दिया गया है। बाउंड्री वॉल बनने के बाद निकास द्वार का निर्माण कार्य शुरू करने का निदेश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यपालक अभियंता को टाइम लाइन के अनुसार सभी कार्यों को ससमय पूरा करने का निदेश दिया गया है।

1300 सिख संगतों को ले 27 को आएगी स्पेशल ट्रेन पटना साहिब

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सिखों के पांच प्रमुख तख्त के दर्शन के लिए महाराष्ट्र के नान्देड़ स्थित श्री हजूर साहिब से 25 अगस्त को स्पेशल ट्रेन खुलेगी। यह स्पेशल ट्रेन तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में 27 अगस्त की सुबह आएगी। प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की ओर से इसके लिए तैयारी की गयी है। गुरुद्वारा शहीद बाबा भुजंग जी चेरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक सरदार हरविंदर सिंह लॉर्ड ने बताया कि स्पेशल ट्रेन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी शोभायान होंगे। इसके साथ ही निशान साहिब, पंज प्यारे, सिंह साहिब और रागी जत्थों के साथ धार्मिक मयार्दा के स्टाफ भी साथ में रहेंगे। पटना साहिब स्टेशन से 28 अगस्त को संगत आगे के लिए प्रस्थान करेगी। यहां से ट्रेन दिल्ली जाएगी। दिल्ली से आनंदपुर साहिब, सरहिंद, तलवंडी साबो होते हुए दो सितंबर को अमृतसर पहुंचेगी। यहां श्री अकाल तख्त में संगत दर्शन व दीदार करेगी। इसके बाद चार सितंबर को श्री अकाल तख्त साहिब में होने वाले श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व में संगत शामिल होगी। प्रकाश पर्व के दौरान वहां पर संगत नगर कीर्तन भी निकालेगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 22 अगस्त, 2024

फिल्म निर्माण से जुड़े निवेशकों को हर संभव मदद देगी सरकार : विजय

बोलें- राज्य को फिल्म उद्योग का हब बनाना हमारा लक्ष्य

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में फिल्म उद्योग से जुड़े एक प्रतिनिधमंडल ने उपमुख्यमंत्री सह कला, संस्कृति एवं युवा मामलों के मंत्री विजय कुमार सिन्हा से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में वॉर्नर म्यूजिक ग्रुप के भारत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र के मैनेजिंग डायरेक्टर जय मेहता, फिल्म अभिनेता क्रांति प्रकाश झा, ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन के सीईओ राजकुमार सिंह तथा फिल्म निमार्ता एवं महाराष्ट्र भाजपा की चित्रपट सह प्रभारी हेनल मेहता शामिल थे। इस मुलाकात के दौरान बिहार में फिल्म उद्योग से जुड़ी निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस चर्चा के बारे में जानकारी देते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा लायी गयी फिल्म प्रोत्साहन नीति की आज पूरे देश में चर्चा हो रही है । यह देश की सबसे अद्यतन नीति तो है ही साथ ही इसमें निवेशकों, कलाकारों तथा फिल्म निर्माण से जुड़ने के आकांक्षी युवाओं के लिए व्यापक संभावनाएं हैं । आज फिल्म निर्माण से जुड़ी दिग्गज कंपनी द्यवॉर्नर ब्रदर्सद्ध के प्रतिनिधियों सहित प्रतिनिधि मंडल के सभी सदस्यों ने बिहार में फिल्म निर्माण,संगीत , स्टुडियो तथा फिल्म प्रशिक्षण के क्षेत्र में निवेश करने की मंशा जाहिर की है। श्री सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश को फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे पास अलग-अलग क्षेत्रीय भाषा, संस्कृति और शूटिंग के लिए उपयुक्त स्थलों के अलावा रचनात्मक प्रतिभाओं का व्यापक आधार है। हमारे पास फिल्म उत्पाद के लिए एक उभरता हुआ विशाल बाजार भी है । लिहाजा बिहार में फिल्म उद्योग से जुड़ी गतिविधियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सरकार इन गतिविधियों को राज्य की जनता और देश-दुनिया में राज्य की बेहतर छवि निर्माण के लिए हर प्रकार की संस्थागत समर्थन उपलब्ध कराएगी। श्री सिन्हा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने प्रदेश में निवेश माहौल को लेकर काफी उत्साहजनक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा राज्य में रोजगार और राजस्व बढ़ाने के लिए हो रहे प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने राज्य में फिल्म पुरस्कार एवं प्रदर्शन से जुड़े समारोह के आयोजन, फिल्म सिटी को विकसित करने, फिल्म कौशल विकास तथा राज्य में म्यूजिक इंडस्ट्री को और बेहतर बनाने के प्रति भी उत्साहजनक रुख दिखाया है। आने वाले दिनों में फिल्म उद्योग से जुड़े और भी निवेशकों से मुलाकात प्रस्तावित है। उम्मीद है कि हमारी फिल्म प्रोत्साहन नीति से जो उत्साहजनक माहौल बना है उसका परिवर्तनकारी प्रभाव बिहार के उद्यम,निवेश, रोजगार और विकास परिदृश्य पर पड़ेगा।

महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए मिलेगा मुफ्त टीका

- मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना की कैबिनेट से स्वीकृति
- स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के प्रति सरकार कृत-संकल्पित : मंगल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

सूबे में महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए मुफ्त टीका लगेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना की स्वीकृति दी गई। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि इस योजना के तहत मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से अनुदान उपलब्ध करायी जाएगी। जिसके तहत बिहार की महिलाओं में होने वाली सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 09-14 वर्ष उम्र की बालिकाओं को निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में लिया गया यह एक ऐतिहासिक फैसला है। जिससे सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा या बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) जैसी एक गंभीर बीमारी की रोकथाम में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के प्रति कृत - संकल्पित है। श्री पांडेय ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर 5 सर्वाइकल कैंसर मरीजों में से एक भारत में होता है और इस बीमारी से ग्रसित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में यह कैंसर मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है और वयस्क महिलाओं में कैंसर से होने वाली सभी मौतों का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। वर्तमान में, भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग चार लाख नए सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर से होने वाली मृत्यु के मामलों में बिहार चौथे स्थान पर है। जहां प्रति वर्ष लगभग 1 लाख 20 हजार नए मामले दर्ज होते हैं और इनमें से 5 से 6 प्रतिशत तक मरीजों की मौत हो जाती है। सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण ह्यूमन पेपिलोमा वायरस है। इस वायरस के संक्रमण से महिलाओं में यह कैंसर का रूप ले सकता है। हालांकि, सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है क्योंकि इसके लिए एक प्रभावी वैक्सिन एचपीवी उपलब्ध है। श्री पांडेय ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन कैंसर से 98 प्रतिशत तक बचाव कर सकती है और यह विशेष रूप से 09 से 14 साल की बालिकाओं पर प्रभावी रहती है। इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग ने इस बीमारी की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, इस आयु वर्ग की अनुमानित संख्या लगभग 95 लाख है। इस टीकाकरण कार्यक्रम पर प्रति वर्ष लगभग 1.50 सौ करोड़ रुपये की लागत आंकी गई है जो मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से वहन की जाएगी।

भारत बंद के दौरान राजधानी में लाठीचार्ज, यातायात प्रभावित

डाकबंगला व बेली रोड पर प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय के अनुसूचित जाति के आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के निर्णय के विरोध में दलित संगठनों की ओर से बुधवार को आहूत एकदिवसीय भारत बंद के दौरान बिहार की राजधानी पटना में पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी। वहीं प्रदर्शनकारियों ने आरा, दरभंगा और मधुबनी में ट्रेन को रोककर प्रदर्शन किया। पटना में बुधवार को प्रदर्शनकारी महेंद्रू से डाकबंगला चौराहा पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया। लेकिन, प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने कहा, डाक बंगला चौक पर यातायात को अवरुद्ध करने और पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने हल्का लाठीचार्ज किया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। पटना के कई इलाकों में बंद का असर दिखा। बेली रोड पर रुकनपुरा के पास बंद समर्थक दोनों तरफ से सड़क को जाम किया। एंबुलेंस को निकालने और यातायात व्यवस्था सुचारु करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प भी हुई। पुलिस पर पथराव किया गया। एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट लगी है जिसका इलाज चल रहा है। बेली रोड पर बंद समर्थक के द्वारा सड़क जाम के कारण कई एंबुलेंस भी फंसी रही। रूपसपुर थाने की पुलिस यातायात व्यवस्था बहाल करने के लिए 3 घंटे तक कड़ी मशक्कत करती नजर आई। जो लोग आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे उन्हें प्रदर्शनकारी घेर ले रहे थे। आम लोगों को बंद के दौरान काफी परेशानी हुई। मौजूद अधिकारियों ने बताया कि पुलिस के ऊपर पत्थरबाजी की गई। इसके बाद पुलिस ने लाठी चलायी। प्रदर्शन में शामिल युवक ने बताया कि उनके आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। उनके समाज के जिन लोगों ने आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पद हासिल किया वही लोग उनके आरक्षण को खत्म कर रहे हैं। बाबा साहब ने आरक्षण दिया है। इससे छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे।

भारत बंद के आड़ में हुड़दंग को उचित नहीं ठहराया जा सकता: श्रवण

- विपक्ष के नेताओं ने छुट्टी मनाने के लिए किया भारत बंद का एलानः जयंत
- विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर सरकार प्रतिबद्धः सुनील

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने भारत बंद पर कहा कि प्रदर्शन के आड़ में हुरदंग को कभी उचित नहीं ठहराया जा सकता है। लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी बातों को सरकार तक पहुंचाने के कई विकल्प मौजूद हैं। रेल और सड़क मार्ग को बाधित करना किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। मंत्री उक्त बातें बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कही। इस दौरान मंत्री ने कहा कि राजद के लोग जब हमारे साथ होते हैं तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गुणगान करते नहीं थकते और सत्ता से बहार होते हजार खामियां गिनाने लगते हैं। राजद के इस दोहरे चाल-चरित्र को बिहार की जनता अब पहचान चुकी है। श्री श्रवण कुमार ने कहा कि राजद वालों का स्वप्न कभी पूरा नहीं होगा। इस अवसर पर भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने कहा कि जर्जर और अनुपयोगी भवनों को राज्य सरकार नए सिरे से मल्टी स्टोरेज इमारत के रूप में तैयार करेगी, जिससे आने वाले दिनों में आम लोगों को व्यापक फायदा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं ने छुट्टी मनाने के लिए भारत बंद का ऐलान किया है, जबकि बंदी पूरी तरह से बेअसर साबित हुआ। श्री जयंत राज ने रालोम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा को एनडीए की ओर से राज्यसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी बनाए जाने पर बधाई दी और कहा कि इससे एनडीए गठबंधन मजबूत होगा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए 2025 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करेगा।

शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार ने कहा कि सभी विधायकों एवं विधान पार्षदों से 10-10 ऐसे सरकारी विद्यालयों की सूची मांगी गई है जो जर्जर स्थिति में है। ऐसे विद्यालयों का राज्य सरकार द्वारा पूर्ण रूप से जीर्णोद्धार कराया जायेगा और कुछ जगहों पर काम भी शुरू हो चुका है। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यालयों का जीर्णोद्धार एवं मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मदरसों में सिलेबस से जुड़े विवाद पर श्री सुनील कुमार ने कहा कि यह मामला संज्ञान में आने के बाद संबंधित अधिकारियों को छानबीन के निर्देश दिए गए हैं। जो भी तथ्य सामने आते हैं फिर उसके आधार पर सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे। इससे पहले मंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुए एवं उनके नियमसंगत निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। मौके पर बिहार सरकार की पूर्व मंत्री रंजू गीता एवं पार्टी के प्रदेश महासचिव लोकप्रकाश सिंह मौजूद रहे।

केंद्र की एनडीए सरकार आरक्षण के खिलाफ : तेजस्वी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में आंदोलन चल रहा है। इसे लेकर बुधवार को भारत बंद का भी आह्वान किया गया है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। तेजस्वी ने कहा कि हम लगातार कहते आ रहे हैं कि केंद्र सरकार आरक्षण के खिलाफ है और अब इसकी तस्वीर भी सामने आ रही है, आज हमने उसी का विरोध किया है। इस दौरान तेजस्वी ने मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के साथ-साथ चिराग पासवान पर भी निशाना साधा और कहा कि क्या ये लोग और इनके परिवार के अन्य सदस्य आरक्षण का लाभ नहीं ले रहे हैं। सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करने से काम नहीं चलेगा, हमें हकीकत की बात करनी होगी। बिहार में बढ़ते अपराध पर उन्होंने कहा कि हर दिन बिहार के अलग-अलग जिलों में अपराधी बिना किसी डर के खुलेआम अपराध कर रहे हैं। कल का ही उदाहरण लें, हाजीपुर में एक जनप्रतिनिधि को हथियारबंद अपराधियों ने एक-दो नहीं बल्कि पांच गोलियां मारकर हत्या कर दी। हम पूछना चाहते हैं कि क्या यही सुशासन है। उन्होंने कहा कि चंद अधिकारी और अपराधी वर्ग के लोग सरकार चला रहे हैं। बता दें कि अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का आयोजन किया। यूपी में सपा, बसपा, आजाद पार्टी समेत तमाम संगठनों ने भारत बंद को अपना समर्थन दिया।

खेल विभाग में विभिन्न कोटि के 466 पदों की स्वीकृति

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 31 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी है। बिहार के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति संशोधन नियमावली 2024 के अनुमोदन की स्वीकृति दी गई है। खेल विभाग में खेल अकादमी एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक के क्रिकेट स्टेडियम के संचालन के लिए विभिन्न कोटि के 33 संविदा आधारित पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। खेल विभाग में जिला स्तर पर विभिन्न कोटि के 466 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। गृह विभाग ने राज्य के विभिन्न जेलों में कारा एवं अस्पताल प्रबंधन के लिए कारा चालक-1 के कुल 67 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। वही पटना हाई कोर्ट की स्थापना शाखा में आईटी संवर्ग में प्रोग्रामर के दो पदों का सृजन किया गया है। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में अंग्रेजी, भौतिकी एवं गणित विषय के लिए सहायक प्राध्यापक के पूर्व से सृजित 273 पदों के अतिरिक्त सहायक प्राध्यापक के 116 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गयी। वही राजकीय पोलिटेक्निक या राजकीय महिला पोलिटेक्निक संस्थानों में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं गणित विषय के अंतर्गत पूर्व से सृजित व्याख्याता के कुल 284 पदों के अतिरिक्त व्याख्याता के कुल 131 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गयी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि हर साल 16 अगस्त को पटना में राजकीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा।

15 वर्षों तक सत्ता में रहते राजद ने कभी दलित समाज की सुध नहीं ली :उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने राजद पर दलित समाज को भ्रमाने का आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दलितों के प्रति उमड़ रहा राजद का प्रेम राजनीतिक दिखावा के सिवा और कुछ भी नहीं है, दलित समाज भी इस बात से भली-भांति अवगत है। इतिहास इस बात का गवाह है कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में दलितों के साथ सबसे अधिक अत्याचार हुए और हर प्रकार से उन्हें प्रताड़ित किया गया।

श्री कुशवाहा ने कहा कि अपने डूबते हुए राजनीतिक जहाज को बचाने के लिए तेजस्वी यादव अब दलितों को भ्रमाने की कोशिश में जुटे हुए हैं लेकिन इसका कोई लाभ उन्हें नहीं होगा। राजद को जब 15 सालों तक शासन करने का मौका मिला तो उन्होंने कभी दलित समाज की कोई सुध नहीं ली। आज बिहार का दलित राजनीतिक और सामाजिक रूप से जागरूक हो चुका है। राजद के झूठ और दुष्प्रचार के भ्रमजाल का कोई असर नहीं होगा।श्री कुशवाहा ने कहा कि राजद के शासनकाल में दलितों के साथ हुए नरसंहार का घाव आज भी ताजा है। दलितों के नए-नए हिमायती बनने का ढोंग कर रहे श्री तेजस्वी यादव ने कभी उन दलित माताओं-बहनों से माफी नहीं मांगा जिनके नौजवान बेटे और पति राजद द्वारा प्रायोजित जातीय नरसंहार के भेंट चढ़ गए। आपराधिक घटनाओं पर रोज ट्वीट करने वाले तेजस्वी यादव को कभी वक्त निकाल कर 15 वर्षों में हुए 118 नरसंहारों का भी हिसाब देना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों में बिहार का बागडोर मिलने के बाद प्रदेश में जातीय नरसंहार का दौर पूरी तरह से समाप्त हुआ। साथ ही दलित समाज को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कई निर्णायक कदम भी उठाए गए। बीते 19 सालों में अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण बजट में 400 गुणा की वृद्धि हुई। आगे उन्होंने कहा कि राजद केवल अपने स्वार्थ की राजनीति करती है, 15 वर्षों के शासन में लालू परिवार ने केवल अपना भला किया और अपने बेटे-बेटियों के नाम पर अवैध संपत्ति बनाई।

पूर्व प्रधानाचार्य प्रो अनिल कुमार ने थामा जदयू का दामन

पटना। बुधवार को जनता दल यू प्रदेश कार्यालय, पटना में फारबिसगंज इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य प्रो अनिल कुमार ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति अपनी आस्था जताते हुए जदयू का दामन थामा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पर्ची देकर उन्हें जदयू की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी मौजूद रहे। प्रो अनिल कुमार मूल रूप से नालंदा जिला अंतर्गत कल्याण बिगहा गाँव के निवासी हैं लेकिन वर्तमान में वे अररिया जिला के फारबिसगंज में रहते हैं। इस दौरान माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि प्रो अनिल कुमार ने लंबे अरसे तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाई है और समाज को सही दिशा देने का काम किया। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में उनके शैक्षिक और सामाजिक अनुभव का खासा लाभ हमारी पार्टी को मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विगत 19 वर्षों में बिहार की शिक्षा व्यवस्था को सुचारु और सद्दढ़ बनाने का काम किया है इसलिए शिक्षण क्षेत्र से जुड़े हुए प्रबुद्धजन जदयू के साथ जुड़कर बिहार को समृद्ध और विकसित बनाने में अपना योगदान देने के लिए इच्छुक हैं।

आरक्षण खत्म करने की साजिश है एससी-एसटी में उप-वर्गीकरण : सुदामा

लाठीचार्ज निंदनीय, भाकपा माले सांसद ने प्रदर्शन का किया नेतृत्व

पटना। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर और उप-वर्गीकरण के फैसले के खिलाफ बुधवार को आहूत भारत बंद के समर्थन में माले कार्यकताओं ने पूरे राज्य में प्रदर्शन किया। रेल व सड़क यातायात बाधित रहा। कई महत्वपूर्ण नेताओं की गिरफ्तारी भी हुई। राजधानी पटना में आरा से नवनिर्वाचित माले सांसद कॉ सुदामा प्रसाद ने भारत बंद के समर्थन में प्रदर्शन किया। डाकबंगला चौराहा पर प्रदर्शनकारियों पर प्रशासन ने बलप्रयोग किया। माले राज्य सचिव कुणाल ने इस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। फुलवारी में भारत बंद के समर्थन में जुलूस निकालते हुए सैकड़ों समर्थकों के साथ माले विधायक गोपाल रविदास की गिरफ्तारी हुई। उन्होंने पुनपुन में भी भारत बंद का नेतृत्व किया। नेमा और पुनपुन के बीच बिहटा-सरमेरा पथ को शांतिपूर्ण तरीके से घंटों बाधित रखा गया। सिवान में विधायक अमरजीत कुशवाहा, दरौली में सत्यदेव राम, अरवल में महानंद सिंह आदि विधायकों ने बंद के समर्थन में आयोजित जुलूस का नेतृत्व किया। माले के युवा नेता राजू यादव ने भी बंद का नेतृत्व किया। जहानाबाद में भी कुछेक लोगों की गिरफ्तारी हुई। माले सांसद सुदामा प्रसाद ने डाकबंगला चौराहे पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एससी-एसटी में क्रीमीलेयर और उपवर्गीकरण दलितों के बीच विभाजन डालने और आरक्षण खत्म करने की साजिश है। केंद्र सरकार ने दबाव के बाद क्रीमीलेयर लागू करने से तो इंकार कर दिया है लेकिन कोटा में कोटा पर चुप है। उन्होंने यह भी कहा कि आरक्षण और आर्थिक-शैक्षिक विकास को एक दूसरे के विकल्प के रूप में नहीं बल्कि एक दूसरे के पूरके के रूप में देखना चाहिए। तभी सभी तबके को मजबूती मिल सकेगी।

शोषितों व वंचितों के विकास के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध : चिराग

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि एससी एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद के फैसले का मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पक्ष में नैतिक रूप से समर्थन करती है। समाज के शोषितों और वंचितों के हक की आवाज बनना हमारा कर्तव्य है। पार्टी के संस्थापक पद्म भूषण श्रद्धेय रामविलास पासवान भी सड़क से लेकर सदन तक सदैव अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार भी शोषितों और वंचितों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। विगत दिनों प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट में यह फैसला किया गया था कि जैसे बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर ने आरक्षण के प्रावधान रखे थे, ठीक वैसे ही रहेगा। आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ नहीं की जाएगी। इस फैसले का मैं और मेरी पार्टी स्वागत करती है। मैं आश्वस्त करता हूं कि जब तक मैं हूं तब तक आरक्षण में किसी भी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है। श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के सिद्धांतों पर चलने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) दलितों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई लड़ती रहेगी। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दिया।

सरकार की दलित विरोधी नीतियों का जारी रहेगा विरोध : अनिल

पटना। एससी, एसटी आरक्षण के वर्गीकरण के खिलाफ और आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा भारत बंद का असर पटना में भी दिखा। बहुजन समाज पार्टी के बिहार प्रतिनिधि अनिल कुमार के नेतृत्व में बसपा के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने बंद को सफल बनाने में अपनी भागीदारी देते हुए मार्च निकाला। बंद के दौरान बसपा कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए इनकम टैक्स चौराहा से डाकबंगला चौराहा पहुंचे। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद बसपा कार्यकताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान पत्रकारों से बात चीत करते हुए अनिल कुमार ने कहा की आरक्षण के संरक्षण और संविधान की रक्षा के लिए बहुजन समाज पार्टी शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रही थी। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज निंदनीय है। बहुजन समाज पार्टी इसका घोर भर्तसना करती है। सरकार लाठीचार्ज करवा कर बहुजन की आवाज को दबाना चाहती है. यह लड़ाई संविधान की मूल भावना और दलितों के अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने कहा की केंद्र और राज्य सरकार की सामंतवादी और मनुवादी नीतियां दलितों के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही हैं। संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण के अधिकारों को कमजोर करने के प्रयासों का विरोध करना और दलित समुदाय के हितों की रक्षा बहुजन समाज पार्टी की जिम्मेदारी है। इसलिए, हम एकजुट होकर केंद्र सरकार की दलित विरोधी नीतियों का विरोध करते रहेंगे।

बिहार पर्यटन के होटलों की संवरेगी सूरत, पर्यटकों को मिलेगी अत्याधुनिक सुविधाएं

पर्यटन विभाग ने तीन होटलों के पुनर्विकास परियोजना को स्वीकृति प्रदान की

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

- पर्यटकों को मिलेगी अत्याधुनिक आवासन की सुविधा : नीतीश

बिहार पर्यटन के होटलों को पर्यटकों की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक स्वरूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। पर्यटन विभाग ने योजना के पहले चरण में मुंडेश्वरी विहार कैमूर, सिंहेश्वर स्थान मधेपुरा और होटल विश्वामित्र, बक्सर के जीर्णोद्धार परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। योजना के तहत सभी होटलों को आकर्षक बाह्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा, इसके साथ ही उसमें सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। तीनों होटलों में शौचालय-स्नानघर से युक्त कमरों व सुइट का निर्माण कराया जाएगा, इसके साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का बेहतर प्रबंधन करते हुए होटलों के परिसर को आकर्षक तरीके से सजाया-संवारा जाएगा। पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार पर्यटन के होटलों का जीर्णोद्धार होने के बाद पर्यटकों को अत्याधुनिक आवासन की सुविधा मिलेगी। तीनों होटलों के पुनर्विकास कार्य को निविदा की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के 12 महीने के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। पर्यटन सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश में स्थित बिहार पर्यटन के सभी होटलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि पर्यटकों को बेहतरीन आवासन का अनुभव प्राप्त हो सके। इसकी पहली कड़ी में तीन पर्यटन स्थलों पर स्थित बिहार पर्यटन के होटलों के जीर्णोद्धार को स्वीकृति दी गयी है। मुंडेश्वरी विहार, कैमूर में आठ कमरे अटैच ट्वायलेट्स के साथ बनेंगे, फ्रंट फसाड का रेनोवेशन, कैंपस डेवलपमेंट, ड्रेनेज सिस्टम, सभी प्लम्बिंग और इलेक्ट्रिकल वर्क्स, फाल्स सीलिंग आदि के कार्य संपन्न किए जाएंगे। वहीं सिंहेश्वर स्थान, मधेपुरा के पुनर्विकास की योजना के तहत 19 रूम और एक सुइट रूम, रेस्तरां, कैंपस डेवलपमेंट, ड्रेनेज सिस्टम आदि का निर्माण कार्य होगा। होटल विश्वामित्र, बक्सर की योजना में वहां एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल, आठ कमरे, 5 नॉन सुइट रूम अटैच्ड ट्वायलेट और बाउंड्री वॉल आदि का कार्य संपन्न किया जाएगा। इन तीनों होटलों की पुनर्विकास की कुल परियोजना लागत करीब 15 करोड़ रुपये है। जीर्णोद्धार कार्य के बाद सभी होटलों का संचालन प्रोफेशनल होटेलियर्स के माध्यम से किया जाएगा।

बिहार सरकार

कार्यालय
अधीक्षक, न्यू गार्डिनर रोड
सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल, पटना
फोन नं0 – 06122504915, 9470003587 E-mail-newgardinerhosp@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत कपड़ों की धुलाई हेतु निविदा

आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत कपड़ों की धुलाई, हेतु इच्छुक गैर सरकारी संस्थाओं/कम्पनियों/फर्मों/प्रतिष्ठानों/ सर्विस प्रोभाईडरों/संवेदकों से कम्प्यूटरीकृत टंकित तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग–अलग दो लिफाफों में कर, एक बड़े लिफाफें में सील बंद कर व उक्त लिफाफे पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत् कपड़ों की धुलाई, हेतु निविदा स्पष्ट रूप से अंकित करते हुए निविदा प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के अंदर सिर्फ निबंधित डाक से निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाओं को खोलने का समय निर्धारित कर निविदादाताओं को सूचनापट्ट/मोबाईल के माध्यम से सूचित किया जायेगा, निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि, निविदा खोले जाने के समय उपस्थित रह सकते है अन्यथा उनकी अनुपस्थिति में भी निविदा खोली जा सकती है। निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय शर्त्ते कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में New Gardiner Road Super Speciality Hospital, Patna के नाम से 100 रुपये का डिमान्ड ड्राफ्ट (Non Refundable) बनाकर एक आवेदन अपने लेटर पैड के माध्यम से कार्यालय कक्ष में जमा करने के पश्चात प्राप्त की जा सकती हैं। तत्पश्चात ही संस्था निविदा डालने के लिए अधिकृत होंगे। अन्यथा उनका निवादा अमान्य कर दिया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए न्यू गार्डिनर रोड सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल, पटना के वेबसाईट पर http://gardinerroadhospital.in/ पर देखा जा सकता है।

अधीक्षक
न्यू गार्डिनर रोड
सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल,
पटना

PR. No. 006493 (Health) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए मान्यता प्राप्त अनुभवी एवं वित्तीय रूप से सक्षम ठेकेदारों से एवं रेल, सिंचाई, सी0पी0डबलु0डी0, एम0ई0एस0 अथवा अन्य लोक उपक्रम में रजिस्टर्ड अथवा कार्यरत ठेकेदारों से ऑन–लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित करते हैं: **निविदा सूचना संख्या:** गतिशक्ति/ई–टेन्डर/10/ओपन/दानापुर/2024–25, **(1) कार्य का नाम, लोकेशन साथ:** दानापुर मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंर्तगत विकास के लिए 16 स्टेशनों के परामर्श हेतु शेष कार्य। **(2) अनुमानित निविदा राशि:** रू. 1,11,86,400/– **(3) बयाना की राशि:** रू. 2,05,900/– **(4) निविदा कागजात जमा करने की एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** निविदा ऑन लाइन www.ireps.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। निविदाताओं द्वारा निर्धारित तिथि 03.09.2024 को 12:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन निविदाताओं के समक्ष निर्धरित तिथि को 12:00 बजे के बाद निविदा खोली जायेगी। **(5) वेब साइट नाम एवं निविदा संबंधी सूचना:** 1. निविदा सूचना पात्रता मान दंड तथा निविदा प्रलेख क्रिस के वेव साईट CRIS website: http://www.ireps.gov.in पर देख जा सकता है, एवं सूचना की पूर्ण जानकारी के लिये कार्यालय के नोटिस बोर्ड में देखें। उपरोक्त निविदा से संगधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो, इसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नही किया जायेगा, बल्कि वेव–साईट पर अपलोड कर दिया जायेगा। 2. विवाद की स्थिति में हिन्दी एवं अंग्रेजी में दी गई सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल में प्रकाशित सूचना मान्य होगा। 3. संषेधनों के लिए वेब साइट देखने और तदनुसार अपनी निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदाकारों की जिम्मेदारी है।

वरीय मंडल अभियंता (गतिशक्ति)
पूर्व मध्य रेल, दानापुर
पीआर/00935/डीएनआरजीएस/ईएनजीजी/टी/24–25/44

संक्षिप्त खबरें

जिले में कई जगह आरक्षण को लेकर लोगों ने दिनभर किया उग्र प्रदर्शन

मधुबनी बासोपट्टी प्रखंड मे बुधवार को आरक्षण को लेकर देशभर में जारी भारत बंद का असर बासोपट्टी में देखने को मिला , वही जयनगर में भी देखने को मिला, खजौली विधानसभा के पूर्व विधायक सीताराम यादव के अगुआई में एससी एसटी समाज व भीम आर्मी सहित कई पार्टियो ने मुख्य सड़क जाने वाली कलुआही बासोपट्टी एनएच पर उतरकर चक्का जाम किया गया। सड़क जाम हो जाने के कारण मधुबनी दरभंगा और पटना जाने वाली मुख्यमार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा। बताते चले कि प्रदर्शनकारियो ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा बासोपट्टी थाना क्षेत्र के कमलपुर अरघावा और अन्य जगहो पर बांस बल्ला से बैरेकेटिंग कर विभिन्न विभिन्न पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गये और उग्र विरोध प्रदर्शन करने लगे सभी ने कहा केंद्र सरकार आरक्षण विरोधी सरकार कहते हुए प्रर्दशन और नारेबाजी कर खूब हो हल्ला किया गया। इस मौके पर बासोपट्टी के पुर्व विधायक सीता राम यादव मुखिया संग प्रखंड अध्यक्ष मदन पासवान बासोपट्टी वार्ड सदस्य महासंघ संजीव पासवान विमल यादव के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

गंगौली सोना चौक से मंदा जाने वाली सड़क गड्ढे में तब्दील

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गंगौली सोना चौक से मंदा जाने वाली सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है। हल्की बारिश में सड़क पर पानी लगने से सड़क पर यात्रा करने वाले लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क जर्जर और जगह-जगह गड्ढे में पानी से राहगीरों को काफी परेशानी होती है। वहीं सड़क पर छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होना तो आम बात हो गई है। बता दें की इस सड़क से होकर पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि का भी अक्सर आना जाना लगा रहता है। फिर भी उनकी नजर आखिर इन सड़कों पर अभी तक क्यों नहीं पड़ रही है। फिलहाल जो भी हो इस सड़क से गुजरने वाले राहगीर अपनी जान जोखिम में डालकर अपने गंतव्य तक पहुंचने को मजबूर है। देखना है कब तक इन सड़कों का जीर्णोद्धार हो पता है।

चेतना सत्र में भाग लेकर विधायक ने प्रस्तावना पाठ कराने का दिया निर्देश

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चर्चित रघुनंदन उच्च विद्यालय समर्था में चेतना सत्र से पहले स्थानीय विधायक अजय कुमार पहुंचकर वहां की विधि व्यवस्था को देखा। चेतना सत्र में भाग लेकर उन्होंने प्रस्तावना का पाठ कराने का निर्देश दिया। वहीं उक्त सत्र के दौरान दो शिक्षक अनुपस्थित थे। दोनों शिक्षकों से प्रधानाध्यापक के द्वारा स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया।

महिला राजद की जिला अध्यक्ष बनी ममता कुशवाहा

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के केराई निवासी ममता कुशवाहा को महिला राजद उजियारपुर संगठन जिला के जिला अध्यक्ष बनाया गया। उनको यह मनोनयन पत्र महिला राजद के प्रदेश अध्यक्ष ऋतु जसवाल ने राष्ट्रीय जनता दल के मूल्य और सिद्धांतों के प्रति ममता कुशवाहा के विश्वास और समर्पण को देखते हुए दिया है।

भारत बंद के समर्थन में विभूतिपुर में जगह-जगह सड़क जामकर किया यातायात बाधित

विभूतिपुर/समस्तीपुर भारत बंद के समर्थन में विभूतिपुर में भी अलग-अलग जगहों पर सड़क जामकर यातायात बाधित किया गया। बता दें कि यह बंदी आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ किया गया। जिसके तहत बुधवार के सुबह से ही विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के कल्याणपुर, सिंघिया घाट, नरहन आदि जगहों पर विभिन्न दलों के स्थानीय नेता के द्वारा सड़क जाम किया गया। जम के कारण सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही।

अपहृत को पुलिस ने किया बरामद

कल्याणपुर समस्तीपुर चकमेहसी थाना में दर्ज 41/24 कांड के आरोपी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सैदपुर गांव से बरामद कर लिया है। वहीं चकमेहसी थाना अध्यक्ष दिव्य ज्योति कुमारी ने बताई की अपहृता को मेडिकल जांच के लिए न्यायालय भेज दिया गया है।

जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति पर कार्यशाला आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। समाहरणालय सभागार में कार्बन न्यूट्रल राज्य बनाने की दिशा में ह्यबिहार राज्य की जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीतिह्न के क्रियान्वयन संबंधित क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत प्रमंडलीय स्तर प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुजफ्फरपुर के उप विकास आयुक्त, आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने अपने स्वागत उद्बोधन में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि ह्यविकास बनाम पर्यावरणह्न की धारणा से बचना चाहिये। उन्होंने इस अवधारणा पर विस्तार से बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियां राष्ट्रीय या वैश्विक स्तर पर विकसित की जा सकती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन स्थानीय और व्यक्तिगत स्तर पर किया जाना चाहिए।ह्न उन्होंने आगे कहा कि ह्नजलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है, और इसके प्रतिकूल प्रभाव जैसे बदलते मौसम पैटर्न, वार्षिक बाढ़ और अत्यधिक तापमान में वृद्धि से स्पष्ट हैं। इन परिस्थितियों में बिहार के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है कि विकास कार्य जलवायु अनुकूल हो। मनोज कुमार, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन), मुजफ्फरपुर ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में बिहार ने विशेष रूप से बुनियादी ढांचा विकास और ऊर्जा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति देखी है, जिसके कारण विकास कार्यों को जलवायु-अनुकूल बनाना आवश्यक हो गया है। हम पहले से ही जल जीवन हरियाली जैसी योजनाओं को लागू कर रहे हैं ताकि सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। बेतिया वन प्रमंडल पदाधिकारी अतिश कुमार ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि पर्यावरणीय विचारों या हरित घटकों को सभी विकास परियोजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। मुजफ्फरपुर वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री भरत चित पल्ली ने खाद्य श्रृंखला में प्रमुख प्रजाति होने के नाते मनुष्यों की जिम्मेदारी है कि वे सभी जीवित प्राणियों के लिए एक सतत भविष्य सुनिश्चित करें। मुजफ्फरपुर प्रमंडल की स्थिति के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि यहां हरित आवरण 5% है, जिसे वनीकरण और शहरी वृक्षारोपण गतिविधियों के माध्यम से बढ़ाया जा रहा है।

कार्यशाला की विस्तृत जानकारी डब्लू.आर.आई. इंडिया के कार्यक्रम प्रबन्धक डॉ. शशिधर कुमार झा एवं श्री मणि भूषण कुमार झा द्वारा दी गई। कार्यशाला के अंत में डॉ अर्चना कुमारी, वरीय उप ह्न समाहर्ता, मुजफ्फरपुर ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के क्षेत्रीय पदाधिकारी एस एन ठाकुर भी कार्यशाला में उपस्थित थे । अगली प्रमंडलीय स्तर की कार्यशाला गुरूवार को छपरा में आयोजित की जाएगी।

विज्ञान विषय आधारित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।वर्ग 6 से 8 के गणित एवं विज्ञान विषय आधारित प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के सफल क्रियान्वयन हेतु डायट रामबाग मे एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।राज्य में गणित एवं विज्ञान विषय शिक्षण को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कक्षा 6 से 8 की पाठ्य पुस्तक के पाठ आधारित प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम की शुरूआत 16 जुलाई 2024 को किया गया है। गणित एवं विज्ञान पुस्तकों पर आधारित गणित में कुल 18 प्रोजेक्ट एवं विज्ञान में कुल 24 प्रोजेक्ट से संबंधित एक शिक्षक संदर्शिका (हैंडबुक) तैयार किया गया है, जिसे गणित एवं विज्ञान विषय पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों के द्वारा प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग आधारित कक्षाओं का संचालन किया जाना है। जिला स्तर पर प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु डीपीओ एसएसए के निदेर्शानुसार डायट रामबाग में बुधवार को जिले के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रत्येक प्रखण्ड के एक बीआरपी, बीपीएम एवं जिला तकनीकी टीम के सदस्यों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला की शुरूआत डीपीओ एसएसए सुजीत कुमार दास, प्राधिकृत डीपीओ सैफुर रहमान, जिला शिक्षा समन्वयक मनोज कुमार एवं प्राचार्य डायट रामबाग अनामिका कुमारी के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलन के माध्यम से की गई। उक्त उन्मुखीकरण कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में प्राधिकृत जिला तकनीकी टीम के सदस्य सह मुरौल प्रखण्ड स्थित बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार एवं मोतीपुर प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय थतिया के शिक्षक पप्पू कुमार पंकज ने विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण में जिला तकनीकी टीम के सदस्य नीरज कुमार, दीप शिखा पाण्डेय, मो. इम्तियाज अहमद, मो. शोएब, जिले के सभी प्रखंड के बीईओ, बीआरपी, बीपीएम और ह्यूमना पीपल टू पीपल इंडिया के समन्वयक धीरज कुमार शर्मा उपस्थित हुए।

उक्त जानकारी ह्यूमना पीपल टू पीपल इंडिया के डायट रामबाग में पदस्थापित स्कूल कॉम्प्लेक्स कोऑर्डिनेटर धीरज कुमार शर्मा ने दी।

कृषि विश्वविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की हुई शुरूआत

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में बोलते हुए कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी छात्रों के लिए एक पेड़ लगाने की शुरूआत पहले से ही जारी है। एक पेड़ मां के नाम लगाने से छात्रों को पेड़ के साथ एक भावनात्मक रिश्ता रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यह कोशिश सराहनीय है इससे न सिर्फ हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी बल्कि छात्रों को पेड़ की देखभाल के दौरान कई नये जानकारियां भी मिलेंगे। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में एक प्लान के तहत पेड़ लगाए जा रहे हैं कुछ सड़क पर दोनों तरफ नीम के पेड़ लगाए जा रहे हैं, कुछ पर विभिन्न फूल और फल लगाये जा रहे हैं ताकि एकरूपता रहे। भविष्य में इन्हें नीम गली, कचनार गली, अमलतास गली आदि से जाना जायेगा। कुलपति डॉ पांडेय ने सभी को स्वच्छता बनाए रखने के बारे में भी जागरूक किया और कहा कि हम सबको मिलकर प्लास्टिक फ्री कैंपस बनाना है। उन्होंने प्लास्टिक से होने वाले दुष्परिणामों की भी चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक छात्र कल्याण के द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में बोलते हुए निदेशक छात्र कल्याण डॉ रमन त्रिवेदी ने कहा कि एक पेड़ मां की ही तरह होता है जो चुपचाप हमें फल देता है, छाया देता है और जिंदा रहने के लिए आक्सीजन देता है। उन्होंने एक कविता के माध्यम से पेड़ की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों और वैज्ञानिकों ने हास्पीटल चौक से बायोडायवर्सिटी पार्क के रास्ते के दोनों ओर पेड़ लगाए। छात्रों ने पेड़ के साथ जियो टैगिंग भी की ताकि वो पेड़ उनके नाम से जाना जाये और वे उसकी देखरेख कर सकें। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन डॉ सत्य प्रकाश ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ मुकेश कुमार ने किया।कार्यक्रम के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह, कुलसचिव डा मृत्युंजय कुमार, डीन पीजीसीए डॉ मयंक राय, डीन बेसिक साइंस डॉ अमरेश चंद्रा, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, एस्टेट आफिसर डॉ सीके झा, सूचना पदाधिकारी डॉ कुमार राज्यवर्धन ,श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री नारायणन समेत विभिन्न वैज्ञानिक शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दोनार आरओबी निर्माण का अब मार्ग हुआ प्रशस्त : संजय सरावगी

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। शहर एवं जिला वासियों को अब दोनार गुमती पर लगने वाले भयंकर जाम से निजात मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह नगर विधायक संजय सरावगी ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनार आरओबी निर्माण को लेकर सरकार की ओर से 134 करोड़ 50 लाख की राशि को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। अब कैबिनेट की स्वीकृति मिल जाने के उपरांत निर्माण को लेकर आगे की प्रक्रिया आरंभ होगी और वर्षों से किया जा रहा मेरा प्रयास शहर एवं जिला वासियों को बड़ी राहत दिला सकेगा। नगर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से दरभंगा जिला वासियों एवं शहर वासियों को पूर्व में सभी जाम लगने वाले जगह पर आरोपी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है कई में निर्माण कार्य भी आरंभ हो चुका है आने वाले समय में शहर वासियों को जाम से निश्चित रूप से बड़ी राहत मिल सकेगी श्री सरावगी ने बताया कि बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से दोनार आर ओ बी का निर्माण किया जाएगा। इसको लेकर अब अगली प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ेगी। नगर विधायक ने बताया कि एनडीए के तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव एवं नितिन नवीन जी के समय में ही मेरे प्रयास से ही दरभंगा नगर विधानसभा को सात आर ओ बी निर्माण की स्वीकृति मिली थी वर्षों उपरांत धीरे-धीरे सभी प्रक्रिया को अपनाते हुए अब वह स्वीकृति अपना रंग दिखने लगी है और शहर वासियों में जाम से मुक्ति मिलने की उम्मीद पूरी तरह जाग उठी है। गौरतलब है कि दरभंगा जिला की 70 प्रतिशत आबादी दोनार गुमती के पूरब कुशेश्वरस्थान तक फैला हुआ है। इस पूरी आबादी को प्रतिदिन जिला मुख्यालय आने में दोनार गुमती पर घंटो भीषण गर्मी एवं बरसात में रूककर परेशानियों को झेलना पड़ता है। जिससे अब निश्चित रूप से निजात मिल सकेगी। साथ ही भाजपा कार्यकताओं की ओर से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय रेल मंत्री, पथ निर्माण मंत्री सभी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया गया है।

प्रखंड कार्यालय समय पर नही पहुंचने पर कटेगा हाजरी

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी रहिका प्रखंड विकास पदाधिकारी निरंजन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पदाधिकारी मधुबनी के मेमो नो .2232 दिनांक 18 08 24 के आलोक में यह निर्देश दिया गया कि प्रात 10:00 बजे से 10:30 बजे पूर्वाहन तक अनिवार्य रूप से रहिका प्रखंड के सभी पदाधिकारी पर्यवेक्षीय पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी,कल्याण पदाधिकारी, आपूर्ति निरीक्षक,सांख्यिकी पदाधिकारी,पंचायती राज पदाधिकारी,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारीप्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा एवं अन्य की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी का व्हाट्सएप ग्रुप बना जिओ टेक के माध्यम से सभी पदाधिकारी की उपस्थिति दर्ज की जा सके उसको लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिदिन स्तरीय पदाधिकारी की उपस्थिति को संकलन कर उपस्थित अनुपस्थिति के संबंध में सूचना 10:30 बजे पूर्वाह्न में प्रभारी पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा मधुबनी को सुनिश्चित करेंगे। साथ बीडीओ ने यह भी कहा की सभी पदाधिकारी अपना अपना कार्यालय पहुंचकर मोबाइल सेल्फी ले कर मेरे व्हाट्सएप पर भेजना सुनिश्चित करेंगे।तथा विल्भ से कार्यालय पहुंचने पर उन पदाधिकारी का अनुपस्थित माना जायेगा। विलंब से कार्यालय पहुंचने पर आम जनों को काफी असुविधा होती है ऐसी स्थिति में समय पर पहुंचने पर आम जनों को किसी प्रकार का दिक्कत का सामना नही करना परेगा।

बीस सूत्री मांग जल्द नहीं पूरा होने पर आंदोलन तेज करने का आह्वान:भूषण सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी भाकपा माले जयनगर के द्वारा क्रांति दिवस पर 9 अगस्त को प्रखंड-अंचल कार्यालय जयनगर के समक्ष प्रदर्शन के माध्यम से 20 सूत्री समर्पित मांगों पत्र पर अविलम्ब निदान करने हेतु प्रखंड सचिव भूषण सिंह के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी जयनगर राजीव रंजन कुमार एवं अंचलाधिकारी कुमारी सुजाता से मुलाकात कर पून मांग पत्र समर्पित किया गया।समर्पित आवेदन में प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय जयनगर से जूड़े पचार्धारी परिवारों को भूमि पर दखल कब्जा दिलाने वर्षों से भूमि पर बसे भूमिहीनों भूमि की पर्चा दिलाने भूमिहीन परिवारों को बसेरा योजना 2 के तहत भूमि मुहैया कराने कमला नदी के तटबंधों के किनारे बसे सैकड़ो भूमिहीन परिवारों को उजाड़ने से पहले बसाने स्मार्ट विद्युत मिटर लगाने पर रोक लगाने सहारा इंडिया में जमा राशि जमाकाताओं को मुहैया कराने महिला समूहों का कर्ज माफ करने उद्यम योजना हेतु 70 हजार का आय प्रमाण-पत्र बनाने किसानो को समय पर खाद बिज मुहैया कराने सहित 20 सूत्री मांग शामिल है। लेकिन प्रखंड व अंचल प्रशासन के द्वारा अभी तक मांग पत्र के आलोक में किसी भी प्रकार के ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने की भाकपा- माले तीव्र निंदा करते अबिलम्ब उचित निदान करने की मांग किया गया है। अविलम्ब निदान नहीं होने पर भाकपा-माले चरणबद्ध आंदोलन चलाने की घोषणा किए।स्थल पर नरेश ठाकुर रशीद अंसारी रामू पासवान राजेश्वर महरा राम खेलावन पासवान रामकृपाल यादव रामहृदय यादव भोगी मुखिया चन्देश्वर महरा सोनु राम शिवो देवी महेंद्री लीला देवी गोलोया देवी जागेश्वर राम सीताराम राम रामअवतार राम सहित दर्जनों लोगों ने भाग लिया ।

भारत बंद के समर्थन में माले कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतरे

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर और उप-वर्गीकरण के फैसले के खिलाफ आज आहूत भारत बंद के समर्थन में माले कार्यकताओं ने भी जुलूश निकाला और कई जगह एन एच और मुख्य मार्गों को घंटों जाम रखा। एनएच 57 गायघाट में माले नेता जितेन्द्र यादव व इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष विवेक कुमार के नेतृत्व में घंटों जाम रखा गया जिसमें बिहार सरकार के मंत्री भी फंसे रहे। बोचहां प्रखंड के मझौली में एन एच 57को माले प्रखंड सचिव रामबालक सहनी और खेत मजदूर सभा के जिला सचिव रामनंदन पासवान के नेतृत्व में दो घंटे से ज्यादा जाम रखा गया। कटरा के हथौडी. में सैकडों. महिलाओं और नौजवानों ने इंकलाबी नौजवान सभा के जिला सचिव मुकेश कुमार पासवान और प्रमुख राम के नेतृत्व में जलूस निकाल कर मुख्य चौराहे को जाम किया गया। एन एच 77को पितौझिया में माले नेता मो. जावेद के नेतृत्व में जाम किया गया। औराई में माले व ऐक्टू नेता मनोज यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। कुढ़नी में माले नेता सह खेत मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष होरिल राय ने नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। छात्र संगठन आइसा और आरवाईए के छात्र-नौजवानों ने भी प्रतिवाद जुलूस में भाग लिया । इस दौरान माले जिला सचिव कृष्णमोहन ने भारत बंद को प्रभावकारी बताते हुए बंद समर्थकों और जनता को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी में क्रीमीलेयर और उपवर्गीकरण दलितों के बीच विभाजन डालने और आरक्षण खत्म करने की साजिश है। केंद्र सरकार ने दबाव के बाद क्रीमीलेयर लागू करने से तो इंकार कर दिया है लेकिन कोटा में कोटा पर चुप है।

उन्होंने कहा कि उपवर्गीकरण के लिए सबसे पहले आंकड़ों की जरूरत होगी। लेकिन हमारे देश में 1931 के बाद कोई जाति गणना हुई ही नहीं है। जाति गणना की बात कौन कहे भाजपा तो आज सामान्य गणना भी नहीं करवा रही है। ऐसे में उप-वर्गीकरण की कोई बात केवल और केवल बहुजनों के बीच फूट पैदा करने का काम करेगा। दलितों में हाशिए पर रहे गए जाति समुदायों का यदि आर्थिक व शैक्षिक विकास नहीं हो सका है तो इसके लिए हमारी सरकारें ही जिम्मेवार हैं। बिहार में महादलित आयोग बनाने वाले नीतीश कुमार को जवाब देना चाहिए कि मुसहर, भुईंया आदि जातियां आज भी विकास के तमाम बड़बोले दावे के बावजूद भयावह गरीबी, अशिक्षा और पलायन का दंश क्यों झेल रहे हैं? सामाजिक-आर्थिक सर्वे ने बताया कि मुसहर समुदाय की 54 प्रतिशत से अधिक आबादी महागरीबी रेखा के नीचे है। उनके भीतर शिक्षा की हालत बहुत ही खराब है. इसकी जवाबदेही सरकार की नहीं तो और किसकी है?

भारत बंद का शहर से लेकर गांव तक शांतिपूर्ण असर रहा

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा /बेनीपुर। शहर में बंद का असर देखा गया। आम जन अशांति के सम्भवना को देखते हुये सुवह अवगमन करना उचित नही समझा वही दुकानदारों ने स्थिति को समान्य देखने के बाद देर से दुकाने खोला। प्रशासन काफी चुस्त दुरस्त शहर के चारो ओर देखा गया। बंद सर्थक सड़को पर नजर नही आये वैसे इके दुके छपास बाले नेतानुमा लोग इधर उधर अवश्य दिखें। बेनीपुर क्षेत्र में भारत बंद का असर देखा गया तथा वाहनों के आवागमन पूर्णतः ठप रही, बेनीपुर एवं धरौड़ा में बास-बल्ला लगाकर जमकर नारेबाजी की गई। बेनीपुर में भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष चुन चुन आजाद के नेतृत्व में भारत बंद को सफल बनाने की बात कही गई। यहां सभी विपक्षी दल राजद, कांग्रेस, बाम दल आदि के प्रखंड अध्यक्ष नीलांबर यादव, देवकीनंदन ठाकुर, सहित मो गयासूद्दीन तनवीर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कि बेनीपुर में सुबह 6:00 बजे से लेकर शाम के 8:00 बजे तक डॉक्टर चंद्रशेखर आजाद के आदेश सा अनुसार भारत बंद को लेकर चक्र जाम किया गया उन्होंने बताया कि इस दौरान जय कृष्णा पासवान अनिल कुमार कृष्ण कुमार राम हरे कृष्णा पासवान वीरेंद्र पासवान अनिल राम आदि उपस्थित थे। भारत बंद के दौरान धरौड़ा, आशापुर, बेनीपुर आदि जगहों पर महिला एवं पुरुष यात्रियों को पैदल चलने पर विवश होना पड़ा।दर्जनों की संख्या में महिला एवं पुरुष यात्री के साथ बच्चों को भी पांव पैदल चलते देखा गया। यात्री विमला देवी, किशोरी देवी आदि ने बताया कि पहले पता होता कि भारत बंद है तो लंबी दूरी तय नहीं करना पड़ता। जानकारी के अभाव में लंबी दूरी तय किया, जिससे पांव पैदल चलने को विवश होना पड़ रहा है।वही धरौड़ा चौक पर दलित चेतना मंच के संयोजक प्रमोद पासवान के नेतृत्व में भारत बंद को लेकर चक्का जाम किया गया। इस दौरान विष्णु देव राम आदि उपस्थित थे। उक्त दोनों जगह पर वाहनों की लंबी कतार देखी गई।

क्लब के छठा स्थापना दिवस पर 13 लोगों को किया चित्रांश गौरव सम्मान से सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। कायस्थ क्लब दरभंगा का छठा स्थापना दिवस रेडियो स्टेशन रोड सीतायन होटल में समारोह पूर्वक मनाया गया जिसमें समाज व अपने कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिये 13 चित्रणशों को चित्रांश गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित व भगवान चित्रगुप्त जी के आरती से किया गया।इस अवसर पर क्लव के संस्थापक सदस्य शैलेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा विस्तार पूर्वक अबतक संस्था के गतिविधियों से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम को वरिय अधिवक्ता महेश कुमार,पत्रकार अमरेश्वरी चरण सिन्हा, कैलाश चन्द लाल, डॉ संजीव कुमार ने संस्था के कार्यप्रणाली की सराहना करते हुये कहा की आने वाले समय में समाज के सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़कर काम करने में सफल होगा। अपने क्षेत्र में अग्रणी पहचान बनाने वाले दरभंगा वार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविशंकर प्रसाद, अथोर्पेडिक्स के डॉक्टर प्रवीण कुमार, डॉ अचुता नन्द प्रसाद, सुनील कुमार दास, गणेश चन्द लाल, श्रीमती नीला सिन्हा, श्रीमती चंद्रकांता वर्मा, श्रीमती इंद्रा वर्मा, सर्वजीत कुमार, पवन कुमार, मनोज कुमार श्रीवास्तव, अरुण कुमार दास, अनुष्का सिन्हा को चित्रांश गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इन लोगों को सम्मानित करने वालों में पूनम कुमारी, डॉ संजीव कुमार, महेश कुमार, सुजीत मल्लिक, कैलाश चन्द लाल, अमरेश्वरी चरण सिन्हा, शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, प्रवीण कुमार, ई बसंत श्रीवास्तव, ई सुधीर कुमार शामिल थे।वही संतोष कुमार सिन्हा, अभिषेक कुमार सिन्हा, मनीष मधुरंजन, संगीता वर्मा, मोनी कुमारी, नाव्या मधुरंजन एवं शालनी वर्मा ने सुमधुर गीतों से कार्यक्रम को चार चांद लगाया।

आरक्षण को लेकर किया सड़क जाम

प्रात: किरण संवाददाता

कल्याणपुर समस्तीपुर दलितों के आरक्षण मे कृमिलेयर की बाध्यता के विरोध एवं केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश लाकर कृमिलेयर को समाप्त करने के सवाल पर विभिन्न दलित संगठनों के द्वारा भारत बंद के आवाह्न पर कल्याणपुर चौक पर दलित संगठनों ने सुबह नौ बजे से शांतिपूर्ण सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की अध्यक्षता संजय कुमार राम किया ।बंद का समर्थन भाकपा माले, बसपा के कार्यकताओं व भीम आर्मी ने किया।मुख्य वक्ता माले प्रखंड सचिव दिनेश कुमार, रंजीत राम, सुखलाल यादव,जशविंदर राम,संजय राम, विमलेश कुमार विमल,सुरेंद्र राम,राजेश राम, उमेश राम,विक्कू राम, सोनू कुमार बसपा नेता रत्नेश राम, नवीन कुमार, आदि ने केंद्र सरकार से जल्द हीं अध्यादेश लाकर विभेद पैदा करने वाला दलित आरक्षण में वर्गीकरण नहीं करने के लिये और कृमिलेयर लेयर की बाध्यता को समाप्त करने की मांग की ।वहीं दर्जनों की भीड़ ने संविधान जिंदाबाद के नारे के साथ जाम को समाप्त किया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना अध्यक्ष विकास केशव अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा पुलिस बल के साथ जाम स्थल पर सक्रिय थे ।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की मनायीं 80वीं जयंती

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा ।पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 80वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय मे कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष सीताराम चौधरी के नेतृत्व मे उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सीताराम चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, राजीव गांधी, भारत के महान सपूत थे। उन्होंने करोड़ों भारतीयों में आशा की किरण जगाई और अपने अभूतपूर्व योगदान से भारत को 21वीं सदी में पहुंचा दिया। गोष्ठी को पूर्व मेयर अजय कुमार जालान, जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता मो.असलम, प्रो. उदयशंकर मिश्र, मनोज झा, दयानंद पासवान, परमानंद झा, अधिवक्ता रीता मिश्रा, महासचिव सुशील कुमार सिंह, नवीन कुमार, प्रिंस परवेज, मो. चांद, उदितनारायण चौधरी, जयशंकर प्रसाद चौधरी, मो.अंसार हसन, नसीम हैदर, पंकज चौधरी, प्रो. शिवनारायण पासवान, बसंत झा, विशाल महतो, प्रो. मिथिलेश यादव, शिवकुमार ठाकुर आदि ने भी संबोधित किया।वही कटहलबाड़ी में भारत के पूर्व प्रधान मंत्री स्व राजीव गांधी की जयंती मनाई गईइस अवसर पर स्व राजीव जी के चित्र पर माल्यार्पण करने व बच्चों के बीच बिस्कुट का वितरण करने के बाद आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश कांग्रेस पंचायती राज विभाग के पूर्व महासचिव अमरेंद्र कुमार अमर ने किया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस महासचिव सुशील कुमार सिंह,विजय कुमार महासेठ,खुर्शीद रब्बानी,प्रेमचंद्र यादव,संजय कुमार यादव,महेश कुमार पासवान,वकील अंसारी,सदरे आलम,मिथलेश कुमार पासवान,संजय महतो,रामचन्द्र चौधरी,सुभाष यादव,मोहम्मद मुस्ताक एव मो इलियास प्रमुख रूप से शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

भारत बंद का मिलाजुला रहा असर, आरा टाटानगर एक्सप्रेस पहुंची ढाई घंटा लेट

जमुई [झाझा] सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी एसटी आरक्षण में क्रिमीलियेर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ मोर्चा के द्वारा बुधवार को किए गए भारत बंद का समर्थन झाझा में एससीट एसटी के लोगों के द्वारा किया गया। अंबेडकर विचार मंच स्थल पर बड़ी तादाद में जुटे लोग का जूलूस निकला और मुख्य बाजार, पुरानी बाजार, बसस्टैंड होते हुए एनएच 333 स्थित कपूरी चैक पहुंचा जहां लोगों ने लगभग तीस मिनट तक अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान दोनो दिशाओं में छोटी बड़ी वाहन का जाम लग गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत बताते हुए इसे वापस लेने की मांग कर रहे थे। वही दूसरी तरफ भारत बंद का असर झाझा स्टेशन पर पहुंचने वाली एकमात्र गाड़ी आरा टाटानगर एक्सप्रेस पर पड़ी जो अपने निर्धारित समय से ढाई घंटा यानि 12:30 बजे पहुंची। भारत बंद के दौरान रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ, जीआरपी मौजूद रहे तो वही दूसरी ओर झाझा में भी शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस लगातार गश्ती करते रहे। भारत बंद का यानि प्रखंड क्षेत्र में मिलाजुला असर देखने को मिला।

सावन के समापन के बाद जोर पकड़ा मीट,मुर्गा,मछली व अंडा का कारोबार

गिद्धौर। पवित्र सावन माह के समापन के बाद मीट,मुर्गा,मछली व अंडा का कारोबार फिर जोर पकड़ने लगा है। हालांकि मंगलवार को कारोबार मंदा रहा। लेकिन बुधवार दिन को उम्मीद से ज्यादा का कारोबार हुआ। गौरतलब हो की पवित्र समान माह में 80 से 90 प्रतिशत लोग पूर्णताः शाकाहारी हो जाते है। ऐसे में मीट,मुर्गा,मछली व अंडा का कारोबार करीब 90 प्रतिशत ठप पड़ जाता है। इस वजह से प्रतिदिन करीब 1लाख रुपये का कारोबार ठप हो गया था। कारोबार प्रभावित होने से मुर्गा,मछली,मीट व अंडा कारोबारियों के चेहरे पर लाली गायब हो गई थी।बताया जाता है कि गिद्धौर के व्यवसायिक मंडी और आसपास के बाजारों में मुर्गा,मछली, मीट व अंडा का प्रतिदिन करीब 1 से 2 लाख का कारोबार होता है। इस व्यवसाय से जुड़े थोक व्यवसायियों का कहना है की गिद्धौर प्रखंड में प्रतिदिन खुदरा में करीब 1 लाख का मुर्गा, मीट, मछली व अंडा का कारोबार होता है। पोल्ट्री फार्म संचालक राजेश मंडल ने बताया कि सावन माह में 90 प्रतिशत मुर्गा का कारोबार ठप हो जाता है।

अलीगंज में आरक्षण को ले भारत बंद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सड़क पर उतरे एससी एसटी समुदाय के लोग

अन्य पार्टियों का भी मिला समर्थन, बंद का दिखा असर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान के दौरान अलीगंज में विरोध प्रदर्शन का असर देखा गया। आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को एससी-एसटी, ओबीसी और आदिवासी संगठनों के द्वारा 21 अगस्त को भारत बंद किया गया है। जिसका व्यापक असर अलीगंज में भी देखा गया। बुधवार को अलीगंज में एससी-एसटी, ओबीसी और आदिवासी संगठनों के द्वारा पूर्व मुखिया नगीना रविदास की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण तरीके से अलीगंज बाजार अम्बेडकर चौक में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया । वहीं भारत बंद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई दल भी अपना समर्थन दिया। बंद की वजह से बाजार के साथ-साथ यातायात व्यवस्था पर असर पड़ा है।आपातकालीन सेवा को छोड़ सभी वाहन की लम्बी कतारे लगगई।,सुबह 8 बजे से 3 बजे अपराह्न तक मुख्य सड़क मार्ग जाम रहा ।वहीं सभा को सम्बोधित करते हुए नगीना रविदास ने कहा की माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा आरक्षण उपवर्गीकरण के विरोध में सभी वर्ग का सहयोग मिल रहा है, उन्होंने कहा की आरक्षण बचेगा तभी दलित शोषित वंचित का हक अधिकार बचेगा,अन्यथा समाजिक न्याय के विरुद्ध शोषण होगा। एससी एसटी सहित निचले वर्गो को हक अधिकार से वंचित होना पड़ेगा।, इस लिए हमलोग सभी एक जुट होकर सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं एवं इस आरक्षण में छेड़छाड़ का विरोध कर रहे हैं। वहीं संजय रविदास ने कहा की जो हमारे संबिधान निमार्ता बाबा भीमराव अम्बेडकर जो गरीबों एवं शोषितों को संविधान में जो अधिकार दिया उसे हम खोने नहीं देंगे ना ही आरक्षण उपवर्गीकरण करने देंगे। ये संविधान के खिलाफ है। वहीं जगजीवन राम ने कहा की जो संविधान अधिकार दिया है उसे हमलोग बदलने नहीं देंगे । इसके लिए हमलोग अपनी जान की बाजी भी लगा देंगे। आरक्षण के उपवर्गीकरण वापस ले नहीं तो हमलोगों का यह प्रदर्शन और तेज होगा।,हमारी 8 मांगे है जो सरकार पूरा नहीं किया तो आंदोलन तेज होगा। मौके पर सेवानिवृत शिक्षक शिव शंकर पासवान, मोहम्मद फखरुद्दीन, सेवानिवृत शिक्षक लाल किशोर चौधरी, संजय कुमार, रंजीत पासवान,बालेश्वर चौधरी, विजय पासवान, जसपाल कुमार, साहूल कुमार, राम सरोवार पासवान, उदय रविदास,जितेंद्र पासवान, उमेश रविदास, अरुण चौधरी, बिक्की कुमार,रोहित कुमार सहित अंवेदकर वादी उपस्थित थे ।

अभाविप छात्र नेता ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाया

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] एक पेड़ माँ के नामह्न अभियान के तहत पूरे देश में हो रहे वृक्षारोपण के अंतर्गत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के छात्र नेता कार्तिक कुसुम यादव ने अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाना है। योजना के अनुसार, मार्च 2025 तक पूरे देश में 140 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे। इसके लिए ह्लसंपूर्ण सरकारह्व और ह्लसंपूर्ण समाजह्व की नीति अपनाई जा रही है। इस अभियान के तहत, न केवल व्यक्तिगत तौर पर, बल्कि सरकारी विभागों, गैर सरकारी संस्थाओं और समुदाय आधारित संगठनों द्वारा भी वृक्षारोपण किया जा रहा है। इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कार्तिक कुसुम यादव ने बताया कि पेड़ हमारी धरती के फेफड़े हैं और इन्हें बचाना हमारी जिम्मेदारी है। माँ के नाम पर पेड़ लगाकर उन्होंने न केवल अपनी माँ के प्रति सम्मान व्यक्त किया बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता को दशार्या। यह पहल संपूर्ण समाज के लिए एक उदाहरण है, जहां व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों से एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण किया जा रहा है। पेड़ों के माध्यम से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि यह अगली पीढ़ियों को एक सुंदर और सुरक्षित भविष्य भी प्रदान करेगा। माँ के नाम एक पेड़,ह्व अभियान, पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व सम्मान का प्रतीक है।

उपभोक्ताओं को नही मिल पा रहा है गैस सिलेंडर, लोगों में बढ़ रही है आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों गैस सिलेंडर उपभोक्ता गैस सिलेंडर नही मिलने से परेशान है। बीते पांच दिनों से भारत गैस एजेंसी के द्वारा उपभोक्ताओं को सिलेंडर नही मिलने से घरों का चूल्हा पूरी तरह बुझ चुका है जिसके कारण लोग लकड़ी या फिर अन्य किसी संसाधन से खाना बनाने को मजबूर है। सुबह से लेकर देर शाम तक गैस उपभोक्ता इस आश पर है कि गैस सिलेंडर मिले पर लोगों को बीते चार दिनों से निराशा ही हाथ लग रही है। बीते पांच दिनों से भारत गैस एजेंसी के द्वारा उपभोक्ताओं के बीच सिलेंडर उपलब्ध नही कराए जाने से उपभोक्ताओं में रोष उत्पन्न हो रही है। उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस ऑफीस में पूछे जाने पर लोग यह बोलते है कि गाड़ी खराब है आज शाम तक आ जाएगा लेकिन सिलेंडर उपलब्ध नही हो रहा है। कई महिलाओं ने कहा कि गैस सिलेंडर खत्म हो जाने से सुबह बच्चों को स्कूल जाने के लिए नाश्ता भी बनाकर नही दे पा रहे है जिसके कारण बच्चों को बाजार की सामग्री मजबूरन दिलवाना पड़ रहा है। गैस एजेंसी के मैनेजर कृष्णा पासवान ने बताया कि कुछ कारण से गैस सिलेंडर वाहन नही पहुंच पा रहे है। उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने की कोशिश में जुटे हुए है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में एससी-एसटी का धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई संवाददाता सुप्रीम कोर्ट ने 01 अगस्त को कहा था कि राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति के रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेंगी।इस फैसले के विरोध में नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एण्ड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासीयों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए 21 अगस्त बुधवार को भारत बंद करने का आह्वान किया था। जिसमें कांग्रेस, टीएमसी,सपा, बसपा,राजद, झामुमो,भीम आर्मी सहित कई संगठनों एवं दलों ने बंद का समर्थन किया है। जमुई जिले में भी दिखा बंद असर जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में प्रमुख बाजारों एवं चौक- चौराहों में दलित, आदिवासी एवं ओबीसी के सैकड़ों कार्यकताओं ने सुबह 08: 00 बजे से मुख्य मार्ग को अवरूद्ध कर घंटों जाम कर दिया। जिला मुख्यालय में अंबेडकर चौक पर विभिन्न संगठनों एवं दलों के कार्यकताओं ने टेन्ट लगाकर धरना प्रदर्शन किया और बाजारों को भी बंद कराते हुए नारेबाजी की। वहीं लक्ष्मीपुर प्रखंड मुख्यालय में दलित, आदिवासी (एससी एसटी) ओबीसी के सैकड़ों कार्यकताओं ने एन एच 333 मुख्य सड़क मार्ग पर चारों तरफ बांस बल्ला से घेर कर थाना रोड और गोड्डी रोड को अवरूद्ध करते हुए टेन्ट लगाकर धरना पर बैठ गए। जिससे थाना की गाड़ियां और टू व्हीलर से जरुरी कामों से निकलने वाले राहगीरों को काफी परेशानी हुई। हालांकि थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने शांति और सोहार्दपूर्ण ढंग से बंद करने का अनुरोध प्रदर्शन कारियों से किया।इस दौरान दर्जनों पुलिस पदाधिकारी सशस्त्र बल के साथ रोड के दोनों साइड ड्यूटी पर तैनात थे। वहीं मटिया बाजार में मुख्य मार्ग को अवरूद्ध कर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं एम्बुलेंस सेवा को बंद से मुक्त रखा गया है। वहीं सरकारी स्कूलों और बैंक, दवा दुकान,चाय दुकान,फल और सब्जी विक्रेताओं को भी बंद से मुक्त रखा गया है। लक्ष्मीपुर चौक पर बंद के दौरान जिला पार्षद प्रतिनिधि रामोतार पासवान, जदयू अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष ललन दास,राजद एससी एसटी के प्रदेश सदस्य केदार मूर्मू, पूर्व उप प्रमुख रंजीत पासवान, महेश दास, रामविलास दास, नरेश राणा, पूर्व मुखिया गणेश दास, रविन्द्र दास सहित भीम आर्मी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

घर में करंट की चपेट में आने से 18 वर्षीय किशोर की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के शैर गांव में करंट की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान शैर गांव के रहने वाले ब्रहमदेव मंडल का 18 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार के रूप में हुई है। करंट लगने के बाद परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां डयूटी पर तैनात डॉक्टर सदाब अहमद ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि विशाल अपने घर में था और वह घर में बने लोहे की खिड़की खोल रहा था कि तभी खिड़की में बिजली का तार का संपर्क हो गया जिससे विशाल करंट की चपेट में आ गया। घर वालों को थोड़ी देर के बाद जब नजर पड़ी तो लोगों ने उसे करंट से किसी तरह छुड़ाते हुए तुरंत अस्पताल लाया। मृत किशोर अपने घर का छोटा पुत्र था और नगर क्षेत्र स्थित महात्मा गांधी प्लस टू उच्च विद्यालय का छात्र था। डॉक्टर ने बताया कि जिस वक्त अस्पताल लाया था वह मृत था। घटना की जानकारी ग्रामीणों को मिलने के ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल में जुट गई।

आरक्षण एससी-एसटी के विकास का एक शक्तिशाली अस्त्रः प्रो.गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-भारत में अनुसूचित जाति एवं जन जातियों को संविधान के माध्यम से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान किया है। अब आजादी के 77 साल बाद आरक्षण के भीतर आरक्षण और क्रीमी लेयर लागू करने का फरमान माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी हो चुका है। इस मुद्दे को लेकर देश भर के अनुसूचित जाति / जन जाति संगठन के साथ-साथ जन प्रतिनिधियों ने भी विरोध जताया है. आज 21 अगस्त को इस मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन जारी है। अनुसूचित जाति /जन जाति समुदाय के लिए आरक्षण का औचित्य एवं महत्त्व विषय पर स्थानीय केकेएम कॉलेज जमुई के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि आरक्षण एससी-एसटी के उन्मेष व विकास का एक बहुत शक्तिशाली अस्त्र है। इसके बिना इन जातियों का उद्धार संभव नहीं। अतः आरक्षण में छेड़छाड़ करना और एससी-एसटीके लिए क्रीमी लेयर के कंसेप्ट को लागू करने का ना कोई औचित्य है और नहीं तो किसी को स्वीकार्य एवं शिरोधार्य है। आरक्षण स्वतंत्रता से पूर्व का अन्वेषण है। यह आजादी के बाद दलितों के लिए संवैधानिक आश्वासन है और वर्तमान समय की अनिवार्यता भी है.152 वर्ष पूर्व सन 1882 में हंटर आयोग की गर्भ से आरक्षण का जन्म हुआ था। 19वीं सदी के महान भारतीय विचारक और समाज सुधारक ज्योति वा फूले अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग अंग्रेजों से की थी। अंग्रेजों ने फूले की मांग पर ही अस्पृश्य और पिछड़े लोगों के हित में हंटर आयोग स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद 1950 में भारतीय संविधान लागू होने के साथ ही एससी एसटी के लिए बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के अनुच्छेद 15 एवं 16 के तहत शैक्षणिक संस्थानो और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था दी थी। आरक्षण का लाभ एससी एसटी के लोगों को जरूर मिला है। लेकिन यह मुट्ठी पर लोगों तक ही सीमित रह गया है। आजादी के 78 साल बाद भी ऊंचे पदों पर आसीन दलितों और आदिवासियों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। ऐसे में एससी एसटी समुदाय में क्रीमी लेयर लागू करने की आवश्यकता नहीं है। चुकी सामाजिक न्याय और समता स्थापित करने में आरक्षण शत प्रतिशत सफल नहीं हो सका है। आज भी अनुसूचित जाति, जनजातियों के साथ भेदभाव सामाजिक अन्याय जारी है और आर्थिक असमानता भी व्याप्त है। इसीलिए एससी एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना उचित नहीं जान पड़ता है। एक तरफ अन्य के लिए सभी सिद्धियों के द्वार खुले हैं। नव निधियां उनकी पांव चूमती हैं। उनके पास सारी सुविधाएं हैं। लेकिन दूसरी ओर युगों- युगों से उपेक्षित एससी-एसटी हैं, जिनका शोषण नियति और रूदन संस्कृति है। तन ढकने को कपड़े नहीं. दाने-दाने को मोहताज हैं। इस स्थिति में एससी /एसटी जाति के लिए क्रीमी लेयर लागू करने के निर्णय पर पुनर्विचार करना जरूरी है। सन 1932 में आरक्षण का कंसेप्ट और स्पष्ट हो गया था, जब गांधी जी और अंबेडकर के बीच दलितों के लिए विधानसभाओं में सीटों का आरक्षण सुनिश्चित किया गया था। यही नहीं सन 1921 में मद्रास प्रेसीडेंसी में अनुसूचित जाति के लिए आठ प्रतिशत आरक्षण हेतु सरकारी आज्ञा पत्र जारी किया गया था। माननीय उच्चतम न्यायालय को एससी / एसटी में क्रीमी लेयर लागू करने के निर्णय को वापस लेना चाहिए। इससे दलितों का हित होगा।

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क आवासीय विद्यालय हेतु करें आवेदन : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई किशनगंज एवं दरभंगा अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में जिला जमुई सहित पूरे प्रदेश से वर्ग 9 एवं वर्ग 11 के लिए बिहार सरकार की तरफ से अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को चयनित कर उनको सर्वांगिण विकास हेतु उन्हें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं भावनात्मक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने जारी किया विज्ञापन। जिला पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम सिख ईसाई बौद्ध जैन पारसी) के ऐसे छात्र-छात्रा जो किशनगंज एवं दरभंगा के आवासीय विद्यालय में पढ़ने के इच्छुक हैं। उनके द्वारा कक्षा 9 एवं 11 में नामांकन हेतु 05 अगस्त से 05 सितम्बर 2024 तक अपना आवेदन समर्पित किया जा सकता है। कक्षा 9 एवं 11 में चयनित विद्यार्थियों को निशुल्क (भोजन, वस्त्र, दवा, पुस्तक) आदि की आधुनिकतम सुविधा एवं आधुनिक सुविधायुक्त प्रयोगशाला की उपलब्धता कराई जाएगी। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा अधिक जानकारी के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय जमुई से संपर्क किया जा सकता है। मौके पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी जे. एस. पांडेय एवं जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी मौजूद रहे।

जमीन विवाद में दंपति के साथ कि गई मारपीट

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के गोंगाझरना गांव में दंपति के साथ गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया, जो इलाज के लिए रेफरल अस्पताल पहुंचा जहां घायल दंपति का इलाज डॉक्टर के द्वारा किया गया। घायल दंपति की पहचान दिलीप राय और उसकी पत्नी चंपा देवी के रूप में हुई है। घायल महिला ने बताया कि मेरा केवाला किया हुआ जमीन पर गोतिया सुरेश राय जबरन कब्जा करना चाहता है जिसका विरोध लगातार हमलोग कर रहे है। बुधवार को भी वे मेरे जमीन को अपना जमीन बताते हुए विवाद शुरू कर दिया जिसका विरोध मै और पति किया तो सुरेश राय अपनी पत्नी के साथ मिलकर लाठी, डंडा से मारपीट करना शुरू कर दिया।

पीडीएस पॉश मशीन समस्या को लेकर अलीगंज प्रखंड मे लगाया मरम्मती शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज प्रखंड के कई पीडीएस दुकानदारों का पॉश मशीन की छोटी बड़ी समस्या हेतु एमओ सन्नी कुमार दिवारकर की देख रेख में बुधवार को प्रखंड संवाद कक्ष में पॉश मशीन मरम्मती का शिविर लगाया गया।,वहीं एमओ सन्नी कुमार दिवाकर ने जानकारी देते हुए बताया की प्रखंड के कई पीडीएस डीलर की पॉश मशीन में छोटी मोटी कई समस्या उत्पन्न हो गई थी।,मशीन की समस्या समाधान हेतु प्रखंड मे मरमती शिविर लगाया गया जिसमे डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मिथुन कुमार राय एवं प्रखंड कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार के द्वारा दर्जनों पीडीएस दुकानदार की पॉश मशीन मरम्मती की गई। वहीं डिस्ट्रिक्ट कोडिनेटर मिथुन कुमार राय एवं दीपक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की प्रखंड में कई डीलर का पॉश मशीन में छोटी मोटी समस्या जैसे बैटरी,नेटवर्क प्रॉब्लम,प्रिंटर एवं कई मशीन का बटन की समस्या को शिविर लगा कर समाधान किया गया।,मौके पर रिया राय , दिलीप कुमार ,सुरेश चौधरी, सियाशरण यादव , सुबोध सिंह , अनिल कुमार , मोङ्ग नेहाल , संजय कुमार , धर्मेंद्र कुमार , रामसरुप यादव , कलीम उद्दीन,नरेश प्रसाद , संतोष कुमार , शालिग्राम मंडल, रेखा देवी, सहित अन्य डीलर के मशीन की समस्या का समाधान किया गया।

भारत बंद का मिलाजुला रहा असर

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी एसटी आरक्षण में क्रिमीलियेर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ मोर्चा के द्वारा बुधवार को किए गए भारत बंद का समर्थन गिद्धौर में मिला जुला असर रहा।तकरीबन प्रखंड भर में बाजार, दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान आम दिनों की तरह खुले रहे। सरकारी दफ्तरों में भी कामकाज सामान्य रूप से चला। शिक्षण संस्थानों पर बंद का असर देखा गया।दरअसल एससी एसटी आरक्षण में क्रिमीलियेर के विरोध स्वरूप आहूत भारत बंद को लेकर इसे सफल बनाने के लिए आयोजक संगठनों द्वारा काफी प्रचार प्रसार किया गया था। लेकिन इन सबके बावजूद गिद्धौर में इसका बहुत असर नहीं देखा गया। जनजीवन आमतौर पर सामान्य रहा। सुबह- सबेरे हालांकि बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान कुछ देर से खुले। व्यापारी वर्ग शायद बंद समर्थकों का रुख भांपने की कोशिश में कुछ देर के लिए अपने व्यवसाय शुरू करने से रुके रहे। लेकिन सब कुछ सामान्य देखने के बाद उन्होंने अपना कामकाज भी सामान्य रूप से चालू कर दिया।बाजारों में हालांकि चहल पहल बहुत कम रही।बंद के आह्वान को देखते हुए हालांकि यातायात अपेक्षाकृत प्रभावित हुई। लेकिन टेंपो व अन्य वाहन का परिचालन आमतौर पर सामान्य रहा।बंद के आह्वान को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह चुस्त और चौकस रहा। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या बंद समर्थकों के दबाव आदि की आशंका को देखते हुए प्रखंड भर में सुरक्षाबलों की गश्ती काफी तेज रही। सरकारी दफ्तरों, विभिन्न चौक चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं प्रमुख मार्गों पर सुरक्षाबलों की दंडाधिकारी के नेतृत्व में तैनाती रही। बंद को लेकर कहीं से किसी प्रकार गड़बड़ी या अशांति की सूचना नहीं है।

युवा आयोग की रूपरेखा के लिए बिहार प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली रवाना हुए प्रभाकर कुमार

युवा शक्ति के बल पर आजादी पलती है...उस ओर जमाना चलता है,जिस ओर जवानी चलती है...

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः-जमुई जिले के ई० अलीगंज प्रखंड के उभरते सितारे बुलन्द आवाज के साथ युवा प्रभाकर कुमार दिल्ली के भारत मण्डपम में युवा वाहिनी भारत के द्वारा आयोजित युवा आयोग की रूपरेखा को तैयार करने के लिए बिहार प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली रवाना हुए। यह कार्यक्रम 23 से 25 अगस्त को होने जा रहा है। जिसमें देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधि मिलकर युवा आयोग के प्रारूप को तैयार करेंगे... राज्य के प्रतिनधि के रूप में प्रभाकर का चयन हुआ है..गौरतलब हो कि राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव में भी प्रभाकर कुमार ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए संसद भवन में अपनी बात रखी थी,जिनके वक्तव्य को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला और अनुराग सिंह ठाकुर ने सराहा था। सीमित संसाधनों में असीमित की प्राप्ति की चाह रखने वाले प्रदीप कुमार के पुत्र प्रभाकर कुमार एक साधारण मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं...बचपन से ही अपनी वक्तव्य शैली की उत्कृष्टता से पूरे प्रखंड को गौरवान्वित करते आ रहे हैं.. अपनी स्कूल की पढ़ाई इन्होंने तीर्थंकर महावीर विद्या मंदिर,लछुआड़ से अर्जित किया,जहां इन्हें इनकी अद्भुत प्रतिभा के लिए स्कूल कप्तान बनाया गया था..दशम वर्ग में 95%अंक लाकर जिला टॉपर बने प्रभाकर कुमार की 12वीं की शिक्षा एस. के.कॉलेज लोहंडा से हुई...प्रभाकर ने प्रभात खबर की टीम से बातचीत में कहा कि बिहार के प्रगति में सबसे बड़ी बाधा ह्यब्रेन ड्रेनह्न है, यहां की प्रतिभाएं रोजगार और बेहतर अवसर की तलाश में दूसरे राज्यों में चली जाती है.. इन्हें बिहार के विकास में भागीदार बनाने के लिए हमें बिहार में बड़े स्तर पर लघु उद्योग और स्टार्ट अप पर जोर देना होगा. अपने ह्यसड़क से संसदह्न की यात्रा पर प्रभाकर कहते हैं कि ये उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में भी राज्य में प्रथम लाकर उन्होंने एक लाख की ईनामी राशि जीती है. क्षेत्र के सभी लोग उन्हें एक उत्कृष्ट वक्ता के रूप में स्वीकार करते है... अभी वर्तमान में दीप आर्ट्स क्लासेज के कोचिंग संचालक के रूप में ये क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे...बच्चों को शिक्षित कर सशक्त बनाना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण ध्येय है..प्रभाकर कुमार अपने जीवन के संघर्ष के दौर में अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए अपनी माँ को श्रेय देते हैं.. प्रदेश के युवाओं के प्रतिनिधि के तौर पर इस युवा आयोग के रूपरेखा निर्माण प्रक्रिया में शामिल होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है...युवाओं की समस्याएं विशेषकर बेरोजगारी के लिए हुनरमंद रोजगारपरक शिक्षा के पैरोकार प्रभाकर का मानना है कि बिहार की अनदेखी अब और नहीं होनी चाहिए.. कलम से क्रांतिह्न के पक्षधर प्रभाकर कुमार कहते हैं कि बिहार ने अब करवट बदल लिया है, बिहारी होना अब कोई शर्म नहीं बल्कि गर्व का विषय बनता जा रहा ,बिहार के युवा बिहार को पुनः विश्व पटल पर उसी गौरव के साथ पुनः स्थापित करने के लिए संकल्पित है.. वहीं प्रखंड क्षेत्र के लोगो का आशीर्वाद एवं प्यार प्रभाकर कुमार के साथ है और सभी को उम्मीद है की इस बार युवा आयोग की रूप रेखा निर्मित में इनका महत्वपूर्ण योगदान होगा।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
पटना, गुरुवार, 22 अगस्त, 2024

सम्पादकीय

किसानी, बेरोजगारी का चुनाव

हरियाणा में किसान और बेरोजगारी निर्णायक चुनावी मुद्दे साबित हो सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं। हरियाणा की फसलों की खरीद सीमित है तथा हरियाणा के किसानों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री की गारंटी को झुनझुना “चुनावी स्टंट” करार दिया है। किसानों का दावा है कि मुख्यमंत्री सैनी के घोषित नए एमएसपी से उन्हें 3851 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। नुकसान का यह आंकड़ा किस आधार पर तय किया गया है, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि किसान आंदोलन में हरियाणा अपेक्षाकृत सक्रिय नहीं था और न ही आंदोलन के बाद किसान नेताओं को कोई राजनीतिक सफलता मिली। पंजाब और हरियाणा में जिन किसान नेताओं ने चुनाव लड़े, वे पराजित हुए और जमानतें भी जब्त हुईं।

हरियाणा में सबसे अधिक करीब 24 फीसदी आबादी जाटों की है। वे ही अधिकतर किसानी से जुड़े हैं। उनका समर्थन भाजपा, कांग्रेस, इनेलो, जेजेपी आदि दलों के लिए विभाजित है। सत्ता-विरोधी लहर होने के बावजूद भाजपा 5 लोकसभा सीटें पर जीती और 5 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। अब भी यही सीधा मुकाबला रहना है, क्योंकि अन्य दल बहुत कमजोर हो चुके हैं अथवा टूट-फूट कर बिखर चुके हैं। फिर भी यह चुनाव आसान नहीं होगा। हरियाणा में भाजपा सरकार और पार्टी के खिलाफ जबरदस्त लहर है। यह लहर पार्टी के भीतर भी महसूस की जा सकती है। भाजपा नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव से पूर्व ही इसे पढ़ लिया था, लिहाजा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया। वह 12 मार्च, 2024 से मुख्यमंत्री हैं। नायब सैनी ने “नॉन स्टॉप” बैनर से अपनी सरकार का अभियान शुरू किया। अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपवाए गए और दावे किए गए कि हरियाणा हर क्षेत्र में अब “नॉन स्टॉप” है। एमएसपी का जिक्र भी किया गया। उसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कांग्रेसी धड़े ने चुनौती दी, जिसका नारा है-“हरियाणा मांगे हिसाब”। कांग्रेस में शैलजा के नेतृत्व वाला भी धड़ा है और आलाकमान इस धड़ेबाजी को खत्म नहीं कर पाया है। हालांकि बेरोजगारी, किसान-संकट और रुकी, स्थिर, गतिहीन अर्थव्यवस्था आदि मुद्दे हरियाणा में अच्छी तरह परिचित रहे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के आते-आते विपक्ष ने उन्हें गरमा दिया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के डाटा के अनुसार, हरियाणा में बेरोजगारी दर सर्वाधिक है, जबकि सरकार का डाटा इसके बिल्कुल उलट है और वह बेरोजगारी के मामले में हरियाणा को चौथे स्थान पर मानती है। राज्य की औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं व रोजगार प्रभावित है।

अब पहले जैसी नहीं होगी जम्मू-कश्मीर विधानसभा

कृष्णमोहन झा

चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की विधानसभाओं के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव तो पांच साल बाद ही हो रहे हैं लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोगों को दस साल बाद अपने राज्य की विधानसभा चुनने का अवसर मिल रहा है। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण के बाद पहली बार वहां होने वाले इन विधानसभा चुनावों पर सारे देश की नजरें टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि इस अनुच्छेद को हटाने के लिए केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को संसद में बिल पेश किया था जिसके माध्यम से सरकार ने जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था। जाहिर सी बात है कि आसन्न चुनावों के बाद गठित होने वाली विधानसभा का स्वरूप दस वर्ष पूर्व निर्वाचित विधान सभा से काफी अलग होगा। यह भी यहां विशेष उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल अब पांच वर्ष का होगा जबकि इसके 2014 के चुनावों तक यह 6 वर्ष का हुआ करता था। चूंकि जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है इसलिए वहां वहां राज्यपाल की जगह अब उपराज्यपाल होंगे।

वर्तमान में मनोज सिंहा जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल हैं। 2014 में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 87 सीटों के लिए मतदान हुआ था जिनमें जम्मू की 37, कश्मीर घाटी की 46 और लद्दाख की 4 सीटें शामिल थीं। परिसीमन के बाद हो रहे जम्मू-कश्मीर विधानसभा के इन चुनावों में अब 90 सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान कराया जाएगा। इनमें जम्मू की 43 और कश्मीर की 47 सीटें शामिल हैं। लद्दाख अब जम्मू-कश्मीर का हिस्सा नहीं होगा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पहली बार उपराज्यपाल दो कश्मीरी प्रवासियों और एक पीओके से विस्थापित किसी व्यक्ति का मनोनयन करेंगे। कश्मीरी प्रवासी उसे 1 नवंबर 1989 के बाद राज्य के किसी भी हिस्से से पलायन करने वाले व्यक्ति को कश्मीरी प्रवासी माना जाएगा बशर्ते कि उसका नाम रिलीफ रजिस्टर में दर्ज हो। 90 सदस्यों वाली जम्मू-कश्मीर की नई विधानसभा में अनुसूचित जाति के लिए 7 और अनुसूचित जनजाति के लिए 9 सीटें आरक्षित होंगी। पिछली विधानसभा की भांति जम्मू-कश्मीर की नयी विधानसभा में भी 24 सीटें पीओके के लिए रिजर्व रखी गई हैं जहां चुनाव नहीं कराए जा सकते।

परिसीमन के बाद जिस जम्मू-कश्मीर विधानसभा का स्वरूप बदल गया है उसी तरह जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक समीकरण भी बदल चुके हैं। 2014 में भाजपा ने जिस पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी उसकी मुखिया महबूबा मुफ्ती अब भाजपा की कट्टर विरोधी बन चुकी हैं। गौरतलब है कि 2014 में भाजपा और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की संयुक्त सरकार में मुफ्ती मोहम्मद सईद को मुख्यमंत्री पद से नवाजा गया था। जनवरी 2016 में उनका निधन हो जाने के बाद जम्मू-कश्मीर चार महीने तक राष्ट्रपति शासन के आधीन रहा। तत्पश्चात महबूबा मुफ्ती ने भाजपा और पीडीपी की संयुक्त सरकार की मुख्यमंत्री की शपथ ली परंतु जून 2018 में भाजपा ने महबूबा मुफ्ती की सरकार से समर्थन वापस ले लिया और तब से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल 30 सितंबर तक राज्य विधानसभा के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे।

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू कश्मीर की राजनीति में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अब काफी हद तक हाशिए पर जा चुकी है। राज्य में उसे अपना जनाधार सिमटने का अहसास भी हो चुका है। यही स्थिति नेशनल कांफ्रेंस की है हालांकि हाल के लोकसभा चुनावों में वह राज्य की 6 लोकसभा सीटों में से 2 सीटें जीतने में कामयाब हो गई थी जबकि दो सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी और दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे। भाजपा ने जिन दो सीटों पर जीत हासिल की उन सीटों पर 2019 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए थे। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने कश्मीर की दो सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े नहीं किए थे। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के इन चुनावों में भाजपा अगर शानदार जीत हासिल करने में सफल होती है तो उसकी जीत राज्य में संविधान के अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण के उस फैसले पर भी मुहर होगी जिसके माध्यम से जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया गया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि विपक्ष में बिखराव की स्थिति का लाभ भाजपा को मिलना तय है। राज्य में कुछ छोटी छोटी पार्टियां भी अस्तित्व में आ चुकी हैं जो भाजपा का समर्थन कर सकती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने भी कांग्रेस से अलग होने के बाद अपनी एक पार्टी बना ली थी जिसके कुछ नेता फिर से कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं।

योजनाओं के समुचित लाभ से वंचित क्यों रह जाते हैं ग्रामीण?

जरूरतमंदों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजना का उन्हें बहुत अधिक पता नहीं है। वह कहती हैं कि बीमारी के कारण मैं चलने फिरने से मजबूर हूं। लोग कहते हैं कि घर बनाने के लिए सरकार से पैसा मिलता है। लेकिन इसके लिए कहां जाना होगा? किसे आवेदन देनी होगी? यह बताने वाला कोई नहीं है। पति या बेटा इसके लिए दौड़ भाग नहीं कर सकते क्योंकि वह दोनों दैनिक मजदूरी करते हैं। जिस दिन आवेदन के लिए भाग दौड़ करेंगे तो उस दिन की मजदूरी कहां से आएगी? सीता देवी कहती हैं कि हम साक्षर नहीं है इसलिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने से पीछे रह जाते हैं। वह कहती हैं कि हमारे कालबेलिया समुदाय में पहले की तुलना में सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक रूप से काफी बदलाव आया है। लेकिन अभी भी शिक्षा के प्रति बहुत अधिक गंभीरता नहीं है। जिसके कारण हमारा समाज विकास की दौड़ में पीछे रह जाता है। गौरतलब है कि जिला के घूघरा पंचायत स्थित नाचनबाड़ी गांव में कालबेलिया समुदाय की बहुलता हैं। इन्हें सरकार की ओर से अनुसूचित जनजाति समुदाय का दर्जा प्राप्त है। यहां की पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार गांव में लगभग 500 घर हैं। गांव के अधिकतर पुरुष और महिलाएं दैनिक मजदूरी करने अजमेर जाते हैं। कुछ स्थानीय चूना भट्टा पर काम करते हैं। यहां से मिलने वाली मजदूरी इतनी कम होती है कि उनके परिवार का मुश्किल से गुजारा चलता है। यही कारण है कि इस समुदाय के कई बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं आसपास के गांवों से भिक्षा मांगकर गुजारा करते है। यह समुदाय कई दशकों तक खानाबदोश जीवन गुजारता रहा है।

राकेश प्रजापत

देश के विकास में सभी नागरिकों की एक समान भागीदारी बहुत मायने रखती है। केवल शहरी और औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका भी विकास में प्रमुख रूप से होती है। फिर चाहे वह कृषि क्षेत्र हो या लघु उद्योग, देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सभी का बराबर का योगदान रहता है। इसके बावजूद शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रकार की बुनियादी सुविधाओं का अभाव देखने को मिलता है। हालांकि सरकार की ओर से गांव के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जाती हैं। लेकिन जागरूकता और संसाधनों का अभाव समेत कई अन्य कारणों से ग्रामीण जनता इसका लाभ उठाने से पीछे रह जाती है। राजस्थान के अजमेर का नाचनबाड़ी गांव भी ऐसा ही एक उदाहरण है, जहां ग्रामीण सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से न केवल वंचित हैं, बल्कि कई स्तरों पर उन्हें इसकी जानकारियां तक नहीं है। जिस कारण यहां के लोग विकास की दौड़ में पिछड़ते जा रहे हैं। इस संबंध में गांव की 55 वर्षीय सीता देवी अपने घर की हालत बयां करते हुए कहती हैं कि पति और बेटा दैनिक मजदूर है। प्रतिदिन मजदूरी करने अजमेर शहर जाते हैं। आमदनी इतनी ही होती है कि किसी प्रकार गुजारा चल जाए। मकान आज तक पक्का नहीं बन सका है। न ही इसमें बिजली की व्यवस्था है। घर में शौचालय तक नहीं है। जरूरतमंदों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजना का उन्हें बहुत अधिक पता नहीं है। वह कहती हैं कि बीमारी के कारण मैं चलने फिरने से मजबूर हूं। लोग कहते हैं कि घर बनाने के लिए सरकार से पैसा मिलता है। लेकिन इसके लिए कहां जाना होगा? किसे आवेदन देनी होगी? यह बताने वाला कोई नहीं है। पति या बेटा इसके लिए दौड़ भाग नहीं कर सकते क्योंकि वह दोनों दैनिक मजदूरी करते हैं। जिस दिन आवेदन के लिए भाग दौड़ करेंगे तो उस दिन की मजदूरी कहां से आएगी? सीता देवी कहती हैं कि हम साक्षर नहीं है इसलिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने से पीछे रह जाते हैं। वह कहती हैं कि हमारे कालबेलिया समुदाय में पहले की तुलना में सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक रूप से काफी बदलाव आया है। लेकिन अभी भी शिक्षा के प्रति बहुत अधिक गंभीरता नहीं है। जिसके कारण हमारा समाज विकास की दौड़ में पीछे रह जाता है।

गौरतलब है कि जिला के घूघरा पंचायत स्थित नाचनबाड़ी गांव में कालबेलिया समुदाय की बहुलता हैं। इन्हें सरकार की ओर से अनुसूचित जनजाति समुदाय का दर्जा प्राप्त है। यहां की पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार गांव में लगभग 500 घर हैं। गांव के अधिकतर पुरुष और महिलाएं दैनिक मजदूरी करने अजमेर जाते हैं। कुछ स्थानीय चूना भट्टा पर काम करते हैं। यहां से मिलने वाली मजदूरी इतनी कम होती है कि उनके परिवार का मुश्किल से गुजारा चलता है। यही कारण है कि इस समुदाय के कई बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं आसपास के गांवों से भिक्षा मांगकर गुजारा करते है। यह समुदाय कई दशकों तक खानाबदोश जीवन गुजारता रहा है। जिसके कारण इनका कोई स्थाई ठिकाना नहीं रहा था। लेकिन अब बड़ी संख्या में इस समुदाय के लोग नाचनबाड़ी और उसके आसपास के गांवों में स्थाई रूप से आबाद हो चुके हैं। हालांकि पूर्व में विस्थापन वाला जीवन गुजारने के कारण वर्तमान में किसी के पास भी खेती के लिए अपनी जमीन नहीं है। इस समुदाय में बालिका शिक्षा की स्थिति अब भी बहुत अच्छी नहीं है। वहीं योजनाओं से लाभ प्राप्त करने की बात की जाए तो इसका स्तर भी बहुत कम नजर आता है।

इसी समुदाय की एक अन्य महिला चरमू देवी कहती हैं कि हमने सुना है कि घर बनाने के लिए सरकार पैसा देती है। इसके लिए पंचायत में आवेदन देनी होती है। लेकिन हमारे समुदाय में बहुत कम लोग साक्षर हैं। इसलिए हमें आवेदन लिखने की जानकारी नहीं है। वह कहती हैं कि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है? इसका मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं है। साक्षर नहीं होने का समुदाय को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। वह कहती हैं गांव में एक स्कूल है। जहां पांचवी तक पढ़ाई होती है। इसके आगे की शिक्षा के लिए दो किमी दूर घूघरा जाना होता है। जहां लड़के तो चले जाते हैं लेकिन माता-पिता लड़कियों की शिक्षा बंद करवा देते हैं। वहीं दिव्यांग पप्पू नाथ कालबेलिया बताते हैं कि उनका पूरा परिवार एक छोटी झोपड़ी में रहता है। न तो उसमें बिजली और न ही पानी की व्यवस्था है। किसी प्रकार गुजारा चलता है। उन्होंने दिव्यांग पेंशन स्कीम और प्रधानमंत्री आवास योजना के अतिरिक्त अन्य किसी योजनाओं का नाम भी नहीं सुना है। वह कहते हैं कि “दिव्यांग होने के कारण गांव के कुछ लोग उन्हें इन योजनाओं की जानकारियां देकर चले गए लेकिन इसे कैसे शुरू कराया जाए और कहां आवेदन जमा किया जाए? इस संबंध में मदद करने वाला कोई नहीं है।

रमेश नाथ कालबेलिया कहते हैं कि उनकी तीन बेटी और एक बेटा है। सभी को उन्होंने उच्च शिक्षा दिलाया है। हालांकि 12वीं के बाद ही उन पर समुदाय की ओर से लड़कियों की शादी कराने का दबाव बढ़ने लगा था। ऐसा नहीं करने पर उन्हें समुदाय से बेदखल करने की बात भी कही गई थी। लेकिन उन्होंने इसकी परवाह किये बिना अपनी सभी लड़कियों को कॉलेज तक की शिक्षा दिलाई है। वह कहते हैं कि मैं स्वयं साक्षर नहीं हूं। लेकिन शिक्षा की महत्ता को खूब समझता हूं। इसलिए अपने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके अनुसार सरकार की ओर से किसी भी पिछड़े समुदाय के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की जाती हैं। जिसका लाभ उठाने के लिए हमें जागरूक होना आवश्यक है। जो शिक्षा से ही संभव है। इसीलिए मैंने अपने बच्चों को पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित किया। रमेश कहते हैं कि मैं अपने समुदाय में भी बच्चों की शिक्षा के लिए सभी को प्रेरित करता रहता हूं। हालांकि वह मानते हैं कि कई बार केवल जागरूकता की कमी ही नहीं, बल्कि संसाधनों तक पहुंच का अभाव भी विकास में रुकावट बन जाता है। रमेश कहते हैं कि मैं लकड़ी से सामान बनाने का काम करता हूं। लेकिन समय निकाल कर गांव की पंचायत सभा में भी न केवल नियमित रूप से शामिल होता हूँ बल्कि योजनाओं के लिए आवाज भी उठाता हूं। वह कहते हैं कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदाय के विकास के लिए सरकार की कई योजनाएं संचालित हैं, जिससे लाभान्वित होकर समुदाय न केवल अपना बल्कि गांव का विकास भी संभव बना सकता है। इसके लिए स्वयं समुदाय को पहल करनी होगी।

राशन से पोषण तकः पोषण सुरक्षा के लिए उचित दर की दुकानों का पुनर्अभिविन्यास (री-ओरिएंटिंग)

संजीव चोपड़ा

चमन प्रकाश, एक उचित दर दुकान (एफपीएस) डीलर हैं जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के प्रताप विहार ब्लॉक में पिछले 11 वर्षों से खाद्यान्न वितरित कर रहे हैं। इस क्षेत्र में एक मात्र एफपीएस डीलर होने के कारण वे 1,500 से अधिक परिवारों को सेवा प्रदान करते हैं। समुदाय में एक विश्वसनीय व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो गई, जब लाभार्थी अपनी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़ी पात्रताओं पर बहुत अधिक निर्भर थे। प्रकाश, देश भर के उन 5.3 लाख डीलरों में से एक हैं, जो अंतिम छोर तक खाद्यान्न वितरण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं और पीडीएस के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इन एफपीएस को राज्य सरकारों द्वारा लाइसेंस दिया जाता है और इनका प्रबंधन भी किया जाता है तथा डीलरों को अपनी दुकानों पर प्रति क्विंटल लेन-देन के आधार पर डीलर मार्जिन के माध्यम से मुआवजा मिलता है। तथापि, एफपीएस के माध्यम से खाद्यान्न वितरण प्रत्येहक माह 7-10 दिनों की अवधि में केंद्रित होता है। माह के शेष दिनों में, ये दुकानें कम उपयोग में रहती हैं, जिससे डीलरों को कोई अतिरिक्त आय का अवसर नहीं मिलता है। एफपीएस में भौतिक और मानव संसाधनों का इस प्रकार से उपेष्टीतम उपयोग से, आवश्यक अंतिम छोर तक वितरण नेटवर्क की आर्थिक व्यवहार्यता और स्थिरता को खतरा पहुंचता है।

पिछले एक दशक में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने एफपीएस को आधुनिक बनाने के लिए विभिन्न क्रियाकलाप लागू किए हैं। सभी एफपीएस में इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइस लगाए गए हैं, और लगभग 100% लेन-देन अब आधार द्वारा बायोमेट्रिक रूप से प्रमाणित होते हैं। खाद्यान्नों का सही वजन सुनिश्चित करने के लिए ई-पीओएस उपकरणों को इलेक्ट्रॉनिक तराजू से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, जिसे 2024 के अंत तक पूरा किया जाना है। राज्यों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत मॉडल एफपीएस विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिसमें लाभार्थियों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और पीने के पानी जैसी सुविधाएं हों। राज्य सरकारों को एफपीएस डीलरों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत सृजित करने हेतु कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवाओं और बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) सेवाओं जैसी अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए सशक्त बनाया गया है। जनवरी, 2024 में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में एफपीएस को ऑनबोर्ड करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है।

इस पहल का उद्देश्य एफपीएस के ग्राहक आधार को विस्ताकर देना और उसकी व्यहवहार्यता को बढ़ाना है। यद्यपि, एफपीएस की आर्थिक स्थिरता डीलरों और सरकार दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। एक अन्य गंभीर चुनौती लाभार्थियों की पोषण सुरक्षा रही है। वर्तमान में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग केवल पीडीएस के माध्यम से ऊर्जा देने वाले (एनर्जी रिच) अनाज (चावल और गेहूं) प्रदान करता है, जबकि आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पोषण संबंधी कमियों का सामना कर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े उच्च एनीमिया दरों को दर्शाते हैं: 6 से 59 महीने की आयु के बच्चों में 67.1%, 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में 57% और 15 से 49 वर्ष की आयु के पुरुषों में 25%। इसके अतिरिक्त, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजन के मुद्दे बने हुए हैं। अतः, एफपीएस डीलरों के लिए आय के अवसरों को बढ़ाने के साथ-साथ आहार विविधीकरण के माध्यम से जनसंख्या के पोषण संबंधी परिणामों में सुधार लाने जैसे दोहरे दृष्टि कोण (डुअल अप्रोच) की आवश्यकता है। इन दो चुनौतियों पर काबू पाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 60 एफपीएस- गाजियाबाद, जयपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद प्रत्येक में 15 एफपीएस कोह्यजनपोषण केंद्र(जेपीके) में परिवर्तित करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है। ये केंद्र, अन्य मदों के अलावा, खुले बाजार की तुलना में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर पोषक तत्वों से भरपूर वस्तुओं जैसे मिलेट्स (श्री अन्न), दालें, खाद्य तेल और सोयाबीन की एक विविध रेंज पेश करेंगे। जेपीके का उद्देश्य लाभार्थियों और स्थानीय आबादी के बीच पोषण संबंधी अंतर को दूर करते हुए डीलरों के लिए अतिरिक्त राजस्व स्रोत और बेहतर मार्जिन प्रदान करना है।

एफपीएस का जेपीके में बदलाव चार प्रमुख स्तंभों पर निर्भर करता है:) एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण,) चालान वित्तसपोषण (इन्वॉइस फाइनैन्सिंग) के माध्यम से एफपीएस डीलरों के लिए कार्यशील पूंजी तक पहुंच,) बी2बी एग्रीगेटर्स के माध्यम से बाजार संपर्क, और ५) पोषण संबंधी साक्षरता को बढ़ावा देना। एफपीएस डीलरों की क्षमता बढ़ाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कौशल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है। इस साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, पोषण संबंधी साक्षरता और व्यवसाय प्रबंधन पर केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करना है। प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम में भाग लेने वाले एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण सत्र मई और जून 2024 के दौरान दो बैचों में आयोजित किए गए थे।

इसके अतिरिक्त, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने एफपीएस-सहाय, एक मोबाइल एप्लिकेशन जो एफपीएस डीलरों को गैर-पीडीएस वस्तुओं की खरीद के लिए इन्वॉइस फाइनैन्सिंग की अनुमति देता है, को बनाने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के साथ एक और अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। प्रमुख बी2बी एग्रीगेटर्स को इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि एफपीएस डीलरों के लिए आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चैन) लिंकेज स्थापित करने में सहायता की जा सके। इसके अलावा, एफपीएस डीलरों को पोषण मित्र के रूप में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो लाभार्थियों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के सेवन और संतुलित भोजन बनाने के लाभों पर बुनियादी मार्गदर्शन प्रदान कर रहें हैं। इन चार स्तंभों के माध्यम से, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग एक स्थायी मॉडल के लिए आधार तैयार कर रहा है जो डीलरों और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों दोनों को लाभान्वित करता है।

इस पहल के साथ, चमन प्रकाश का पेशेवर जीवन परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे उन्हें अपनी पेशकशों में विविधता लाने, अपनी आय बढ़ाने और समुदाय के पोषण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायता मिलेगी। यह विकास न केवल उनकी आजीविका को बढ़ाएगा बल्कि पूरे भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने में एफपीएस की महत्वपूर्ण भूमिका को भी सुदृढ़ करेगा।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए “प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों” की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है। न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया “पीछे के दरवाजे से भर्ती” है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी? अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके। यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थी: संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना। आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं।

‘गीता’ ज्ञान के पश्चात ‘अर्जुन’ की स्थिति

अवधेश झा

गीता ज्ञान परमतत्व का ज्ञान है! अर्थात आत्म स्थिति की समस्त ज्ञान है। गीता प्रसाद ग्रंथ है इसे ग्रहण करने वाले को ब्रह्म पुष्टि, संतुष्टि और ब्रह्म की प्राप्ति होती है। गीता समस्त वेदांत दर्शन का सार है। गीता ज्ञान यज्ञ है, इसमें हवन करने वालों का समस्त संशय रूपी अज्ञानता शीघ्र भस्म हो जाता है और पूर्ण ज्ञान का उदय होता है। इस पावन गीता में समस्त उपनिषदों के ज्ञान का समग्र और संग्रह स्वरूप उपस्थित है, जिसमें आत्मा के विषय में सूक्ष्मता से बताया गया है, तथा आत्मा अमर है, शाश्वत, नित्य, अविनाशी है और यही परम सत्य है।

दर्शन शास्त्र के ज्ञाता जस्टिस राजेंद्र प्रसाद (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय, पटना) ने कहा कि “श्रीकृष्ण ने स्पष्ट कह दिया कि “जिस आत्मा में मृत्यु का कोई स्थान नहीं है (अर्थात दृश्य जगत में मृत्यु से बड़ा भय कुछ भी नहीं है), उस आत्मा में शोक, मोह, आसक्ति आदि का कैसे स्थान हो सकता है। जिस अज्ञानता के वशीभूत होकर तुम मृत्यु के भय का शोक अपने मन में धारण कर लेते हैं, वास्तव में उसका कोई स्थान ही नहीं है। आत्मा तो जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त है। इसी शोक से निकालने के लिए श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान स्वरूप इस प्रसाद ग्रंथ ग्रहण करने के लिए दिया है। श्रीकृष्ण परमात्मा थे। इसलिए, गीता का समस्त ज्ञान आत्मा का ही ज्ञान है।

गीता प्रसाद है; यहां प्रसाद से आशय है सर्वोत्तम भोग, जिससे उत्तम कुछ नहीं है। अर्थात, जो प्रसाद या भोग आत्मा या ब्रह्म को अर्पित किया गया है उससे उत्तम प्रसाद नहीं हो सकता है। वह आत्म प्रसाद, अगर ज्ञान का हो तो; वह ब्रह्मज्ञान स्वरूप प्रसाद ही है। अब, जिस प्रसाद को हम ग्रहण करते हैं। ग्रहण उपरांत उसकी दो स्थिति होती है। प्रथम कि, यह प्रसाद ठीक से ग्रहण होकर, सुपाच्य और पुष्टिवर्धन हुआ अथवा अनपच ही रह गया। प्रथम स्थिति तो उत्तम स्थिति है, जिसका सार्थक और उत्तम परिणाम होता है, दूसरी स्थितिः कई अन्य परिस्थिति का निर्माण कर दे सकता है।

इसलिए, श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान देने के उपरांत, अर्जुन की स्थिति जानने के लिए पूछाः

कच्चिदेतच्छ्रुतं पार्थ त्वयैकाग्रेण चेतसा। कच्चिदज्ञानसम्मोहः प्रनष्टस्ते धनञ्जय॥ भावार्थः हे पार्थ! क्या इस (गीताशास्त्र) को तूने एकाग्रचित्त से श्रवण किया? और हे धनञ्जय! क्या तेरा अज्ञानजनित मोह नष्ट हो गया?॥

अर्जुन का उत्तर सुन श्रीकृष्ण का उद्देश्य पूर्ण हुआ। वास्तव में आत्मज्ञानी, जो ज्ञान का प्रसाद देते हैं; ग्रहणकर्ता से उसकी स्थिति का परख भी कर लेते हैं। अब, अर्जुन एकाग्रता से संपूर्ण ज्ञान को ग्रहण किया तो उसका शुभ परिणाम तत्क्षण ही प्रकट हो गया और बहुत हर्ष के साथ, अर्जुन ने कहाः अर्जुन उवाचः

नष्टो मोहः स्मृतिर्लब्धा त्वत्प्रसादान्मयाच्युत । स्थितोऽस्मि गतसंदेहः करिष्ये वचनं तव ॥ भावार्थ : अर्जुन बोले- हे अच्युत! आपकी कृपा से मेरा मोह नष्ट हो गया और मैंने स्मृति प्राप्त कर ली है, अब मैं संशय रहित होकर स्थिर हूँ, अतः आपकी आज्ञा का पालन करूँगा॥

अर्जुन ने कहा; आपकी कृपा से मेरा मोह नष्ट हो गया”। वास्तव में; मोह, का स्वरूप में कहीं स्थान नहीं है। जिसका स्थान नहीं है, उसको स्थान देकर हम उसी भाव के ग्रसित होकर दुःखी थे, स्वाभाविक है कि उसका नष्ट होते ही अपने स्वरूप स्थिति का ज्ञान हो जाता है। जिस स्मृति का अर्जुन को ज्ञान हुआ, वह स्वरूप स्थिति का ज्ञान है और स्वरूप तो ब्रह्म ही है। ब्रह्म की प्राप्ति के उपरांत चित स्वतः शांत हो जाता है अर्थात आत्मा में लीन हो जाता है। स्वयं ब्रह्म स्वरूप आत्मा स्वतः ही परमात्मा के आदेश के अनुभूत सक्रिय हो जाता है और अर्जुन ने वही किया!

आत्म ज्ञान या स्वरूप की प्राप्ति के उपरांत भी पुरुषार्थ कर्म शेष रहता है, लेकिन उसके बाद, पुरूषार्थ का स्वरूप अलग हो जाता है। अब, अर्जुन का उद्देश्य युद्ध में हार - जीत से नहीं, नाहि किसी राग - द्वेष से युद्ध करना था, बल्कि, सत्य स्वरूप धर्म की स्थापना करना था और किया।

जीवन के निर्णय में संशय बहुत बड़ी रुकावट है, संशय का अंत होते ही साध्य सदृश्य प्रकट होने लगता है।

श्रीकृष्ण ने गीता ज्ञान के बारे में कहें हैं: श्रद्धावाननसूयश्च श्रृणुयादपि यो नरः।
सोऽपि मुक्तः शुभाँल्लो कान्प्राप्नुयात्पुण्य कर्मणाम्॥

भावार्थ : जो मनुष्य श्रद्धायुक्त और दोषदृष्टि से रहित होकर इस गीताशास्त्र का श्रवण भी करेगा, वह भी पापों से मुक्त होकर उत्तम कर्म करने वालों के श्रेष्ठ लोकों को प्राप्त होगा॥

इस श्लोक के माध्यम से श्रीकृष्ण कहे हैं कि जो मनुष्य अर्थात आत्मा का व्यक्त भाव मनुष्य रूप में; श्रद्धायुक्त, अर्थात मन की पूर्ण अवस्था जो आत्मोन्मुख दृष्ट हो, अंतमुर्खी हो, जिसमें इंद्रिय आदि का दोष या विषय न हो। अहंकार का आत्मा के प्रति समर्पण भाव हो तथा चित बुद्धि उन्मुख हो और बुद्धि आत्मोन्मुख हो; तो इस स्थिति में श्रवण किया गया यह गीताशास्त्र तत्क्षण फलदायी है। यहां पापों से मुक्त अर्थात चित के वृतियों के निरोध से है अर्थात आप आत्म स्थिति की यात्रा पर हैं तथा असत्य और अंधकार रूपी पाप का नाश हो चुका है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 22 अगस्त, 2024

संक्षिप्त खबरें

अपर समाहर्त्ता-सह- सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा किया जा रहा है सेवा संबंधित शिकायतों का निवारण

छपरा कार्यालय। बिहार सरकारी सेवक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत सेवा संबंधित शिकायतों के निवारण का प्रावधान है। इसके लिये सारण जिला में अपर समाहर्त्ता, सारण सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में प्राधिकृत हैं। प्रभुनाथ नगर, छपरा निवासी परिवादी शंभू नाथ सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक द्वारा उनके लंबित भविष्यनिधि भुगतान के संबंध में परिवादपत्र दिया गया। सेवा शिकायत पदाधिकारी सह अपर समाहार्त्ता द्वारा इस मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान ही शिक्षा विभाग के स्थापना शाखा द्वारा परिवादी के सामान्य भविष्य निधि की राशि का भुगतान कर दिया गया। सुनवाई के क्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना , शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि परिवादी का लंबित भुगतान कर दिया गया है जिसकी पुष्टि परिवादी द्वारा की गई।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा आज दरियापुर प्रखंड के देवती अवस्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक की गई। उन्होंने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर व्याप्त त्रुटियों के निराकरण हेतु सम्बन्धित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ संवाद कर उनके द्वारा पूछे गये विभिन्न विषयों से सम्बन्धित प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए उन्हें समाज में प्रतिष्ठित बनने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया तथा पठन पाठन की तरफ संपूर्ण ध्यान लगाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर, विद्यालय के प्राचार्य सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खैरा में आर्या हॉस्पिटल का भव्य हुआ उद्घाटन,समारोह में सैकड़ो लोग हुए शामिल

नगरा ।प्रखंड क्षेत्र के खैरा भट्ठी के समीप आर्या हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन समाजसेवी इसरार अहमद खान और राजद नेता सुधांशु रंजन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर डॉ. अभिनाश, डॉ. शोभा सिंह, डॉ. मसरूर अहमद खान, और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे ।वहीं समाजसेवी इसरार अहमद खान ने कहा कि यह हॉस्पिटल खैरा और आसपास के क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगा।साथ ही, जनप्रतिनिधियों के अनुशंसा पत्र पर आने वाले मरीजों को 20% तक की छूट मिलेगी। हॉस्पिटल में 24/7 आपातकालीन सेवाओं के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उपलब्ध रहेगी,जिससे स्थानीय लोगों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी।वहीं इस अवसर पर उद्घाटन समाज सेवी इसरारा अहमद खान,पूर्व एम एलसी प्रत्याशी सह राजद नेता सुधांशु रंजन ,डॉक्टर अभिनाश, डा. शोभा सिंह , डा.मसरूर अहमद खान , आर्यन खान, गुड्डू सिंह ,नबी अहमद ,गुड्डू खान ,मिथलेश राय,मुकेश राय , मो. कौसर ,मो. रेयाजूदिन ,रवि प्रकाश ,रंजन यादव ,सहित अन्य सैकड़ो गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

एकमा में भारत बंदी का दिखा असर

एकमा । आंदोलनकारियों ने सुबह से ही मुख्य मार्ग पर आगजनी कर कुछ घण्टों के लिये सड़क जाम कर शांति पूर्ण रूप से प्रदर्शन किया. एससी /एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने सम्बन्धी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध भारत बंद के आह्वान पर बुधवार को तमाम एससी एसटी बहुजन वर्ग के लोग सड़क पर उतर एकमा में जमकर प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने एकमा में बाजार में मार्च किया फिर छपरा सिवान मुख्य मार्ग के पारसा जाने वाली गतीन मुहानी पर सड़क जाम कर दिया। आंदोलनकारियों ने मुख्य मार्ग पर आगजनी कर केंद्र सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी कर रहे थे।आंदोलन करियो का कहना है कि आरक्षण हमारा संबैधानिक अधिकार है।केंद्र सरकार आरक्षण समाप्त करने की कोशिश कर रही है।नियुक्तियों में आरक्षण समाप्त की जा रही है।दलितों पिछड़ो के।अधिकारियों को छीना जा रहा है।इस मौके पर भारी संख्या में आंदोलन कारी शामिल थे। वही सुरक्षा को लेकर एकमा थाना अध्यक्ष उदय कुमार ने दल बल के साथ पहुंचकर सड़क जाम छुड़ाए ।

आरक्षण को ले दलित सेना द्वारा भारत बंद का असर आंशिक रहा

बंद का असर वाहनों का परिचालन व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी दिखा

- सड़कों पर मार्च करते दलित सेना कार्यकर्ता, टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन करते कार्यकर्ता, सड़कों पर मुस्तैद दिखी पुलिस प्रशासन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा । आरक्षण के मामले पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिए गए निर्णय के विरोध में दलित सेना द्वारा किया गया भारत बंद का असर आंशिक रहा ' सड़कों पर वाहनों का परिचालन भी कम देखा गया । व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर भी भारत बंद का असर आशिक रहा । दलित सेना के कार्यकताओं ने शहर के म्युनिसिपल चौक, प्रभूनाथ नगर सहित और स्थान पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया ' भारत बंद को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद देखी गई । दलित सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष बिगन मांझी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय को असंवैधानिक बताते हुए भारत बंद कर दलित सेना कार्यकताओं ने अपनी नाराजगी जताया । तथा सरकार से संविधान के 9वे अनुसूची में शामिल कर दलितों को मान -सम्मान बरकरार रखने की बात कही। बताते चलें कि अनुसूचित जनजाति के उप वर्गीकरण एवं अन्य आरक्षण के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिए गए संवैधानिक निर्णय के विरोध में दलित सेना द्वारा भारत बंद का आयोजन किया गया था । दलित सेना द्वारा आरक्षण के मामले पर किया गया भारत बंद के तहत कार्यकताओं ने दलित सेना के बैनर तले पशु पशुपति कुमार पारस जिंदाबाद, दलित सेना जिंदाबाद के नारों के साथ शहर में जुलूस निकालकर आरक्षण के मामले पर विरोध जताया ' शहर के म्युनिसिपल चौक पर दलित सेना के कार्यकताओं एवं समर्थकों ने सड़कों पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन जताया ' भारत बंद के आह्वन को लेकर सड़कों पर वाहनों का परिचालन आंशिक रूप से देखा गया । जबकि भारत बंद का असर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर आंशिक रहा । हालांकि सरकारी दफ्तरों एवं बैंकिंग संस्थानों पर इसका कोई असर नहीं देखा गया ' भारत बंद का असर सुदूर ग्रामीण क्षेत्र पर भी आंशिक देखा गया ।शहरी इलाकों में सड़कों एवं सरकारी दफ्तर में सामान्य दिनों की तरह भीड़ कम देखा गया । ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति भारत बंद को लेकर जिला मुख्यालय में कम देखी गई ' वहीं वाहन मालिक भी भारत बंद को लेकर वाहनों को सड़कों पर निकालने से परहेज करते देखे गए । भारत बंद को लेकर जिला प्रशासन पूरी मुस्तादी के साथ डटी रही, शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती देखी गई ' जिला भर में भारत बंद का असर आंशिक रहा ।

परसा में भारत बंद का देखा व्यापक असर

प्रात: किरण, संवाददाता

परसा ।एससी /एसटी आरक्षण लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध में परसा दरोगा राय चौक,हाई स्कूल चौक पर जमकर प्रदर्शन किया गया। आंदोलनकारी परसा बाजार में मार्च कर दुकानों को बंद कराया ।उसके उपरांत दरोगा राय चौक,हाई स्कूल चौक पर आगजनी कर केंद्र,राज्य सरकार व आरएसएस प्रमुख के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया गया ।प्रदर्शन के दौरान पूर्व शिक्षक सीता राम मांझी,नागेंद्र मांझी का कहना है कि आरक्षण हमारा संबैधानिक अधिकार है ।केंद्र सरकार कोटा में कोटा लाकर आरक्षण समाप्त करने की कोशिश कर रही है ।नियुक्तियों में आरक्षण समाप्त की जा रही है ।दलितों पिछड़ो को फंसाया जा रहा है ।प्रदर्शन के दौरान थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस बल तैनाथ किया गया था ।परसा थाना से आ रही पुलिस के वाहन को प्रदर्शनकारी ने दरोगा राय चौक पर रोक कर जय भीम की नारेबाजी करने लगे ।काफी समझाने के बाद भी प्रदर्शनकारी एक भी बात नही माने तो पुलिस को वाहन लेकर वापस लौटना पड़ा ।कुछ देर बाद 112 कि आपातकालीन सेवा वाहन दरोगा राय चौक पहुँची ।उस वाहन को भी प्रदर्शनकारी ने दरोगा राय चौक पर रोक दिया ।एसआई संजीव कुमार द्वारा काफी समझाने बुझाने के बाद पुलिस वाहन को जाने दिया गया ।छपरा से सोनपुर के तरफ जाने के दौरान दरोगा राय चौक पर प्रदर्शनकारी ने डीएम की वाहन को रोक दिया ।और जमकर जय भीम की नारेबाजी करते रहे ।परसा थानाध्यक्ष सुनील कुमार,सीओ चंदन कुमार पहुँच ।जाम को हटाने के लिए प्रयास कर रहे थे ।लेकिन प्रदर्शनकारी डीएम को पास कराने के लिए राजी नही थी ।सैकड़ो की संख्या में शामिल प्रदर्शन में शामिल लोगों ने डीएम के वाहन को लगभग 15 मिनट तक रोक रखा ।काफी मस्कत के बाद पुलिस ने डीएम के वाहन को पास आउट कराया ।और डीएम की वाहन बनकेरवा बांध होकर सोनपुर के लिए प्रस्थान किया।

हथियार के बल पर आईडीबीआई बैंक से 19.25 लाख की लूट, दहशत फैलाने के लिए अपराधियों ने किया फायरिंग

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला के सोनपुर थाना क्षेत्र से इस समय की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बेखौफ अपराधियों ने हथियार के बल पर आईडीबीआई बैंक से करीब 19.25 लाख लूट की घटना को अंजाम दिया है. वही इस घटना के बाद बैंक के बाद भीड़ जमा होने लगी, जिसको देखते हुए अपराधियों ने दनादन फायरिंग करना शुरू कर दिया और फायरिंग करते हुए अपराधी आराम से फरार हो गये. घटना सोनपुर थानान्तर्गत गोला रोड स्थित आईडीबीआई बैंक की है. जहां एक बाइक सवार तीन हथियारबंद अपराधियों द्वारा पिस्टल का भय दिखाकर बैंक काउंटर से लगभग 16 लाख 75 हजार एवं बैंक में मौजूद ग्राहकों से लगभग 2.50 लाख रुपये यानि कि कुल 19 लाख 25 हजार रुपए लूट की पटना को अंजाम दिया गया है. इस सूचना के बाद सोनपुर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन प्रारंभ कर दी है. इस घटना की पुष्टि करते हुए सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि सोनपुर थाना अंतर्गत गोला रोड स्थित आईडीबीआई बैंक से 19.25 लाख की लूट हुई है. सूचना के बाद वह स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुटे हैं. उनके साथ मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर, अंचल निरीक्षक सोनपुर एवं सोनपुर थानाध्यक्ष घटनास्थल पर मौजूद हैं. मामले के त्वरित उद्भेदन को लेकर एफ एस एल टीम को भी बुलाया गया है. एफ एस एल टीम घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है. वहीं संदेह के आधार पर बैंक गार्ड को पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया है. घटना से संबंधित अन्य साक्ष्यो की जांच एवं उउळश फुटेज का अवलोकन किया जा रहा है. वह इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

आरक्षण के विरोध आयोजित संपूर्ण भारत बंद सफल बताया

प्रात: किरण, संवाददाता

बनियापुर। बनियापुर मे माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति जाति के आरक्षण मे क्रीमी लेयर लागू कर वर्गीकरण करने कोटा में कोटा के फैसले के विरोध में पहले से ही आह्वान पफ बुद्धवार को भारत बंद का असर सड़को पर देखा गया ।जहा हजारों भारी संख्या में अंबेडकरवादी संविधान में आरक्षण समर्थक सुबह से ही बनियापुर मुख्य बाजार के एन एच 331 पर बने पुल को जाम कर दिया, सिवान की तरफ से आने वाली गाड़ियां और छपरा की तरफ से आने वाली गाड़ियां दोनों तरफ खड़ी की खड़ी रही बाजार की दुकानों मे सन्नाटा छाया रहा ,निजी स्कूल प्रखंड कार्यालय आदि बंद करने में आंदोलनकारी सफल रहे ,अंत में भारत के राष्ट्रपति के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी बनियापुर को ज्ञापन सौपा गया जिसमें निम्नलिखित मांगों केंद्र सरकार लोकसभा राज्यसभा में अध्यादेश लाकर उच्चतम न्यायालय के फैसले को रद्द करें। आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल करें भारत के न्यायालय में कॉलेजियम सिस्टम को समाप्त किया जाए, जोजो की नियुक्ति राष्ट्रीय प्रतियोगित परीक्षा मे सभी वर्गों के आरक्षण आधार पर किया जाय।

भारत की जातीय और आर्थिक जनगणना कराया जाए सभी वर्गों की जनसंख्या के आधार पर 100% आरक्षण लागू किया जाए भारत की तमाम जल जंगल जमीन भू संपदा को और भारत की प्रतिवर्ष राष्ट्रीय आय को भारत के जनता की परिवार में बराबर बराबर हिस्से में बांट दिया जाए जिससे भारत में सामाजिक और आर्थिक विषमता समाप्त हो. भारत एक पूर्ण समाजवादी समता मूलक शांति एवं सद्भावना पूर्ण विकसित भारत बन सके। बनियापुर में भारत बंद आंदोलन में मुख्य रूप से भाग लेने वालों मे रमेश कुमार मांझी सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम चौधरी प्रभुनाथ मांझी राजीव कुमार राम डॉ विक्रमाराम आदि शामिल थे।

जेपीयू के द्वारा जारी किया गया अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के तिथि व स्थान

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा सदर । बुधवार को जे पी यू द्वारा अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के तिथि व स्थान की घोषणा कर दी गई । बताते चले कि सत्र 2024-25 के लिए जयप्रकाश विश्वविद्यालय का खेल कैलेंडर जारी कर दिया गया है। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर क्रीड़ा निदेशक डॉ राजेश नायक द्वारा जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार विभिन्न स्पद्धाओं में अन्तरमहाविद्यालय खेल प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग महाविद्यालयों का चयन किया गया है। महिला एवं पुरुष वर्ग की अन्तरमहाविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता 03 से 05 सितंबर, 2024 तक राजेंद्र कॉलेज, छपरा में आयोजित की जाएगी। वहीं, महिला एवं पुरूष वर्ग में अन्तरमहाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता 06 एवं 07 सितंबर, 2024 को गंगा सिंह महाविद्यालय में आयोजित होगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरूष खो-खो प्रतियोगिता 12 एवं 13 सितंबर, 2024 को जगलाल चौधरी कॉलेज, छपरा तथा अन्तरमहाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता 13 एवं 14 सितंबर, 2024 को जयप्रकाश महिला महाविद्यालय, छपरा में आयोजित की जाएगी। अन्तरमहाविद्यालय महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता 16 से 18 सितंबर, 2024 तक जगदम कॉलेज, छपरा, अन्तरमहाविद्यालय महिला एवं पुरूष वॉलीबॉल प्रतियोगिता 19 से 21 सितंबर, 2024 तक रामजयपाल कॉलेज, छपरा तथा अतरमहाविद्यालय पुरुष व महिला एथलेटिक्स ट्रैक की स्पद्धाएं 23 एवं 24 सितंबर, 2024 को डीएवी कॉलेज, सीवान में आयोजित की जाएंगी ।एथलेटिक्स की फील्ड स्पद्धाएं 25 एवं 26 सितंबर, 2024 को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में होंगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरूष व महिला योग प्रतियोगिता 10 अक्टूबर, 2024 को पीसी विज्ञान कॉलेज, छपरा तथा महिला व पुरूष वर्ग की अन्तरमहाविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता 30 सितंबर, 2024 को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में आयोजित की जाएगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरुष व महिला वर्ग की बॉक्सिंग एवं किक बॉक्सिंग की प्रतियोगिताएं 27 एवं 28 सितंबर, 2024 को यदुनंदन महाविद्यालय, दिघवारा में आयोजित की जाएंगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरुष व महिला वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता 04 से 07 अक्टूबर, 2024 तक कमला राय कॉलेज, गोपालगंज में तथा अन्तरमहाविद्यालय पुरुष व महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता 03 अक्टूबर, 2024 को नंदलाल सिंह कॉलेज, दाउदपुर, सारण में आयोजित की जाएंगी।

भारत बंद के समर्थक सड़कों पर उतर घंटों अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग को रखा बंद

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। अंतर्राष्ट्रीय शहर रक्सौल में भारत बन्द का मिलजुला असर रहा। जहां बाजार की दुकानें खुली रही वहीं देशव्यापी भारत बंद का आयोजन अम्बेडकर ज्ञान मंच, रक्सौल के तत्वावधान में बुधवार को अनुमंडल अध्यक्ष प्रकाश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर हजारों की संख्या में मंच के कार्यकताओं ने सुबह दस बजे से ही बारिश में भीगते हुए दिल्ली काठमांडू अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग को घंटों जाम रखा तथा संविधान और आरक्षण के समर्थन में जबरदस्त नारेबाजी करते रहे। अंबेडकर चौक पर स्थित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर संयुक्त माल्यार्पण के बाद कार्यकताओं ने एससी, एसटी आरक्षण में वर्गीकरण, क्रीमीलेयर लागू करने व आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल करने, अंतर्राष्ट्रीय शहर रक्सौल को जिला घोषित कर बौद्ध सर्किट से जोड़ने सहित ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में नारेबाजी किया तथा शहर में में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए हजारों की संख्या में कार्यकताओं का जुलूस प्रधान पथ के रास्ते अपनी आवाज बुलंद करते हुए अनुमंडल मुख्यालय पहुंच सभा में तब्दील हो गया ।तत्पश्चात, महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में चार सदस्यीय शिष्टमंडल के सदस्य प्रकाश कुमार, दिनेश कुमार, कमोद राम, रामपुकार भारती के नेतृत्व में एक स्मार पत्र एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित व एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार को समर्पित किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगन राम, रविंद्र कुमार राम,सुरेंद्र राम, रविशंकर राम, रुदल राम, पंकज पासवान, पासवान, छोटेलाल राम, मनोज पासवान, रवि कुमार, मुन्ना कुमार, कपिलदेव राम, जयमंगल राम, पंकज कुमार, सोहन राम, सैफुल आजम, सुनील राम, सुनील कुशवाहा, सौरंजन यादव, संजय यादव सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

आरक्षण के विरोध में भारत बंद के दौरान चार घंटे जाम रहा सड़क

प्रात: किरण, संवाददाता

तरैया सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागु करने के आदेश पर अनुसूचित जाति, जनजाति के समर्थकों ने नाराजगी जताते हुए सरकार और कोर्ट के प्रति नारेबाजी किया। भारत बंद के दौरान एससी/एसटी समुदाय के विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने तरैया बाजार के विभिन्न चौक चौराहों को जाम कर प्रदर्शन किया ।सुबह में नौ बजे से लेकर एक बजे तक तरैया बाजार पूर्णतःबंद रहा। तरैया मढ़ौरा एसएच 73 मुख्य सड़क,तरैया अमनौर एनएच 104 मुख्य सड़क,तरैया प्रखंड मुख्यालय जाने वाली सड़क,चंचलिया तरैया सड़क सहित अन्य सड़को को बंद समर्थको ने जाम कर प्रदर्शन किया ।जिससे आवागमन लगभग चार घंटे तक पूर्ण बाधित रहा ।धरना प्रदर्शन का नेतृत्व देवनाथ राम,चंदेश्वर राम,अजय पासवान, कमलेश राम,राजबल्म राम,दरोगा राम,शंकर राम सहित अन्य शांतिपूर्ण कर रहे थे।

इसी दौरान भूतनाथ चौक पर प्रदर्शनकारी और बाजारवासियों के बीच झड़प व पथराव हो गया ।जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग घायल है ।जिसमें गंभीर रूप से घायल तीन लोगों का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया है ।स्थानीय बुद्धिजीवियों व पुलिस प्रशासन तथा थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह,अपर थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी विभु विवेक सहित अन्य के सहयोग से मामला शांत हुआ ।चार घंटे बाद आवागमन बहाल हुआ।

20 साल बाद आया फैसला, आवेदक थक हार कर 16 साल से छोड़ दिया था केस में पैरवी

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कोपा थाना के हसूलाही निवासी लोकनाथ गिरी ने 14 अगस्त 2004 को अपनी पत्नी एवं अपने बच्चे के इलाज के दौरान मृत्यु हो जाने और महिला चिकित्सक द्वारा लापरवाही बरतने को लेकर के क्षतिपूर्ति हेतु डॉक्टर श्रीमती संगीता चौधरी छपरा के विरुद्ध एक वाद संख्या 189/04 दाखिल किया था। आवेदक ने अपने पत्नी प्रतिमा देवी को गंभीर हालत में डॉक्टर संगीता चौधरी के नर्सिंग होम में 7 अगस्त 2004 को बच्चा जनने होने के लिए भर्ती कराया था। जांच के बाद महिला चिकित्सक ने सिजेरियन ऑपरेशन करने को कहा परंतु ऑपरेशन के दौरान बच्चों के सर में चोट लग गई और उसका सर कट गया। जिसके कारण वह अनेक रोगों से ग्रसित हो गया। जिसका उचित इलाज हेतु उषा चाइल्ड न्यू बॉर्न हेल्थ केयर सेंटर छपरा में भर्ती कराया गया। जहां जांच के दौरान पाया गया कि आपरेशन के दौरान बच्चे के सर में चोट लगी हुई है और सर कट भी गया है। जिसको लेकर उसने यह बाद दाखिल किया था ।वर्ष 2008 तक उसने केस में उचित पैरवी किया परंतु न्याय मिलने में देरी होते देख वह थक हार कर केस में पैरवी करना भी छोड़ दिया ।वर्तमान आयोग अध्यक्ष बीरेंद्र प्रताप सिंह एवम सदस्य मंजू सिंह के द्वारा कोरम पुरा होने पर उभय पक्षों के बहस हेतु अनेकों मौका दिया। परंतु आयोग में कोई उपस्थित नहीं हुआ ।अंत में आयोग ने अभिलेख में उपस्थित साक्ष्य के आधार पर आदेश पारित कर दिया। जिसमें विपक्षी डॉक्टर संगीता चौधरी पर नवजात शिशु की मृत्यु के लिए 3 लाख रुपए क्षतिपूर्ति वाद दाखिल करने की तिथि से 6% सूद के साथ देने का आदेश दिया गया है साथ ही मानसिक तथा शारीरिक परेशानी के लिए 10 हजार रुपए भुगतान करने का आदेश भी दिया गया है ।अगर निर्धारित दो माह की अवधि में भुगतान नहीं किया जाता है तो 9% सूद के साथ राशि का भुगतान करना होगा। आयोग के फैसला आने के बाद आम जनता में चर्चा का विषय बन गया है।

चिरान्द विकास परिषद ने किया पौधारोपण

प्रात: किरण, संवाददाता

डोरीगंज ।गुरू पुर्णिमा से रक्षाबंधन तक के बीच पौधे लगाने की दिलवाई शपथ, लोगों को किया जागरूक चिरान्द विकास परिषद के तत्वावधान में धार्मिक नगरी चिरांद ,धर्मपुरा रसलपुरा में पौधरोपण व पौध-वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर परिषद के कार्यकताओं ने अधिक से अधिक पौधे लगाने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में परिषद के सचिव श्रीराम तिवारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती को बचाना है तो हमें पौधरोपण को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। उन्होने कहा कि केवल पौधे लगाना आपकी जिम्मेवारी नही बल्कि उसे संरक्षित करना भी आपकी जवाबदेही है। श्री तिवारी ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के तहत उनके सदस्यों द्वारा छह फीट उपर के पौधे बंगाल से मंगवाए गए थे जिसका नतीजा आज 99%पौधे लग गए। परिषद के कोषाध्यक्ष राशेश्वर सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति में वृक्ष को देवता कहा गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करना व उसकी देखभाल कर उसे बड़ा करना एक यज्ञ है। परिषद के संस्थापक सदस्य तारकेश्वर सिंह,हरिद्वार सिंह रघुनाथ सिंह ने सभी विद्यार्थियों को पाँच-पाँच पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने की शपथ दिलवाई। चिरांद विकास परिषद द्वारा विद्यार्थियों को घर पर लगाने के लिए नीम, करंज,अर्जुन,शहतूत,जामुन,महोगनी पौधे लगाने की अपील की गई। परिषद के सदस्य चंदन कुमार बीपीन बिहारी रमन जयदिनेश पाण्डेय ने एक पेड़ मां तथा बच्चों के जन्मदिन पर एक एक पौधा लगाने की अपील की गई। पौधरोपण कार्यक्रम के तहत अयोध्या मठिया चिरांद मे 100पेड़ महोगनी तथा बरगद, पीपल और पाकर के वृक्ष लगाए गए वही धर्मपुरा रसलपुरा फुलचक मे बरगद पीपल पाकर के 25पौधे लगाए गए वहीं चिरांद तिवारीघाट पर 40पौधे महोगनी के लगाए गए। इस अवसर पर श्रीकांत पांडेय शुशील पाण्डेय,हरिमोहन जी उदय चौधरी,राजकिशोरबिपिन बिहारी रमण, मनीष कुमार सिंह, मोहन सिंह,सरोज कुमार सिंह, परमोद सिंह, मनु सिंह, सतनारायण महतो प्रसाद,राजकिशोर चौरसिया मुकेश सिंह विकास मिश्रा,सुमन साह,उमेश कुमार,जजन प्रसाद यादव,मोहन पासवान,गिरजन पासवान मौजूद रहे।

आश्रय स्थल में हेल्थ कैंप का हुआ आयोजन, 91 आश्रय विहिनों का हुआ जांच

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा । शहर के सदर अस्पताल कैंपस में अवस्थित आश्रय विहीनों के आश्रय स्थल में हेल्थ कैंप का उद्घघाटन नगर निगम के महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, नगर आयुक्त सुमित कुमार,उप महापौर रागनी देवी एवं वार्ड पार्षद संतोष कुमार उर्फ मंटूजी सह रूबी कल्याण समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ' जिसमें आश्रय विहीनों के लिए आँख जाँच, बी. पी., शुगर एवं दर्द सहित अन्य बीमारियों की जाँच की व्यवस्था शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज के माध्यम से कराई गई ' इस अवसर पर महापौर ने आश्रय स्थल में स्वास्थ्य शिविर आयोजन को सराहनीय कदम बताया ' उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंप होने से हमारे आश्रय वीहिनों को स्वास्थ्य सम्बंधित सुविधाएं देने से हमें खुशी मिलती है । जबकि उप महापौर रागनी देवी ने कहा कि आश्रय स्थल के आश्रय विहिनों के लिए हमेशा नगर निगम हर सुविधाएं देने को लेकर तत्पर है । नगर निगम के नगर मिशन प्रबंधक सुधीर कुमार हिमांशु ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से बताया कि आश्रय विहिनों को विभागीय दिशा- निर्देश के आलोक में 11 आश्रय विहीनों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया । जिससे आश्रय विहीन मुफ्त में 5 लाख तक का इलाज करा सकते है । वहीं 32 आश्रय विहीनों का आयुष्मान पोर्टल पर चेक किया, जिसमें 11 आश्रय विहिन लाभ के पात्र पाए गए और उनका आयुष्मान कार्ड बनवा दिया गया ' आश्रय विहिनों के लिए प्रत्येक माह सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत वृद्धा पेंशन, बैंकों में खाता खोलवाना, आधार कार्ड बनवाना,विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाना तथा राशन कार्ड बनवाना इत्यादि का कार्य किया जाता है । सामाजिक सुरक्षा कोषांग के माध्यम से हेल्प डेस्क लगाया जाता है । आश्रय स्थल का संचालन 2019 से शुरू किया गया था ' अभी तक 12 हजार से ऊपर लाभुकों के द्वारा आश्रय स्थल का लाभ प्राप्त कर लिया गया है । नगर आयुक्त सुमित कुमार के द्वारा प्रति माह औचक निरीक्षण किया जाता है ' जिससे आश्रय स्थल में सारी सुविधाएं दे दी गई है । आश्रय विहिनों को मनोरंजन के लिए टेलीविजन, कॉल करने के लिए टेलीफोन, पीने के लिए आर. ओ. की व्यवस्था सहित लॉकर की व्यवस्था की गई है ' मेडिकल कैंप में 91 आश्रय विहिनों का हेल्थ की जाँच की गई ' कैंप में डॉक्टर एच एन प्रसाद , एएनएम प्रियंका, पुष्पा कुमारी, रंजन कुमारी, माला कुमारी,एलटी प्रतिभा , आदर्श कुमार,नगर मिशन प्रबंधक सुधीर कुमार हिमांशु, सिटी मैनेजर वेद प्रकाश वर्णवाल,सामुदायिक संघटक नितेश चौहान, आश्रय स्थल प्रबंधक अर्चना कुमारी, केयर टेकर, संगीता देवी, मुनि देवी, बिनु देवी,, एवं आश्रय विहीन उपलब्ध थे ।

देशव्यापी बन्द का असर माँझी और दाउदपुर मे रहा मिलाजुला असर

प्रात: किरण, संवाददाता

माँझी। आरक्षण के मुद्दे पर दलित संगठनों द्वारा प्रायोजित देशव्यापी आंदोलन के तत्वाधान में माँझी और दाउदपुर में आयोजित बन्द का मिलाजुला असर रहा। बुधवार की सुबह स्थानीय दलित नेताओ ने दर्जनों कार्यकताओं के साथ माँझी के मियाँपट्टी तिमुहानी पर जाम कर माँझी एकमा तथा माँझी ताजपुर सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया। बाद में जुलूस की शक्ल में पहुँचे कार्यकताओं ने माँझी चट्टी के समीप भी सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। वही दाउदपुर में अम्बेडकर युवा जन मोर्चा के कार्यकताओं ने छपरा-सीवान मुख्य मार्ग के दाउदपुर चट्टी के समीप सड़क जाम कर दिया। झंडा बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसी एसटी आरक्षण में किए गए वर्गीकरण खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। और इसे वापस करने की मांग की। सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने वालों में सुरेश प्रभु, मनोज आजाद ,शशिकांत चौधरी ,सुरेंद्र शाह,सरयू प्रधान ,साहिल सम्राट आदि लोग शामिल थे। आंदोलन का नेतृत्व बहुजन समाज के प्रदेश कार्यकारिणी का मेंबर लक्ष्मण मांझी कर रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

निमार्णाधीन उच्च विद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

आरा। बुधवार को कोईलवर पहुंचे जिलाधिकारी राजकुमार ने निमार्णाधीन तारामणि भगवान साह उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। स्थानीय पत्रकारो की निर्माण में देरी और गुणवत्ता की कमी की शिकायत पर दोपहर साढ़े 12 बजे निर्माण स्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी राजकुमार ने एसडीएम के साथ स्कूल का निर्माण देखा।औचक निरीक्षण के दौरान काम बंद देख वे बिफर पड़े और वहां के गार्ड से इसकी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ही उन्होंने ठेकेदार को फोन कर जमकर फटकार लगाई और हर हाल में गुरुवार को डीएम कार्यालय में उपस्थित होने का आदेश दिया।इस दौरान उन्होने कहा कि निमार्णाधीन उच्च विद्यालय को पूर्ण कराना उनकी प्राथमिकता में है। वे इसे भव्य और अद्वितीय बनवाना चाहते हैं।इसके लिए हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। ठेकेदार द्वारा कार्य में कोताही कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा।गुणवत्ता के साथ छेड़छाड़ करने पर संवेदक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

भारत बंद के दौरान डीएम की गाड़ी फंसी

आरा। सुप्रीम कोर्ट के रउ-रळ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के खिलाफ दलित संगठनों की ओर से बुधवार को भारत बंद बुलाया गया था इसका असर कोइलवर में भी देखने को मिला। बुधवार 21 जून को आहूत भारत बंद का प्रखण्ड में मिला जुला असर रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कोईलवर और चांदी में सड़क जाम कर अपना विरोध प्रकट किया।जाम को लेकर कोईलवर गीधा और चांदी पुलिस ने एहतियातन अपनी ओर से पूरी चौकस दिखी। चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।साथ ही गश्ती दल के साथ डायल 112 भी सक्रिय दिखी।इसी बीच विभागीय छापेमारी में कोईलवर पहुंचे जिलाधिकारी और एसडीएम की गाड़ी भी शहीद कपिलदेव चौक पर जाम में फंस गई। माले समर्थित जाम में फंसे जिलाधिकारी के काफिले को निकालने में एसडीएम सीओ और आरओ के पसीने छूट गए।बाद में काफी समझाने के बाद कामरेड विशाल और उनके साथियों ने अधिकारियों की गाड़ियों को जाने दिया।

नेता शैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया सड़क जाम

आरा। अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण के सवाल पर राजद द्वारा सम्पूर्ण समर्थन व भारत बंद को सफल बनाने हेतु निर्देश पर उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु युवा राजद भोजपुर के अध्यक्ष सह दलित नेता शैलेंद्र कुमार के नेतृत्व मे युवा राजद के तमाम पदाधिकारी सुबह सात बजे से रेलवे परिसर आरा सहित शहर चौक,कोर्ट को शांतिपूर्ण बंद कराए। वही युवा राजद भोजपुर के अध्यक्ष सह दलित नेता शैलेंद्र कुमार ने बताया की मोदी सरकार ने आरक्षण को खत्म करने का सुनियोजित साजिश रचा और माननीय न्यायालय के गोद मे पाला फेका। वही श्री शैलेंद्र कुमार ने कहा की माननीय न्यायालय को अपने दिए गए आदेश को वापस लेना चाहिए हम न्यायालय से आग्रह करते है। वही प्रधान महासचिव रजनीश यादव ने बताया की माननीय न्यायालय का आदेश एक कानून बन जाता है और कानून को मौखिक रूप से कह देने से खत्म नही होता। मोदी सरकार से आग्रह करना चाहते है कि आपकी सरकार है आप सदन मे अध्यादेश लाओ और कानून को निरस्त करे।

वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एक व्यापक मॉक ड्रिल का किया गया आयोजन

गया। बोधगया के महाबोधी सांस्कृतिक केंद्र में बुधवार को आतंकी घुसने की सूचना मिलते हीं बिहार एटीएस और एनएसजी कमांडो दौड़ते दिखाई देने लगे।कन्वेंशन सेंटर की घेराबंदी कर तैयार प्लान के तहत कार्रवाई शुरु की जाती है। वहीं मेडिकल टीम और डॉग स्क्वायड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच जाती है।एटीएस और एनएसजी कमांडो को दौड़ते देख कुछ देर के लिए लोग सहम जाते है। एटीएस और एनएसजी कमांडो के द्वारा कार्रवाई की जाती है।तभी दोनो ओर से फायरिंग की जाती है।जिसमे कुछ लोग घायल हो जाते है और कुछ आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया जाता है।उसके बाद अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो के द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।यह एटीएस, एनएसजी और गया पुलिस के जवानों के द्वारा आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने का मॉक ड्रिल था।वर्ष 2013 में महाबोधी मंदिर सहित बोधगया में अलग अलग 10 स्थानों पर 10 सीरियल बम ब्लास्ट की घटना हुई थी।जिसके बाद गया पुलिस और पुलिस मुख्यालय के द्वारा महाबोधी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है।

आरक्षण बचाओ संविधान बचाओ संघर्ष मोर्चा द्वारा भारत बंद को लेकर किया गया प्रदर्शन

रोहतास के डेहरी शहर में बन्द का दिखा असर प्रदर्शनकारियों ने डेहरी शहर को कराया बंद

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास (बिहार)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के विरोध में आज विभिन्न संगठनों के द्वारा भारत बन्द का ऐलान किया गया था।

जिसका असर रोहतास जिले के देहरी में भी देखा गया आरक्षण बचाओ संविधान बचाओ संघर्ष मोर्चा के हजारों कार्यकताओं ने डेहरी शहर को पूरी तरह से बंद कराया एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध किया इसके साथ ही केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मोर्च कि

जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण यानी कोटे में कोटा का उपवर्गीकरण एवं क्रिमीलियर लागू करने का आदेश दिया गया है वो पूर्णतः असंवैधानिक है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वर्तमान भारत सरकार के इशारे पर भारतीय संविधान में छेड़छाड़ करने की कोशिश की जा रही है। अंग्रेजो के नक्शे कदम पर भारत सरकार चल रही है फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाई जा रही है इसलिये हमें वर्गीकरण में बाँटकर अनुसूचित जाति-जनजाति में भेदभाव कराकार हमारी एकता को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। इसीलिए हम एससी-एसटी के सभी लोग इनके बहकावे में नहीं आएंगे और सभी लोग एकजुट होकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पुरजोर विरोध करेंगे। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

आरा में रेलवे ट्रैक से लेकर बस स्टैंड तक प्रदर्शन, जमकर किया बवाल

प्रात : किरण संवाददाता

आरा:भोजपुर में दिखा भारत बंद का असर इसके अलावे कोईलवर में भी सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया आरा में भारत बंद का व्यापक असर देखने को मिला प्रदर्शनकारियों ने रेल से लेकर सड़क मार्ग तक जामकर यातायात को बाधित कर दिया। भारत बंद को सफल बनाने के लिए आरा शहर के प्राइवेट बस स्टैंड से लेकर रेलवे ट्रैक पर भी विरोध-प्रदर्शन किया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने नवादा, बड़ी मठिया, शिवगंज, जेल रोड, गोपाली कुआं, टाउन थाना होकर आरा सिविल कोर्ट के बाद अंबेडकर चौक के पास त्रिमुहानी जाम कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने शहर में खुली दुकानों को बंद कराया।

वहीं, प्रदर्शनकारियों की वजह से सीजेएम की गाड़ी के रूट को बदलकर दूसरे रूट से कोर्ट जाना पड़ा। इस प्रदर्शन में लोजपा (रामविलास) की पार्टी ने भी समर्थन किया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर जमकर नारेबाजी की। पुरे आरा शहर में चौक चौराहे पर पुलिस बल तैनात किया गया था

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमिरा में किया गया प्रसव कार्य का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमिरा में प्रसव कार्य का शुभारंभ किया गया। प्रसव कक्ष और नवनिर्मित वार्डो का उद्घाटन स्थानिय जिला पार्षद धनंजय यादव और मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से किया।

ज्ञातव्य हो कि भोजपुर जिला परिषद के प्रस्ताव पर जमिरा में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिये ध्येय भवन का निर्माण हुआ था जिसमें आज से प्रसव कार्य संपन्न होना संभव हो गया है। उक्त अवसर पर धनंजय यादव ने कहा कि प्रसव कार्य के शुभारंभ होनें से जमिरा गांव और इसके आस-पास के गांवों में महिलाओं की एक बहुत बड़ी आबादी को बहुत लाभ मिलेगा। अब उन्हें इसके लिये आरा सदर अस्पताल जानें की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रसव कार्य के शुरूआत के साथ ही साथ नवजात शिशुओं के टीकाकरण और देखभाल की

व्यवस्था भी उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होनें कहा कि बहुत जल्द इस अस्पताल की चहारदिवारी का निर्माण भी कराया जायेगा और आवश्यकतानुसार इसकी मरम्मती भी करायी जायेगी। उन्होनें जिला पदाधिकारी से इस अस्पताल के तत्काल एक एम्बुलेंस की मांग भी किया। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि जमिरा पंचायत के जमिरा-अलीपुर हाई स्कूल जिसका भवन धिरे-धिरे जर्जर हो रहा था निरंतर प्रयास करते हुये उसकी मरम्मती कराते हुये उसमें शिक्षण कार्य का भी शुभारंभ करा दिये हैं आगे इस विद्यालय के एक एकड़ जमिन का भी चहारदिवारी निर्माण कराया जायेगा जिसके लिये लगातार प्रयास कर रहा हूं। इसके सिवाय जमिरा गांव को आस-पास के सभी गांवों से सड़कों से जोड़नें की दिशा में भी प्रयास कर रहा हूं।जिसके लिये न्ये सड़कों के निर्माण की योजनायें चयनित कर ली गयीं हैं बरसात के मौसम के बाद इनके सर्वे का कार्य संपन्न हो जायेगा। प्रसव कार्य के शुभारंभ होनें से ग्रामिणों विशेषकर महिलाओं में काफी हर्ष का वातावरण है। उक्त अवसर पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, अति प्रा स्वा केंद्र के चिकित्सक, एक एन एम और अन्य मेडिकल स्टाफ सहित गांव के बहुत सारे बुद्धिजीवी और जागरूक नौजवान साथी सुरेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, बुटेश्वर यादव उर्फ पिंटू यादव, चंदन यादव, लल्लू यादव, शंकर यादव, अमरजीत यादव, दीपक पाल, और भारी संख्या में महिलायें भी उपस्थित थी।

राजस्व कर्मियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर डीएम का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर अंचल कार्यालय से अलग अपना प्राइवेट कार्यालय चलना राजस्व कर्मियों को भारी पड़ गया। बुधवार को डीएम राजकुमार ने खुद कोईलवर पहुंच राजस्व कर्मी के आवासीय कार्यालय और अंचल स्थित कार्यालय में छापेमारी कर दी। डीएम के इस तरह अप्रत्याशित रूप से छापेमारी से राजस्व कर्मियों में हड़कंप मच गया और वे अपना मोबाइल बन्द कर आवास और कार्यालय छोड़ फरार हो गए। राजस्व कर्मियों की मनमानी और अंचल कार्यालय से बाहर प्राइवेट कार्यालय चलाने की शिकायत के बाद जिलाधिकारी राजकुमार एसडीएम सदर, बीडीओ, सीओ, आरओ को साथ लेकर बुधवार को कोईलवर पहुंचे। आते ही उन्होंने राजस्व कर्मी के किराए के मकान पर छापेमारी कर दी गाड़ी से उतरते ही उन्होंने कुल्हड़िया पंचायत के राजस्वकर्मी हरेंद्र सिंह को खोजना

शुरू किया।वह कोईलवर पीएनबी के समीप ही किराए के मकान में रहता है और अधिकांश समय वहीं से अपना कामकाज निपटाता है। तकरीबन 45 मिनट तक वहां उसका इंतजार करने के बाद जिलाधिकारी ने उसके किराए वाले आवास पर रखे कागजातों को जब्त करते हुए उसका कमरा सील कर दिया। छापेमारी के दौरान ही उन्होंने राजस्वकर्मी हरेंद्र सिंह को बुलवाया लेकिन वह फोन बंद कर फरार हो गया। प्राइवेट कार्यालय को सील करने के बाद जिलाधिकारी लाव लश्कर के साथ अंचल कार्यालय पहुंचे और सीधा राजस्व कर्मी हरेंद्र सिंह के हल्का कार्यालय में जा पहुंचे। वहां ताला बंद देख उसे खुलवाया और अंदर के कमरे में रखे एक एक फाइल को बारीकी से देखा।

तकरीबन दस मिनट तक जांच पड़ताल करने के बाद हरेंद्र सिंह के बक्से और उसके कार्यालय को भी सील करने का आदेश दिया। इधर हरेंद्र सिंह को खोजने में लगी कोईलवर पुलिस को उन्होंने उसे खोजकर 24 घण्टे में जिलाधिकारी कार्यालय में उपस्थित करने का आदेश दिया। इन छापेमारी के सबंध में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि कोईलवर अंचल में कार्यरत कुल्हड़िया हल्का के राजस्वकर्मी के खिलाफ व्यापक शिकायत मिल रही थी। उसी सन्दर्भ में बुधवार को उनके प्राइवेट आवास सह कार्यालय एवं अंचल के हल्का कार्यालय में मेरे और एसडीएम द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान वे गायब पाए गए और उनका फोन भी बंद पाया गया है। इस दौरान उनके प्राइवेट और अंचल परिसर स्थित कार्यालय को सील कर दिया गया है। जैसे ही वे आएंगे उनके सामने कार्यालय और वहां रखे बक्से को खोला जाएगा और उसकी विधिवत जांच की जाएगी। जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर दोषी कर्मी पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सीओ प्रियंका कुमारी, बीडीओ वीरबहादुर पाठक, आरओ राजभूषण सिंह समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी और दलबल मौजूद रहे।

सावन खत्म होने के साथ ही नॉनवेज की मांग बढ़ी

कोइलवर चौक पर मछली खरीदने के लिए उमड़ी भीड़

आरा। सावन के खत्म होने के साथ ही नॉनवेज की डिमांड बढ़ गई है। नॉनवेज दुकानदारों की माने तो सावन होने के कारण नॉनवेज की डिमांड करीब पचास फीसदी तक कम हो गई थी। हालांकि सावन खत्म होने के बाद एक बार फिर डिमांड बढ़ने लगी है। इसी कड़ी में भोजपुर में सावन के खत्म होने के साथ ही बुधवार को मछली-चिकन और मटन की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। जिले के कोइलवर सोन नदी का मछली खाने वाले व चिकेन के चहेते लोगों की भारी भीड़ सुबह से मछली मंडी में उमड़ पड़ी जो देर शाम तक चलता रहा। बुधवार को चिकन 200 रुपये प्रतिकिलो, सोन नदी की मछली 300 से 400 रुपये प्रति किलो बिकी वहीं बर्फ वाली मछली 200 रुपये प्रति

किलो बाजारों में बिकी। जबकि मटन 700 रुपये प्रतिकिलो से लेकर 750 रुपये प्रति किलो लोगों ने खरीददारी की। अकेले कोइलवर प्रखंड की बात करें तो मछली करीब 2-3 क्विंटल, चिकेन करीब 10 क्विंटल, मटन 2 क्विंटल बिका। अगर जिले की बात करें तो औसतन करीब 200 क्विंटल चिकेन, 40 क्विंटल मछली और 30 क्विंटल मटन की बिक्री हुई। दुकानों पर भीड़ इतनी रही कि लोगों को मछली, चिकेन खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ा। सावन खत्म होते ही शहर में मटन, चिकेन व मछली की मांग बढ़ गयी है। चिकेन के दुकानदार गुड्डू ने बताया कि सावन के दौरान चिकेन कि बिक्री काफी कम हो गई थी। दाम में भी करीब 50 रुपये तक की कमी थी, लेकिन सावन खत्म होने के साथ ही दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी है। बुधवार को लोगों ने जमकर चिकेन की खरीददारी की। वहीं मछली विक्रेता बिरजू में बताया कि कोइलवर प्रखंड में करीब 10 क्विंटल मछली की बिक्री हुई। उधर, अंडा कारोबारी इरसाद ने बताया कि वो कई होटलों में अंडा सप्लाई करते हैं। सावन के दौरान ऑर्डर पचास फीसदी तक कम हो गया था। वहीं, अब ऑर्डर फिर बढ़ने लगे हैं। इससे उनके चेहरे पर एक बार फिर से खुशी है।

जिलांतर्गत संचालित होने वाले सभी आवासीय छात्रावासों में बंपर रिक्तियां :उप विकास आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। उप विकास आयुक्त भोजपुर के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में मीडिया कॉन्फ्रेंस (प्रेस वार्ता) आयोजित किया गया। जिसमे जिलांतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय छात्रावास, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण छात्रावास और अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास के आवंटन, वर्तमान आवासित रिक्तियों एवं छात्रावास की व्यवस्था के बारे में जानकारी मीडिया कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिया गया गया।उप विकास आयुक्त ने कहा कि वर्तमान समय वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास जो जिले में दो है 1अन्य

पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास जीरो माइल आरा, 2 जननायक कपूरी ठाकुर छात्रावास धनुपरा इन दोनों छात्रावास में अभी कुल 149 रिक्त है। जिसके लिए प्रवेशिकोतर कक्षाओं में अध्यनरत छात्रों के नामांकन हेतु दिनांक 14 8.2024 से दिनांक 29.8.2024 के अपहरण 5:00 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है। अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास के तहत डॉ अब्दुल अलीम अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास मझौआ, आरा में जो संचालित हो रहा है उसमें कुल 92 छात्रों की अवसान की सुविधा है वर्तमान में इसमें कुल 35 छात्र आवासित है जो की 57रिक्त है, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण छात्रावास में जिले में कुल 249 सीटे रिक्त है जिसमे 8 महिला कल्याण छात्रावास जो महिला कॉलेज में संचालित होता ओ रिक्त है। शेष 241 रिक्तियां जिले के विभिन्न कल्याण छात्रावास में रिक्त हैं। और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जिले के 14 प्रखंडों में संचालित किया जा रहा है जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं बीपीएल समुदाय की बालिकाओं का नामांकन किया जाता है जो इस वर्ष सितंबर 2024 तक किया जाएगा।

नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में एक बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा भोजपुर 400 साल पुरानी संस्था नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में जगदीश बाबू का गोला पुरानी अदालत पड़ाव मोड पर प्रधान कार्यालय में समिति के सदस्यों द्वारा रामलीला को सफल बनाने के लिए एक बैठक किया गया समिति के सदस्यों के द्वारा अपना-अपना विचार प्रकट किया गया और सब के सहमति से पुरानी कमेटी को भंग कर दिया गया और सभी पदाधिकारी पदरहित इस संस्था को अपनी सेवा प्रदान करेंगे प्रधान कार्यालय स्वर्गीय जगदीश बाबू का गोला पुरानी अदालत पड़ाव में सभी सदस्यों द्वारा यह फैसला लिया गया, समिति के सदस्यों में उपस्थित

लोगों में महंत श्री रामकिंकर दास जी, रामजी प्रसाद, दिलीप कुमार गुप्ता, शंभू नाथ प्रसाद, निर्मल जी, मदन प्रसाद, शंभूनाथ केसरी, संजीव गुप्ता, पंकज प्रभाकर, अश्वनी कुमार, सनी शाहबादी, गौतम उर्फ. राजा, अनिल कुमार केसरी, रंजन जी और अमित राज शामिल थे।

मोदी सरकार आरक्षण को खत्म करना चाहती है : माले

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरक्षण का वर्गीकरण करने, दलितों में फूट डालने के खिलाफ, दलितों के सबसे कमजोर हिस्से के विकास की गारंटी करने के सवाल पर आज 21 अगस्त को भारत बंद के भाकपा-माले ने बस स्टैंड आरा में सुबह से ही सड़क जाम किया गया।भारत बंद के दौरान भाकपा-माले के नेता व कार्यकताओं ने पूरे ज़िले में भर में जगह-जगह सड़क पर उतर कर जुलूस निकाल कर सड़क जाम किया।भाकपा-माले कार्यकताओं ने आज सुबह से ही सड़क जाम करने के बाद जुलुस निकाला अम्बेडकर चौक भी महागठबंधन के मिलकर सड़क जाम किया।भारत बंद के दौरान आइसा ने रानी कमलापति समर स्पेशल ट्रेन को एक घंटा रोककर

वहां आयोजित किया।सड़क जाम इस दौरान भाकपा-माले कार्यकताओं जमकर नारेबाजी की!

सड़क जाम को सम्बोधित माले नेताओं ने कहा कि देश में मोदी द्वारा हमेशा आरक्षण को खत्म करने की कोशिश रही है और इस बार सुप्रीम कोर्ट के बहाने आरक्षण का वर्गीकरण करके दलितों के बीच विभाजन करना चाहती है।जब संविधान में दलितों के लिए आरक्षण को आर्थिक आधार नहीं बनाया गया है जबकि यह मोदी सरकार लगातार आरक्षण को खत्म करने पर तुली हुई है जो इस देश के दलित इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।आगे माले नेताओं कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दलितों के बीच क्रिमिलेयर कानून को मोदी सरकार अध्यादेश लाकर वापस करे नहीं तो इससे भी बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा।भारत बंद में भाकपा-माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य राजू यादव, आरा मुफ्फसिल प्रखंड सचिव विजय ओझा, नगर सचिव सुधीर सिंह, राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, आइसा राज्य सचिव शब्बीर कुमार, जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, जिला कमेटी सदस्य राजनाथ राम, आइसा जिला सचिव विकास कुमार, नगर कमेटी सदस्य सुरेश पासवान, संतविलास राम, राजू प्रसाद, छोटे लाल सिंह अवधेश पासवान, आइसा नेता रौशन कुशवाहा, सागर कुमार, जयशंकर कुमार, सियाकांत बैठा, राजन कुमार, गोल्डेन कुमार, लव-कुश कुमार, सुरेन्द्र पासवान, बबन शर्मा, मुन्ना कुमार, संजीव कुमार, हिरोज कुमार, सरीन कुमार, संजीत पासवान, लालजी शर्मा आदि कई लोग शामिल थे!

ओबीसी मोर्चा शहिद रामफल मंडल का शहादत दिवस कल

भोजपुर। कोईलवर प्रखंड के गीधा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीरमपुर गांव के एक निजी भवन में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ने एक अहम बैठक किया। मिली जानकारी के अनुसार दिन बुधवार को ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ऋतुराज के नेतृत्व में यह बैठक किया गया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के तत्वाधान मे 23 अगस्त को पटना में एसके मेमोरियल सभागार में शहिद रामफल मंडल का शहादत दिवस मनाया जाएगा,इसे लेकर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा कार्यकताओं के साथ एक अहम बैठक हुआ, जिसकी अध्यक्षता ऋतुराज ने किया वहीं बैठक में 23 अगस्त को भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता विभिन्न वाहनों के द्वारा अधिक से अधिक हजारों हजार भाजपाई कार्यकर्ता शहिद रामफल मंडल के शहादत दिवस में शामिल होगें।

संविधान और आरक्षण के रक्षक है नरेंद्र मोदी: राजेश्वर पासवान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लोजपा रामविलास भोजपुर द्वारा आरा के श्री टोला में प्रेस वार्ता करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग से लेटरल एंट्री के माध्यम से सीधे भर्ती का विज्ञापन का विरोध जैसे ही लोजपा रामविलास सुप्रीमो चिराग पासवान ने की तथा अपना सुझाव प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को दी कि इस नियमवाली से भारत के सभी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, पिछड़ा अति पिछड़ा सहित मेधावी लोगो को इस लाभ से वंचित रहना पड़ेगा, यह न्याय प्रिय लोगो के खिलाफ है। प्रधान मंत्री जी संघ लोक सेवा आयोग का उस विज्ञापन पर रोक लगा दी जिसे सीधे बहाली की प्रक्रिया थी। राजेश्वर पासवान ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी संविधान के रक्षक और आरक्षण के पक्षधर है देश के दलितों शोषितों, वंचितों के

मसीहा है,वे कहते नही करते है। पूरे देश में विपक्षियों द्वारा एनडीए सरकार के खिलाफ अफवाह फैलाया गया कि नरेंद्र मोदी जी लोक सभा में चार सौ से पार सीट लायेंगे तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण बदल देंगे।मैं उन विपक्षियों से कहना चाहता हु कि नरेंद्र मोदी जी पिछले बार पूर्ण बहुत में थे फिर क्या आरक्षण समाप्त हो गया?संविधान बदल गया? विपक्ष पार्टियां भोली भाली जनता को गुमराह कर रही है।

दूसरे तरफ विगत दिन माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति/जन जाति में ही उपवर्ग कर लाभ देने का सुझाव राज्य सरकारें को दिया गया था जिसे हमारे नेता चिराग पासवान ने आपत्ति जताते हुए भारत का संविधान का हवाला देते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय से पुर्नविचार करने का आग्रह किया था। प्रधान मंत्री जी ने भी कैबिनेट के माध्यम से अनुसूचित जाति/जनजाति में उप वर्ग बनाने का माननीय सर्वोच्च न्यायलय द्वारा दिए गए सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि यह विधि सम्मत नही है, संविधान में कही इस तरह का वर्णन नही है। आगे श्री पासवान ने भारत बंद पर सभी दलों के समर्थन के सवाल का जबाब देते हुए कहा कि देश के अनुसूचित जाति/जन जाति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के उस व्यान के खिलाफ थे और चट्टानी एकता के साथ भारत बंद को सफल बनाया कुछ राजनीतिक पार्टी भारत बंद के नाम पर अपनी रोटियां सेकना शुरू किए थे जिसे जनता ने नकार दिया। लोजपा रामविलास भोजपुर ने माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवम लोजपा सुप्रीमो श्री चिराग पासवान जी का आभार प्रकट किया है। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान के साथ, मनोज पासवान, मनीष बुचीली, सुरेंद्र आजाद, संतोष पासवान,, ललन यादव, अधिवक्ता धीरज कुमार, कुंवर उपेंद्र सिंह, छात्र नेता विकास सिंह, रामजी प्रसाद, राजेश साहू, प्रमोद पासवान, संजय प्रसाद, प्रकाश कुमार, रंजित पासवान आदि दर्जनों लोजपा नेता शामिल थे।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण एवं विचार गोष्ठी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भिखारी ठाकुर सांस्कृतिक मंच पर स्थापित भारत रत्न शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की प्रतिमा पर सामूहिक माल्यार्पण के पश्चात उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। अवसर था खां साहब की पुण्यतिथि का। कार्यक्रम का संचालन भिखारी ठाकुर सामाजिक शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष पत्रकार नरेंद्र सिंह ने किया। भिखारी ठाकुर सामाजिक शोध संस्थान के बैनर तले आयोजित विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ रंगकर्मी चंद्रभूषण पांडे ने कहा की खां साहब अपने नामाकुल अल्लाह/ईश्वर की राह पर चलते अपनी शास्त्रीयता के बल पर राज प्रासदो में सिमटे हुए वाद्य यंत्र शहनाई को विश्वस्तर तक पहुंचाया।जिस बल पर इस महान भोजपुरिया ने भारत रत्न प्राप्त किया जो अनुकरणीय है।हमारी पीढ़ी को इस वाद्ययंत्र शहनाई वादन को संरक्षित करने पर भी विचार करना चाहिए। सीनियर सिटीजन एंड वेलफेयर के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा की खां साहब 1916 से 2006 तक शहनाई को कई तरह से ख्याति प्राप्त कराया।इस परंपरा को उनके परिवार के लोग आज भी समाज के बीच प्रस्तुत कर समाज को लाभांवित कर रहे हैं। मनोचिकित्सक डॉ अरविंद राय ने उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की वे आजीवन शहनाई वादन का कार्य मंदिरो और मस्जिदों में शोध कार्य के रूप में करते रहे। इसलिए इनकी जन्मतिथि हो या पुण्यतिथि उक्त अवसरों पर शहनाई वादकों की प्रतियोगिता आयोजित किया जाना चाहिए ताकि अब की पीढ़ी का रुझान इस ओर ज्यादा से ज्यादा हो सकें। माल्यार्पण सह विचार गोष्ठी कार्यक्रम में उमेश कुमार सुमन, हरेराम सिंह, दिनेश मिस्त्री, गांधी जी, गौतम कुमार आदि ने अपनी अपनी सहभागिता निभाई।

पितृपक्ष मेला की सुरक्षा को लेकर तैयार है जिला आपदा विभाग : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। 17 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले को लेकर जिला आपदा विभाग ने श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा नीति तैयार कर ली है। पितृपक्ष मेला के अवसर पर लाखों लाख की संख्या में पिंडदानी गया जी आते हैं। चुकी यहां कर्मकांड पिंडदानी द्वारा फल्गु नदी, विभिन्न तलाबों, सरोवरों में किया जाता है। उसनभी सरोवरों एव नदी में उनकी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है ताकि कोई अनहोनी या छोटी समस्या भी नहीं हो सके। आपदा विभाग के अनुसार मेला के सुरक्षा के लिए मोटर बोट्स, स्थानीय तैराक और मास्टर ट्रेनर्स, लाइफ गार्ड्स और लाइफ बॉय की व्यवस्था की गई है। पिछले वर्ष पितृपक्ष मेला के दौरान अनेको तीर्थयात्रियों की मदद की गई थी। जिला आपदा विभाग के अंतर्गत कार्यरत एसडीआरएफ टीम अपने 22 जवानों के साथ घाटों पर उपस्थित रहेगी। एसडीआरएफ टीम की मौजूदगी से श्रद्धालुओं के द्वारा पिण्ड दान की क्रिया सुरक्षापूर्वक की जा सकेगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के सुरक्षा हेतु सात मोटर वोर्टस का प्रावधान किया गया है जिन्हें श्रद्धालुओं के पिण्ड दान करने के दौरान डूबने जैसे मामलों में ससमय सुरक्षा और जान बचाने में प्रयोग किया जाएगा। मोटर बोट्स का संचालन भी एसडीआरएफ टीम द्वारा ही किया जाएगा।आपदा प्रबंधन हेतु पर्याप्त संख्या में स्थानीय तैराक और मास्टर ट्रेनर्स भी रहेंगे सक्रिय* आपदा विभाग के अनुसार एसडीआरएफ टीम और मोटर बोट्स के अलावा डूबने जैसे छोटे बड़े मामलों में उनके साथ स्थानीय तैराक और मास्टर ट्रेनर्स भी फिर जायेंगे तैनात। तैराकों को विभिन्न घाटों पर दो पाली में प्रतिदिन रहना होगा उपस्थित जिसकी पुष्टि पितृपक्ष मेला के नोडल पदाधिकारी द्वारा की जाएगी तैराकों की नियुक्ति देव घाट, सूर्य कुण्ड, सीता कुण्ड, बैतरणी सरोवर, ब्रह्मसत सरोवर, रुक्मिणी सरोवर, पिता महेश्वर सरोवर, रामशिला एवं प्रेतशिला पर की जाएगी।एसडीआरएफ टीम के निर्देशन में स्थानीय तैराकों एवं अन्य सुरक्षा सामग्री के द्वारा पितृपक्ष मेला के आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जा रही है।कोशिश है की जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा की गई बैठक के निदेशानुसार इस विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला, जिसमें लाखों की संख्या में तीर्थयात्री गया जी आते हैं, उनके लिए आपदा प्रबंधन की कड़ी एवं विवक रिस्पॉन्स टीम सक्रिय रहेगी एवं सेवा भाव से उनकी सुरक्षा का प्रावधान किया जाएगा। डीएम गया डा० त्यागराजन एसएम ने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान आपदा विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि सभी प्रमुख सरोवरों यथा सूर्यकुंड, अक्षयवट, राम कुंड, गया जी डैम जैसे गहरे पानी वाले स्थलों पर पर्याप्त नाव सहित टीम रख कर पूरी निगरानी रखे। कही कोई घटना होने पर तुरंत रेस्पांस दे। डीएम ने अपर समाहर्ता आपदा एव वरीय उप समाहर्ता आपदा को निर्देश दिया है कि मेला के दौरान लगातार निगरानी रखे।

भारत बंद का गया जिला में पुरी तरह सफल

प्रात : किरण संवाददाता

गया। भारत बंद आंदोलन के तहत बुधवार को भीम सेना व राजद विधायक सतिश कुमार संगठनों के कार्यकताओं के द्वारा गया शहर के विभिन्न जगहों पर सड़क जाम व टायर जला- कर तथा रोड को जाम कर जगह-जगह पर विरोधी प्रदर्शन किया गया है। यातायात को किया गया ठप्प। विधायक राजद सतिश कुमार ने कहा कि एक अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति मे वर्गीकरण का फैसला आया है। क्रिमी लेयर मे जो फैसला आया है उसके खिलाफ मे बहुजन समाज मे काफी आक्रोश है यह जो आरक्षण है वह संविधान सभा की देन है जो छुआ छुत पर आरक्षण मिला था। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिमी लेयर का फैसला दिया है एक ही जाती के लोग जज बन रहे उसपर सुप्रीम कोर्ट चुप्पी साधे हुए है, एक ही जाती के लोग लेटर इंग्लीश से सेक्ट्री बनाए जा रहे है उस पर चुप्पी साधे हुए है। यह फैसला गैर संवैधानिक फैसला आया है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और चिराग पासवान दलाल बनकर बेठे हुए है। और नरेंद्र मोदी की सरकार कोर्ट के सहारे से आरक्षण खत्म करना चाहता है। उसके खिलाफ का भारत के बहुजन समाज भारत बंद का आह्वान किए है अभी ये अगड़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,जितन राम मांझी,चिराग पासवान, नितीश कुमार आप लोग चाहते हैं कि एसी एसटी आरक्षण बरकार रहे तो इसे नौवी सिडूल मे शामिल करवाये ,वर्गीकरण नही चलेगा,आजादी के अनरुप 70% आरक्षण कि मांग की है सुप्रीम कोर्ट की ताना शाही नही चलेगी नारा लगाते एसी एसटी लोगों ने।

युवा रोजगार से जुड़े और नौकरी देने वाला भी बने : प्रकाश पटवा

गया (मानपुर) युवाओं को अपना खुद का काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए 21 अगस्त को विश्व उद्यमिता दिवस मनाया जा रहा है । उद्यमिता दिवस पर मगध बुनकर कल्याण संघ समिति के अध्यक्ष प्रकाश राम पटवा ने बताया कि देश में रोजगार के मतलब को अगर बदलना है तो युवाओं को बताना होगा कि रोजगार का मतलब नौकरी नहीं ,बल्कि अपने खुद के कारोबार प्रोफेशन के जरिए वह न सिर्फ बेहतर कैरियर बना सकता है, बल्कि ज्यादा पैसे भी कमा सकते हैं । साथ ही वह नौकरी देने वाला भी बनेगा। इसके साथ ही हमने बैंकों के अधिकारियों और स्थानीय मैनेजमेंट, रिसर्च से भी मदद लूंगा ताकि युवाओं को प्रैक्टिकल तरीके से उद्यमिता के बारे में बताया जा सके। इस तरह के कार्यक्रम 2 अक्टूबर तक चलना है अगर आगे युवाओं के कुछ सवाल हो तो उनके जवाब विशेषज्ञ देंगे साथी ही यह विशिष्ट लोग स्थानीय होंगे तो युवा कारोबार शुरू करने में उनकी मदद कर सकेंगे, साथ ही बैंकों के अधिकारी उन्हें कारोबार के लिए लोन संबंधी जानकारी भी दे पाएंगे। युवा रोजगार से जुड़े और नौकरी देने वाला भी बने ,देश की आर्थिक स्थिति अच्छी बनाए रखने के लिए उद्योग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और बिहार सरकार को हर क्षेत्र में अधिक सरल और सुविधाजनक योजना कल्याणकारी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए करना होगा बुनकरों को सम्मान के लिए बुनकर संघ की ओर से साथ में वस्त्र उद्योग में लगे एवं अन्य उद्योगों में लगे सभी उद्यमियों को और उसके पहल के पीछे कारोबार को सफल बनाने के लिए निरंतर मेहनत कर रहे सभी कर्मचारियों का सम्मान करता हूं। बुनकर संघ अध्यक्ष गोपाल पटवा, लोचन कुमार दुखन पटवा, मनोज कुमार इत्यादि उपस्थित हुए हैं।

एनएच 82 अन्तर्गत सड़क पर हो रहे निर्माण कार्य में तेजी लाए : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। एनएच-82 अन्तर्गत धुँघड़ीटांड वाईपास मोड़ के पास बीच सड़क पर उप महाप्रबंधक तकनीकी परियोजना कार्यान्वयन ईकाई, एन०एच०-82 द्वारा पुल निर्माण किया जा रहा है एवं सड़क पर गड्ढे बन जाने से काफी लम्बा जाम लग गया था, जिसके कारण वाहनों के आवागमन में काफी बाधा उत्पन्न हुआ है। इसके साथ ही यह भी देखा गया कि कार्य प्रगति काफी धीमी है। डीएम ने अवगत करवाया है कि पितृपक्ष मेला-2024 दिनांक 17.09.24 से 02.10.24 तक प्रस्तावित है। इस अवसर पर लाखों की संख्या में देश-विदेश से तीर्थ यात्री एवं भी आइपी,भी भी आइपी भी पिण्डदान करने हेतु गयाजी आते हैं। ऐसी स्थिति में एन०एच० 82 अन्तर्गत सड़क पर हो रहे निर्माण कार्य में तेजी लाया जाना आवश्यक है। डीएम गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा बीएसआरडीसीएल के अभियंता के साथ समीक्षा लगातार की जा रही है। मैनेजिंग डायरेक्टर एमडी बीएसआरडीसीएल पटना से सभी वस्तु स्थिति से अवगत करवाया गया है साथ ही तेजी से कार्य पूर्ण करवाने का अप्रोच भी किया गया है। 10 सितंबर तक इस सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करवा दिया जाएगा। इसके लिये लगातार कार्यो की निगरानी रही जा रही है।

2 से 30 सितम्बर तक चलेगा मिशन परिवार विकास अभियान

- 14 सितम्बर तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा एवं 17 से 30 सितम्बर तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का होगा आयोजन
- जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु परिवार नियोजन कार्यक्रम की जानकारी आमजन तक पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है : डीसीएम

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) मिशन परिवार विकास अभियान के अन्तर्गत जिले में 2 से 30 सितम्बर तक मिशन परिवार विकास अभियान चलेगा। इसके तहत 2 से 14 सितम्बर तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा एवं 17 से 30 सितम्बर तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा संपादित किया जाना है। इसकी जानकारी जिले के आशा समन्वयक राजेश कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जन समुदाय में जागरूकता उत्पन्न करना, परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी पहुंचाना तथा योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि मिशन परिवार विकास के बेहतर प्रबंधन एवं अन्य विभागों से समन्वय हेतु जिला स्तर पर सिविल सर्जन एवं जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में सम्बद्ध विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारी/ सलाहकार एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी/सलाहकार के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में सम्बद्ध विभाग के पदाधिकारी/ सलाहकार के साथ समन्वय बैठक का आयोजन करने की योजना तैयार की जा रही है।

- दम्पतियों से सम्पर्क करने में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

डीसीएम राजेश कुमार ने बताया कि समुदाय स्तर पर आमजन को उत्प्रेरित करने में आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र आदि की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वे घर घर व सेंटर पर जाकर परिवार नियोजन के बारे में सास-बहू सम्मेलन आयोजित करते हुए, गर्भ निरोधक दवाओं के उपयोग की जानकारी देंगी। इस पखवाड़ा को सफल बनाने हेतु सांसद, विधायक, पंचायती राज संस्था के सदस्य, शहरी स्थानीय निकाय, स्वास्थ्य कर्मी एवं सिविल सोसायटी के सदस्य से उक्त अवधि के दौरान सहयोग लिया जाएगा। जागरूकता हेतु ई-रिक्शा (सारथी) के माध्यम से रूट चार्ट के अनुसार प्रत्येक प्रखंड में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा उपलब्ध कराये गये फ्लेक्स बैनर के माध्यम से भी स्वास्थ्य संस्थान एवं समुदाय में प्रचारित किया जाएगा।

- स्वास्थ्य केन्द्र पर परिवार नियोजन कराने पर मिलेगा आर्थिक लाभ -

पीएसआई के जिला प्रतिनिधि प्रताप कोश्यारी ने बताया कि प्रत्येक माह के 21 तारीख को सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर परिवार नियोजन दिवस का आयोजन किया जाता है एवं कंडोम के साथ ही अन्य गर्भनिरोधक सामग्रियों का वितरण कराया जाता है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी हेतु आमजनों को जागरूक किया जाता है। बंध्याकरण/नसबंदी के गुणवत्तापूर्ण सेवा अंतर्गत परामर्श, चिकित्सीय जाँच, पैथोलॉजी जाँच इत्यादि की निःशुल्क सेवा दी जाती है। लाभार्थी को राशि उनके खाता में हस्तांतरित की जाती है। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अमित अचल ने बताया कि नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए प्रोत्साहन के तौर पर दिए जाने का प्रावधान है। महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए दी जाती है।

समाहरणालय स्थित पालना घर का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने समाहरणालय परिसर स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय,सूचना भवन में संचालित पालना घर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में वहाँ कार्यरत कर्मियों को कई तरह के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वहाँ मौजूद सुविधाओं के बारे में पूछा साथ ही यह भी जाना कि कहीं किसी प्रकार की कोई दिक्कत तो नहीं है। जिलाधिकारी ने कहा कि आप लोगों के लिए जगह उपलब्ध कराई गई है इसलिए इस जगह का समुचित उपयोग आप लोगों को करना चाहिए। जिलाधिकारी ने कर्मियों के बारे में जाना व उनके कार्य से अवगत हुए। वहाँ मौजूद अन्य लोगों को दिशा-निर्देश दिए और उनका हाल चाल जाना। उन्होंने यह भी कहा कि पालना घर का जो बोर्ड ऊपर लगा है उसे नीचे होना चाहिए जिससे की स्पष्ट तौर पर दिखे। जाते-जाते पालना घर के लोगों से उन्होंने ठीक से काम करने के लिए कहा। गौरतलब है कि पालना घर का उद्देश्य उन कर्मचारियों की सहायता करना है जिनके बच्चों की देखभाल के लिए कोई घर पर कार्यालय कार्य अवधि पर नहीं है। ऐसे में वे अपने बच्चों को पालना घर में छोड़कर ऑफि स में काम कर सकते हैं। जब महिला या पुरुष अपने कार्यस्थल पर होते हैं तो पालना घर में उनके छोटे बच्चे की देखभाल किया जाता है। इसके लिए पालना घर में खेलने और खाने की व्यवस्था है। यहाँ के कर्मियों को इसकी प्रशिक्षण भी प्राप्त है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बेतिया अमरकेश डी, विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी अनंत कुमार ,जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कऊउ्र कविता रानी और अन्य आधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

संस्कृत सप्ताह समारोह का हुआ समापन

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय पटना में 14 अगस्त से 20 अगस्त तक चला संस्कृत सप्ताह समारोह का हुआ समापन। एक सप्ताह तक चला संस्कृत सप्ताह समारोह में संस्कृत के महत्त्व पर व्याख्यान, संस्कृत का अध्ययन जीविकोपयोगी, आध्यात्मिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्त्व भारतीयों के जीवन का अभिन्न अंग विषय पर चर्चा हुई। संस्कृत के प्रचार प्रसार हेतु राजकीय संस्कृत महाविद्यालय पटना का इस कदम को लोगों ने सराहा। 14 से 20 अगस्त तक चली संस्कृत सप्ताह समारोह की अवधि में छात्रों के बीच अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें भाषण प्रतियोगिता, चित्र प्रतियोगिता, श्लोक पाठ प्रतियोगिता, सूत्र पाठ प्रतियोगिता, संस्कृत गीत प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, शांति हवन इत्यादि प्रतियोगिताओं आयोजित हुआ। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय पटना में सम्पन्न संस्कृत सप्ताह समारोह में छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। साथ ही छात्रों ने संस्कृत में संस्कृत के महत्त्व पर अपना विचार प्रकट किया। शिक्षकों के द्वारा संस्कृत की उपादेयता विषय पर महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ मनोज कुमार ने किया एवं डॉ ज्योत्सना संयोजिका रही। उक्त अवसर पर प्रो उमेश शर्मा, डॉ ज्योत्सना, डॉ शिवानंद शुक्ल, डॉ विवेकानंद पासवान, डॉ रामप्रवेश पासवान, डॉ विनिता सुप्रिया, विवेक कुमार तिवारी एवं संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा उपस्थित थे। छात्रों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए प्रमाण पत्र वितरित किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह समापन के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

लोक सेवा आयोग लेटरल एंट्री भर्ती प्रक्रिया लोजपा (रा) के पक्षधर नहीं: सत्येन्द्र रंजन

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान एवं प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक राजू तिवारी के निदेर्शानुसार केन्द्र सरकार द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में लेटरल एंट्री के द्वारा भर्ती प्रक्रिया को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिला कार्यालय अरवल में जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन के अध्यक्षता में प्रेसवार्ता आयोजित की गई । प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन ने कहा कि केन्द्र सरकार संघ लोक सेवा आयोग में लेटरल एंट्री भर्ती प्रक्रिया को कभी भी लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास पक्षधर नहीं थी । हमारी पार्टी की मांग थी की कोई भी सरकारी नियूक्तियां आरक्षण के प्रावधानों को ध्यान में रखकर होनी चाहिए । लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के अधक प्रयास से देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर इस प्रकिया को रद्द करने का फैसला लिया गया है , जिसका लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास स्वागत करती है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र के एनडीए सरकार समाज में कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए संकल्पित है , ऐसे में ये फैसला दलितों और पिछड़ों के पक्ष में है । यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है । उक्त फैसला के लिए देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान को बहुत बहुत बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित करता हूं । प्रेसवार्ता में जिला संगठन मंत्री रमेश रजक , अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तौफीक आलम , जिला उपाध्यक्ष नवीन कुमार , नगर अध्यक्ष अखिलेश कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए ।

बार काउंसिल के अध्यक्ष को राज्य सभा सदस्य बनाए जाने पर अधिवक्ताओं में खुशी की लहर

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा जी को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा राज्यसभा उम्मीदवार बनाने पर भाजपा किसान मोर्चा बागवानी प्रकोष्ठ के नूतन नगर कार्यालय में भाजपा नेताओं एवं विधि प्रकोष्ठ के सदस्यों के द्वारा एक दूसरे को मुंह मीठा कराकर और मिठाईया बाँट कर खुशी का इजहार किया इस अवसर पर बागवानी प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ मनीष पंकज मिश्रा एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता के द्वारा बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष सह सर्वोच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा जी को भारतीय जनता पार्टी के बिहार राज्यसभा उम्मीदवार बनने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा यह सम्मान आपके कठिन परिश्रम, समर्पण और समाज सेवा के प्रति आपके अद्वितीय योगदान का प्रतीक है। आपने अपने जीवन में जो मूल्यों और सिद्धांतों का पालन किया है, वह निश्चित रूप से राज्यसभा में आपकी भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बनाएगा।हाइकोर्ट में आपकी विधि और न्याय के क्षेत्र में गहन समझ, तथा समाज के प्रत्येक वर्ग की भलाई के प्रति आपकी प्रतिबद्धता, देश के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हम सभी को आप पर गर्व है और हमें पूर्ण विश्वास और भरोसा है कि आप अपने नए पद पर भी इसी लगन और ईमानदारी से कार्य को निभाएंगे ।। मनन मिश्रा अधिवक्ताओं के क्षेत्र में लोकप्रियता का परचम लहराते हुए लगातार सातवीं बार बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बने हैं। आपके जीवन के इस महत्वपूर्ण सफर में सफलता और समृद्धि की कामना करते हुए, हम सभी आशा करते हैं कि आप राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कार्य में आप एक नए आयाम स्थापित करेंगे। आपके नेतृत्व में राष्ट्र की प्रगति और भी तेजी से होगी। बधाई और शुभकामना देने वालों में डॉ मनीष पंकज मिश्रा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर, नागेंद्र प्रसाद शर्मा अधिवक्ता, एस राजेश आनंद अधिवक्ता प्रदीप कुमार अधिवक्ता कुमारी सुमन सिंह अधिवक्ता अजय कुमार सिंह अधिवक्ता सत्येंद्र सिंह अधिवक्ता, सिंधुभूषण ओझा अंबुज कुमार अधिवक्ता संजीव कुमार अधिवक्ता, निकहत परवीन अधिवक्ता जिला महामंत्री गोपाल प्रसाद यादव,एजाज किवरिया अधिवक्ता सह नोटरी पब्लिक संजय यादव महेश यादव मंटू कुमार बबलू गुप्ता।

प्रियंका ने कहा मैं विश्व सुंदरी के प्रतियोगिता में भाग लूंगी

गया। रांची झारखंड में प्रतिभा की कमी नहीं है इस बात को साबित किया है ।मिस्टर, मिस, मिसेज एंड किड्स वर्ल्ड इंडिया इंटरनेशनल, नैशनल ब्यूटी पेजेंट में ही हिस्सा लेने वाले झारखंड के अलग अलग जगहों से सात प्रतिभागियों ने, जिन्होंने ना केवल फाइनल राउंड में अपना अस्थान बनाया,बल्कि मिस्टर, मिस, मिसेज और किड्स कैटेगरी में विनर हुए हैं। हजारिबाग में ही रहने वाली, प्रिंसी प्रियंका फर्स्ट रनर अप का किताब जीती है। चीफ जूरी में स्टोरी लाइन इंडिया की चीफ एडिटर साधना कुमारी थी। साधना कुमारी का कहना था कि शो के अंतिम छन तक नहीं लगा था की इक बार फिर छोटा शहर कहे जाने वाले रांची के ये प्रतिभागी देश के कोने कोने से आए प्रतिभागियों को पीछा छोड़ते हुए, यू किताब अपने नाम कर लेंगी ।मेरे अलावा भी शो में अन्य फील्ड के भी सात जूरी वहा मेरे साथ मौजूद थे। सभी ने रांची के प्रतिभागियों को खुब सराहा है। खुशी होती है की अपने बच्चे यू देश में अपना नाम रोशन कर रहे है और अपने राज्य का परचम लहरा रहे है। इस तरह के परफॉर्मेंस से अपने आपको गौरवांवित महसूस कर रही हूं। सभी प्रतिभागी भी अपने प्रदर्शन और अपने नाम किताब कर के काफी खुश है ।इस शो में दो सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, सभी कैटेगरी में। रांची झारखंड से प्रोफेशनल कैमरा मैन अरमान अंसारी,रूपेश और फैशन फील्ड से तालुक रखने वाली बोकारो की अंकिता सिंह को गेस्ट मे इन्वाइट किया गया था।

सिपाही भर्ती परीक्षा मे 3000 के विरुद्ध 2287 परीक्षार्थी हुए शामिल

अरवल। जिला मुख्यालय के 05 परीक्षा केन्द्रों यथा- फतेहपुर सण्डा महाविद्यालय अरवल, +2 उच्च विद्यालय उमैराबाद अरवल, जी.ए. उच्च विद्यालय अरवल, बालिका उच्च विद्यालय अरवल, एस.एस.एस.जी.एस. कॉलेज अरवल पर केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) विज्ञापन संख्या 01/2023 अंतर्गत बिहार पुलिस में सिपाही के रिक्त पदों पर चयन हेतु अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा पूर्णतः स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त सम्पन्न कराया गया। आज की परीक्षा में कुल 05 केन्द्रों पर 3000 परीक्षार्थी के विरुद्ध 2287 परीक्षार्थी शामिल हुए। जिला पदाधिकारी द्वारा दण्डाधिकारियों को बारंबार स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु कई माध्यमों से निदेश दिया गया। निदेशों के आलोक में परीक्षा केन्द्रों पर प्रतिनियुक्त सभी दण्डाधिकारी अपने कर्तव्य पर निष्ठापूर्वक तैनात रहे। फलस्वरूप किसी प्रकार की कदाचार की सूचना किसी भी केन्द्र से प्राप्त नहीं हुई है। जिला प्रशासन परीक्षा को कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु कटिबद्ध है एवं इस हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसी प्रकार से शेष चरणों में भी जिला पदाधिकारी के नेतृत्व में स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त परीक्षा सम्पन्न कराई जाएगी।

देर रात लगी भीषण आग

औरंगाबाद। मंगलवार की देर रात शहर के अंदर बाजार अवस्थित चुड़ी गल्ली में मो नईमुद्दीन के श्रृंगार दुकान में शोट सर्किट से अचानक आग लग गई जो सुबह चार बजे तक राख में तब्दील हो गई। रात में ही आए दो दमकल के गाडियां ने सुबह चार बजे तक आग पर काबू पाया तब तक सारा समान जलकर खाक हो गया। दुकान मालिक मो नईमुद्दीन ने बताया कि देर रात दुकान में आग लगने की खबर मिलते हम दुकान पर पहुंचे तब तक आग काफी विकराल रूप धारण कर लिया था। मेरा लाखों का श्रृंगार का समान जलकर राख हो गया यह मेरा जीविकोपार्जन का एक मात्र साधन था। चुड़ी गल्ली में आग लगने के खबर सुनते ही आसपास के दुकानदार किसी बड़ी अनहोनी की आशंका से भयभीत होकर आग बुझाने में लगे रहे। जिनका भय दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा कर समाप्त किया। शोट सर्किट से शहर के प्रतिष्ठान में आग लगी बढ़ गई है।

सिविल कोर्ट बार काउंसिल के दूसरी बार ... चुने जाने पर संजय कुमार सिन्हा हुए सम...

जितेन्द्र कुमार सिन्हा । सिविल कोर्ट वार काउंसिल के दूसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा को बधाई देने वालों की तांता लगा हुआ है। इसी क्रम में लब्ध प्रतिष्ठित समाजसेवी सह पत्रकार अरुण कुमार ने श्री सिन्हा को सम्मानित किया। बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन से संबद्ध समाजसेवी सह पत्रकार अरुण कुमार ने पटना स्थित अपने कार्यालय कक्ष में अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा को बुधवार को आमंत्रित कर उन्हें वार काउंसिल के दूसरी बार अध्यक्ष बनाए जाने पर सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और लेखनी (कलम) दिया। उक्त अवसर पर अरुण कुमार ने उनकी आत्मभरित प्रसंशा की। वहीं अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आपलोगों का स्नेह, प्यार, अधिवक्ताओं का सहयोग से ही दूसरी बार वार काउंसिल का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके लिए उन्होंने सभी अधिवक्ताओं को धन्यवाद कहा है। हुए सम्मानितआज दिनांक 21/08/2024 को श्री अरुण कुमार समाजसेवी एवं श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के सदस्य के द्वारा श्री संजय कुमार सिन्हा को अध्यक्ष पद पर दूसरी बार जीत की बधाई देते हुए शॉल एवं कलम देकर उन्हें सम्मानित किया।

विकसित भारत के निर्माण में केन्द्रीय बुनकर विश्वविद्यालय की स्थापना , आज की जरूरत : गोपाल

प्रात : किरण संवाददाता

गया। देश के प्रधानमंत्री जी समाज के हर वर्ग के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उन्नयन के लिए लगातार प्रयासरत हैं। केन्द्र में स्किल मंत्रालय का गठन, मेड इन इंडिया, स्किल इंडिया आदि विभिन्न नाम से युवाओं के स्किल को बढ़ाने और रोजगार सृजन में उनकी महती भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। हां, अब तक उनको योग्य टीम नहीं मिल सकी , जो उनके सपनों को जमीन पर साकार कर सके । फिर भी इस दिशा में लगातार प्रयास जारी है। इसके संदर्भ में भारतीय वस्त्र उद्योग का बहुत ही गौरवशाली अतीत रहा है, जिसे अंग्रेजों ने बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से छिन्न-भिन्न कर दिया। यद्यपि वह इक्के दुक्के बुनकरों के निजी प्रयास से बचा रह सका । स्वतंत्र भारत में भी देश के नीति निर्धारकों की मनसा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की जगह बड़ी बड़ी मशीनों से कपड़ा तैयार करने पर रही है । इससे अनगिनत बुनकरों की रोजी रोटी छीन गई और हैंडलूम पर काम करने वालों की पहचान मिटती गई है ।अब सरकार का ध्यान हैंडलूम की महत्ता पर गया है और प्रत्येक वर्ष 07 अगस्त को राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस के रूप में मनाया जाना आरंभ किया गया है। राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाना एक सुखद पहल है लेकिन हैंडलूम का भारतीय युवाओं के रोजगार सृजन में भूमिका को बढ़ाने के लिए साल में एक दिन केवल हैंडलूम दिवस मना लेना ही पर्याप्त नहीं है ।आज जरूरत है कि सरकार हैंडलूम से जुड़े और उसके लिए समर्पित लोगों के साथ बैठकर इस विधा के उचित विकास के लिए गंभीर कार्य योजना की रूपरेखा पर चर्चा करे । इसके साथ ही नयी पीढ़ी को इससे जोड़ने के लिए, उनको सम्मानजनक आय और प्रतिष्ठा मिले उसके लिए एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की दिशा में गंभीर पहल करे। केवल भौतिक संसाधन, जमीन, भवन तथा विभिन्न मशीनें उपलब्ध कराना ही नहीं अपितु उसके जो विविध पक्ष हैं उनके सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ को विकसित करने हेतु विशेषज्ञों की समिति बनाकर पाठ्यक्रम तैयार करने की भी अविलम्ब शुरूआत कर देनी चाहिए। क्योंकि भवन निर्माण के समय में पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया भी पूरी हो जानी चाहिए,जो काफी श्रमसाध्य काम है। हर विधा के लिए अलग अलग विशेषज्ञ होंगे और पाठ्यक्रम को तैयार करना, उसमें प्रवेश की पात्रता, उसका शुल्क, उसकी अवधि तथा *उस डिग्री को संबद्ध संख्या यथा यू जी सी आदि से मान्यता की औपचारिकता भी पूरी करानी होगी तभी युवा आकर्षित होंगे। बुनकर विश्वविद्यालय से टेक्सटाइल में अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। युवा बुनकर आत्मनिर्भर होंगे बुनकर विकसित होंगे बिहार विकसित होगा भारत विकसित होगा। गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने प्रधानमंत्री , केंद्रीय वस्त्र मंत्री एवं केंद्रीय एमएसएमई मंत्री से सकारात्मक पहल करने की मांग की है।।

वन अधिकारी ईडीसी वन प्रबंधन समितियों के अध्यक्षों और सचिवों की बैठक संपन्न

बगहा। वीटीआर वन क्षेत्रों के अधिकारी, ईडीसी व वन प्रबंधन के अध्यक्ष और समिति सचिवों की बैठक आयोजित हुई ।इस बैठक में वीटीआर जंगल से सटे गांवो के लोगो को रोजगार मुहैया कराने और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान वन एवम पर्यावरण मंत्री प्रेम कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये वनों के अधिकारियों समेत वन समिति के अध्यक्ष व सचिवों के साथ वार्ता की। वनप्रमण्डल 2 के रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये वन क्षेत्रों और बाहरी क्षेत्रों में 2.19 करोड़ पौधे लगाए गए है और योजना के तहत 5 करोड़ पेड़ और लगाए जाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है ।उन्होंने आगे बताया कि वन से जुड़े लघु उत्पाद से रोजगार उपलब्ध हो इसपर कार्य किया जा रहा है और इन्ही मुद्दों पर माननीय मंत्री जी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये वनों के अधिकारी,डीएफओ,प्रशिक्षु डीएफओ ईडीसी,रेंजर्स,वन विकास समिति अध्यक्ष व सचिवों के साथ वार्ता हुई।

विकसित नवादा के संकल्प में एक कदम और आगे: विवेक ठाकुर

गया ।भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने बताया कि नवादा-जमुई पथ पर नवादा शहर स्थित रेलवे गुमटी पर हर रोज लगने वाली भीषण जाम से जल्द मुक्ति मिलेगी। नवादा स्टेशन के समीप लेवल क्रॉसिंग संख्या 33/बी1 पर आर.ओ.बी. के निर्माण हेतु बिहार सरकार ने राज्यांश के 75.38 करोड़ रुपए एवं रेलवे अंश 99.05 करोड़ रुपए सहित कुल 174.43 करोड़ रुपए के अनुमानित लागत पर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है ।नवादा सांसद ने बताया कि रेल मंत्री ने हमारे आग्रह पर पूर्व में ही आर.ओ.बी. निर्माण हेतु अपनी सहमति दे दी थी। लेकिन बिहार सरकार की अंश राशि पर सहमति लंबित थी। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री से लगातार पिछली दोनों मुलाकात में प्राथमिकता के आधार पर नवादा आर.ओ.बी. के निर्माण हेतु राज्य अंश की राशि पर सहमति देने हेतु आग्रह किया था। आज वह पूर्ण हुआ, इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का इस संवेदनशील निर्णय हेतु समस्त नवादा वासियों की तरफ से हृदय से आभार व्यक्त किया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

09 पिस्तौल और 18 मैगजीन के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार

बरियारपुर(मुंगेर)। बरियारपुर- मुंगेर मुख्यमार्ग पर मस्जिद मोड़ के समीप वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को बड़ी कामयाबी मिला है। बताया जाता है कि पति पत्नी को 9 पिस्टल और 18 मैगजिन के साथ पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिसिया पूछताछ के बाद उनके निशानदेही पर पुलिस ने ऋषि कुण्ड के पहाड़ियों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में निर्मित और अर्द्ध निर्मित हथियारों के साथ अवैध हथियार बनाने का ढेर सारा औजार बरामद किया है। इस मामले में मुंगेर पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुंगेर पुलिस को वाहन चेकिंग के दौरान एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है, पुलिस ने हथियारों कि तस्करी कराते हुए पति पत्नी को गिरफ्तार किया है और उनके पास से एक बैग से नौ पिस्टल और अठारह मैगजिन बरामद किया है। अरविन्द मंडल और उसकी पत्नी प्रीति कुमारी दोनों बरियारपुर थाना क्षेत्र के बंगाली टोला निवासी है। पुलिस के हत्थे चढ़े इन दोनों कि निशानदेही पर पुलिस ने बरियारपुर थाना क्षेत्र के काजीचक गांव निवासी पियूष के घर छापेमारी कर पियूष के घर से भी अर्द्ध निर्मित हथियारों और उसके कल पुर्जों के साथ पियूष कुमार को गिरफ्तार किया है।

अरवल में भारत बंद के समर्थन में विरोध प्रदर्शन व आगजनी

अरवल। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा एससी एसटी कानून के छेड़छाड़ करने के विरोध में अरवल जिला मुख्यालय के भगत सिंह चौक पर एवं प्रखंड स्तरीय भारत बंद समर्थन में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन व आगजनी। जिला मुख्यालय के भगत सिंह चौक पर सुबह 6:30 बजे भारत बंद मे अरवल के भाकपा माले विधायक महानंद सिंह राजद वरिष्ठ नेता लाख पासवान अजय पासवान बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज सिंह यादव लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास का जिला अध्यक्ष सत्येंद्र रंजन राजद नेता उमेश पासवान मोहम्मद शमीम अख्तर एवं अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वापस लोक सभा में विधयक लाकर एससी एसटी के आरक्षण को संविधान के नौ वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए करपी बाजार में भी भारत बंद का दिखा असर। करपी में बसपा नेता सुरजीत सक्सेना के नेतृत्व में भारत बंद का आवाहन किया गया।

मृतक के आश्रितों को सीओ ने दिया चेक

शेरघाटी। प्रखंड क्षेत्र के उचिरवां गांव में बीते एक सप्ताह पूर्व वज्रपात से एक महिला के हुई मौत के बाद बुधवार को शेरघाटी अंचलाधिकारी उषा कुमारी ने मृतक के आश्रित को 4 लाख रुपये का चेक दिया है। अंचलाधिकारी ने बताया कि बीते सप्ताह पूजा कर रही उदय शर्मा की पत्नी आशा देवी की मौत वज्रपात से हो गई थी। जबकि आपदा विभाग के तहत मिलने वाले चार लाख रुपए की राशि दी गई है।

जबलपुर मंडल में एनआई कार्य के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव

हाजीपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के कटनी मुरवारा-बीना रेलखंड के मध्य दमोह स्टेशन पर तीसरी लाइन से जुड़े कार्यहेतु नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण इस रेलखंड पर चलने वाली पूर्व मध्य रेल की कुछ ट्रेनों के परिचालन में निम्नानुसार अस्थायी बदलाव किया गया है:

रद्द की जाने वाली ट्रेनें:

1.09817 कोटा-दानापुर एक्सप्रेस का परिचालन 24 अगस्त, 31 अगस्त एवं 07 सितंबर को रद्द रहेगा।
2.09818 दानापुर-कोटा एक्सप्रेस का परिचालन 25 अगस्त, 01 सितंबर एवं 08 सितंबर को रद्द रहेगा।
3.22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस का परिचालन 28 अगस्त एवं 11 सितंबर को रद्द रहेगा।
4.22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस का परिचालन 29 अगस्त एवं 12 सितंबर को रद्द रहेगा।
5.13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस का परिचालन 09 सितंबर को रद्द रहेगा।
6.13026 भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस का परिचालन 11 सितंबर को रद्द रहेगा।
7.13423 भागलपुर-अजमेर एक्सप्रेस का परिचालन 05 सितंबर एवं 12 सितंबर को रद्द रहेगा।
8.13424 अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस का परिचालन 07 सितंबर एवं 14 सितंबर को रद्द रहेगा।
9.18009 संतरागाछी-अजमेर एक्सप्रेस का परिचालन 30 अगस्त एवं 06 सितंबर को रद्द रहेगा।
10.18010 अजमेर-संतरागाछी एक्सप्रेस का परिचालन 01 सितंबर एवं 08 सितंबर को रद्द रहेगा।
11.09343 डा. अंबेडकर नगर-पटना एक्सप्रेस का परिचालन 29 अगस्त, 05 सितंबर एवं 12 सितंबर को रद्द रहेगा।
12.09344 पटना-डा. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस का परिचालन 30 अगस्त, 06 सितंबर एवं 13 सितंबर को रद्द रहेगा।

भूमि सुधार उप समाहर्ताओं के साथ प्रमंडलीय आयुक्त ने किया समीक्षात्मक बैठक

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर(बिहार)। प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह ने मुंगेर प्रमंडल के सभी जिलों के अपर समाहताओं एवं भूमि सुधार उप समाहताओं के साथ राजस्व, आपदा एवं अन्य संबंधित बिन्दुओं पर समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में आयुक्त के विशेष कार्य पदाधिकारी दिलीप कुमार देव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देवब्रत मिश्रा, प्रशाखा पदाधिकारी, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित है। बैठक में बाढ़ की अद्यतन स्थिति एवं राजस्व संबंधी विभिन्न बिन्दु यथा ओनलाइन दाखिल खारिज, परिर्माजन, एलपीसी, ई भू मापी, भू अतिक्रमण, सैरात, नीलाम पत्र, न्यायालीय मामले आदि की समीक्षा की गयी।आयुक्त ने प्रमंडल के बाढ़ प्रभावित जिलों से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुंगेर अपर समाहर्ता के बताया कि जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मांग के अनुसार नाव उपलब्ध करा दी गयी है। राहत शिविर, सामुदायिक किचन की भी व्यवस्था की गयी है और संबंधित पदाधिकारियों को प्रभारी के रूप में जवाबदेही दी गयी है स्थिति नियंत्रण में है। बेगूसराय अपर समाहर्ता द्वारा जानकारी दी गयी कि पीक समय में 32 नावों का परिचालन कराया गया था।

साहेबपुर कमाल, मटिहानी एवं बछवाड़ा में पानी भरा था अभी स्थिति सामान्य है। निष्क्रमण की जरूरत नहीं पायी गयी। वहीं लखीसराय अपर समाहर्ता द्वारा कहा गया कि पिपरिया के दो गांव प्रभावित हुए थे, स्थिति में सुधार हुआ है। खगड़िया अपर समाहर्ता द्वारा भी बताया गया कि प्रभावित क्षेत्रों में जहां नाव आवश्यकता थी वहां उपलब्ध करा दी गयी है। स्थिति नियंत्रण में है। फसल क्षति के आकलन के लिए कृषि विभाग को निर्देश दिये गये है। आयुक्त ने कहा कि अभी नदियों के जल स्तर में कमी आ रही है अथवा स्थिर है, लेकिन पानी घटता है तो कटाव की स्थिति की संभावना बनी रहती है। ऐसे संभावित कटाव के संवेदनशील बिन्दुओं को चिन्हित कर बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के अभियंताओं से समन्वय बनाकर कटाव के रोकथाम सुनिश्चित कराये। जिला स्तर पर बाढ़ से संबंधित सभी तैयारियों को अभी बरकरार रखें, आवश्यकतानुसार इसका उपयोग करें। आयुक्त ने नलकूप विभाग एवं राजस्व विभाग के पदाधिकारियों के साथ विगत बैठक में निर्देश दिया था कि निजी नलकूप योजना के आवेदनकताओं जिनके द्वारा सहमति प्रदान की गयी है उन्हें इसका लाभ यथाशीघ्र प्रदान करने के क्रम में आपस में समन्वय कर एलपीसी एवं जाति प्रमाण पत्र आदि उपलब्ध कराये। समीक्षा में पाया गया कि बेगूसराय, खगड़िया और मुंगेर जिला में राजस्व विभाग एवं नलकूप विभाग के पदाधिकारियों के बीच समन्वय नहीं होने से अपेक्षित प्रगति नहीं पायी गयी। आयुक्त ने उक्त तीनों जिला के कार्यपालक अभियंता नलकूप प्रमंडल से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। वहीं अधीक्षण अभियंता से भी स्पष्टीकरण पूछने को कहा कि उनके स्तर से अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण नहीं किया गया है, जिसके कारण प्रमंडल अन्तर्गत आंशिक रूप से ही प्रगति पायी गयी। सभी अपर समाहताओं को निर्देश दिया गया कि स्वयं अपने स्तर से सभी अंचलाधिकारियों एवं नलकूप विभाग के अभियंताओं के साथ समीक्षा कर शत प्रतिशत एलपीसी एवं अन्य अभिलेख निर्गत करने की कार्रवाई कराये। ओनलाइन म्युटेशन में जिलावार समीक्षा में निर्देश दिया गया कि 50 प्रतिशत से अधिक आवेदनों के रद्द करने के संबंध में संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी से समीक्षा कर उनके विरूद्ध कार्रवाई करें, निदेश दिया गया कि 35 दिन से अधिक बिना किसी आपत्ति के आवेदन लंबित रहने और 70 दिन के चरण में भी बिना आपत्ति के लंबित रहने के संदर्भ में वैसे राजस्व कर्मचारी को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करे। सबसे अधिक ओनलाईन दाखिल खारिज के लंबित मामले जमुई जिला में पाये जाने पर अपर समाहर्ता को निर्देश दिया गया कि अंचल वार लंबित आवेदनों की सूची तीन दिन में उपलब्ध कराते हुए डिफॉल्टर अंचलाधिकारी को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कार्रवाई करे। साथ ही जमुई जिला के अन्य कई पारा मीटर पर प्रगति असंतोष पाये जाने एवं संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने पर अपर समाहर्ता जमुई से नाराजगी व्यक्त की गयी। आयुक्त को लखीसराय अपर समाहर्ता द्वारा बताया गया कि दाखिल खारिज के आवेदन लंबित रहने के कारण सूर्यगढ़ा और चानन अंचल के अंचलाधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी से स्पष्टीकरण की गयी है। खगड़िया के गोगरी और परवत्ता अंचलाधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जानकारी दी गयी वहीं अपर समाहर्ता बेगूसराय द्वारा बताया गया कि दाखिल खारिज के काफी दिनों तक आवेदन लंबित रहने एक मामले में राजस्व कर्मचारी को निलंबित किया गया। भू लगान की समीक्षा में बड़े बकायेदारों का नाम अंचल प्रखंड एवं पंचायत कार्यालयों में प्रदर्शित कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही वसूली हेतु नीलाम पत्र वाद में दायर करने को कहा गया। सैरात की बंदोबस्ती वसूली की समीक्षा में आयुक्त ने कहा कि जिला स्तर पर सभी सैरातों के दर निर्धारण हेतु प्रमंडल स्तर पर आयुक्त प्राधिकृत है जिसमें संबंधित जिला के जिलाधिकारी भी समिति में सदस्य नामित है।

महिलाओं के साथ हो रहे जघन्य अपराध के खिलाफ कैंडल मार्च

प्रात : किरण ब्यूरो

- राजद नेत्री सरिता राय के नेतृत्व में सैंकड़ों लोग कैंडल मार्च में हुए शामिल

पटना। महिलाएं एवं बच्चियों के साथ हो रहे जघन्य अपराध दुष्कर्म व हत्या के खिलाफ महिला राजद के द्वारा कैंडल मार्च निकला गया। वैशाली जिला के महिला प्रकोष्ठ प्रधान महासचिव सरिता राय के नेतृत्व में हाजीपुर स्टेशन से गांधी चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया। सैंकड़ों लोग कैंडल मार्च में शामिल हुआ। इस मौके पर सरिता राय ने इस तरह के अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। उन्होंने कहा कि देश में संविधान के अनुछेद 14 और 21 के अनुसार महिलाओं को पुरुषों के बराबर समान अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन हमारा समाज अब भी व्यवहार में महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक समझता है। इसी कारण आए दिन महिलाएं घरेलू हिंसा, दहेज हिंसा और यौन हिंसा का शिकार हो रहीं हैं। दोषियों को मौत की सजा का कानून बनने के बाद भी ऐसी घटनाएं कम नहीं हो रहीं हैं। उन्होंने दोषियों को पकड़ने, उन्हें कठोर सजा दिलाने, अस्पतालों और समाज में महिला सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की। कैंडल मार्च में मंजू सिंह एवं बबिता सहित अन्य लोग शामिल हुए।

बाढ़ के पानी में डूबा युवक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। बरियारपुर थाना क्षेत्र के पडिया बाजार निवासी 28 वर्षीय युवक के बाढ के पानी में पाव फिसलने से डुबकर मृत्यु हो गयी। घटना के सम्बन्ध मे बताया जाता है कि 28 वर्षीय रंजीत कुमार तांती ने शायं काल शौच के लिये गायत्री मंदिर के पिछे गया था। जो कि देर रात घर वापस नही आया। इसके बाद परिजनों ने उसे काफी खोजबीन किया। लेकिन उसका कहीं भी कोई आता पता नही चला। नदी किनारे शव को पानी मे तैरते देख इसकी सुचना परिजनों को दिया गया। परिजनो लाश को नदी से निकाल कर इसकी सूचना बरियारपुर थाना को दिया । थाना अध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक राजेश कुमार ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल मुंगेर भेज दिया। इधर थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि प्रथम द्दष्या बाढ के पानी मे डुबने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने तक कोई खुलासा नहीं किया जा सकता है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के याद में किया गया वृक्षारोपण

सोनो जमुई। 21 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व बरिष्ठ नागरिक दिवस के शुभ अवसर पर पर्यावरण भारती द्वारा देव वृक्ष के पौधे लगाये गये । इस उत्साहवर्धक दिवस पर जमुई नगर परिषद अंतर्गत जयशंकर नगर स्थित वीणा आवास के किचन गार्डन में देव वृक्ष आँवला और तुलसी का पौधा पर्यावरण भारती के संस्थापक श्री रामबिलास शांडिल्य , राष्ट्रीय सह सचिव सक्षम के श्री चन्द्र भूषण पाठक , मुंगेर विभाग के सामाजिक समरसता संयोजक प्रो0 रामजीवन साहु के अलावा अनेकों बालकों द्वारा वृक्षारोपन किया गया । इस अवसर पर रामबिलास शांडिल्य ने कहा कि पौधे हमें प्राण वायु आक्सीजन देता है । अतः हर व्यक्ति को प्रति वर्ष दूसरों के लिए नहीं बल्कि अपने लिए वृक्षारोपण करना चाहिए ।

श्रम अधिकार दिवस के मौके पर एक दिवसीय ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर का किया गया आयोजन

लाभुकों को श्रम संसाधन की ओर से दिए गए चेक का जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया वितरण

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर (बिहार)। श्रम अधिकार दिवस के मौके पर बुधवार को आईटीआई कैंपस स्थित संयुक्त श्रम भवन परिसर में एक दिवसीय ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर का अयोजन जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में सभी पंचायतों से श्रमिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आगत अतिथियों एवं श्रमिकों का स्वागत श्रम अधीक्षक द्वारा किया गया।

सभी प्रखंड के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों द्वारा बारी-बारी से श्रम संसाधन विभाग के श्रम पक्ष द्वारा श्रमिकों के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं एवं श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण से संबंधित कानूनों की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गयी। जिलाधिकारी द्वारा भी सभी योजनाओं के बारे में श्रमिकों को विस्तार से जानकारी दी गई। एनजीओ पहचान टीम के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्वागत गान एवं एवं श्रमिकों को प्रेरित करने हेतु गान का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए भी बहुत सारी जन कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। आप सभी इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी श्रम संसाधन विभाग के अधिकारियों से कार्यालय में आकर लें और उन सभी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से भी स्पष्ट कहा कि श्रमिकों को सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं की जानकारी समय समय पर देते रहें। शिविर के माध्यम से भी उन्हें योजनाओं तथा अन्य लाभ संबंधी जानकारी उपलब्ध कराते रहें, ताकि वे उन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम में आये जिला स्तरीय विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा श्रमिकों के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों को कार्यक्रम में रखा गया। उप श्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त, श्रम अधीक्षक एवं सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के द्वारा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं अधिनियमों की जानकारी दी गई एवं उन पर परिचर्चा किया गया। जिला पदाधिकारी , मुंगेर, उप नगर आयुक्त, मुंगेर उप श्रमायुक्त, मुंगेर सहायक श्रमायुक्त, मुंगेर के करकमलों से बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा (संशोधन) योजना, 2024 के लाभुकों को चेक वितरण, विमुक्त बाल श्रमिक को तत्काल सहायता राशि का चेक वितरण, बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजना अन्तर्गत चेक वितरण एवं बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना, 2008 के लाभुकों को चेक वितरण किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन बिक्रम कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, जमालपुर द्वारा किया गया। सत्य प्रकाश, श्रम अधीक्षक, मुंगेर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गयी। इस अवसर पर उप नगर आयुक्त, मुंगेर हेमन्त कुमार, उप श्रमायुक्त, मुंगेर, मो० आफताब आलम, सहायक श्रमायुक्त, मुंगेर, गणेश कुमार झा, एवं श्रम अधीक्षक, मुंगेर, सत्य प्रकाश सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रखंड क्षेत्र में छिटपुट घटनाओं के साथ शांतिपूर्ण से भारत बंद संपन्न हो गया

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर(मुंगेर) ।बुधवार को प्रखंड क्षेत्र में छिटपुट घटनाओं के साथ शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद सम्पन्न हो गया। विदित हो कि संग्रामपुर में भीम आर्मी के आह्वान पर भारत बंद में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष बंद समर्थक शामिल थे। जिसका नेतृत्व पूर्व प्रमुख सुधीर कुमार दास, प्रखंड भीम आर्मी अध्यक्ष सुकेश दास ने संयुक्त रुप से किया। विरोध प्रदर्शन रानी प्रभावती उच्च विद्यालय संग्रामपुर मैदान से चलकर संग्रामपुर बाजार के सभी मार्गो से गुजरते हुए दुकानों को बंद करवा दिया। इस दौरान फल दुकानदार शंकर दास के दुकान पर रखे फल को प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर गिरा दिया। यह देख दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकान स्वतः बंद कर दिया। प्रदर्शनकारियों का काफिला अम्बेडकर चौक पहुंचा।

जहां दुकान बंद कराने के दौरान तोड फोड किया गया। मौके पर पुलिस पहूंच कर प्रदर्शनकारियों को हटाया। तत्पश्चात प्रदर्शनकारियों ने सुलतानगंज देवघर व संग्रामपुर गंगटा मुख्य मार्ग को जाम कर नारेबाजी करने लगे। सडक जाम लगभग एक घंटे रहा। इस संदर्भ में भीम आर्मी अध्यक्ष ने कहा कि एससी/एसटी के आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर लागू करना हमारी आजादी पर हमला है। वहीं पूर्व प्रमुख सुधीर कुमार दास ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के आरक्षण के वर्गीकरण करने व क्रीमीलेयर लागू करना न्याय संगत नहीं है। भारत बंद को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासनिक पदाधिकारी व संग्रामपुर थाना पुलिस ने महती भूमिका निभाई। प्रशासनिक स्तर के बीपीआरओ अमरजीत कुमार सावरी,प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी व एमओ ऋषि कपूर शामिल थे। जबकि पुलिस अवर निरीक्षक सत्यम कुमार, रंजन कुमार रंजन के नेतृत्व में लगातार गश्ती जारी रखा। सीपीआरओ ने बताया कि छिटपुट घटनाओं को छोड़ भारत बंद शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गया ।संग्रामपुर मुंगेर भारत बंद के दौरान सरकारी विधालय,एक दो छोड़ कर सभी प्राइवेट विधालय,बैक,आदि खुले रहे। जब की भारत बंद का असर सिर्फ प्रखंड मुख्यालय सह नगर पंचायत में ही दिखा बांकी अन्य जगह अन्य दिनों की तरह आवागमन भी जारी रहा।

भारत बन्दी को लेकर शेरघाटी में दिखा व्यापक असर

शेरघाटी। देशभर में बुधवार को भारत बंद बुलाया गया इसी बीच शेरघाटी में आरक्षण के मुद्दे का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोला और घंटो सड़क को जाम किया। वहीं जाम कर रहे लोगों को पुलिस काफी समझाने बुझाने में लगी रही बता दे कि बुधवार के सुबह से ही बंद के समर्थन पर लोग प्रदर्शन कर रहे थे और इसी वजह से यातायात भी प्रभावित हो रहा था ऐसे में पुलिस को काफी मशक्कत भी करनी पड़ी ऐसे ही भारत बंदी को लेकर सुबह से ही नेशनल हाईवे पर वाहनों का आवागमन बन्द रहा और बाजार भी बंद दिखे इस बंदी का असर शेरघाटी में मिला-जुला देखने को मिला। जबकि बिहार के कई हिस्सों में भारत बंद का असर सुबह से ही देखना शुरू हो गया था जबकि शेरघाटी समेत अनेक इलाकों में बंद के समर्थन में लोग सड़क पर लाठी डंडे वह नीले रंग का गमछा लेकर जय भीम के नारे के साथ सड़क पर वाहनों को रोकने एवं जाम लगाकर

खड़ा करते हुए नजर आए। इसी बीच शेरघाटी एएसपी डॉक्टर के रामदास ने भी लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया बता दे कि शेरघाटी- चेरकी मुख्य मार्ग दरियापुर के निकट लोगों ने बस बल्ले लगाकर घंटों जाम रखा और हंगामा किया ।ऐसे में छोटे वाहन बड़े वाहन के अलावे अन्य वाहनों का आवागमन बाधित हुआ।

बातचीत के दौरान कई सदस्यों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के पीठ के द्वारा 1 अगस्त को एससी एसटी ओबीसी के रिजर्वेशन में वर्गीकरण करने का फैसला जिस प्रकार से दिया गया है उससे केंद्र सरकार चुप्पी साधी हुई है।

इससे बहुजन समाज के लोग स्वीकार नहीं कर रहे हैं इसी उद्देश्य के साथ एवं मांगों को लेकर भारत बंदी का ऐलान किया गया है।

वही इस बंदी को लेकर एंबुलेंस समेत कई आवश्यक वाहन भी सड़क पर खड़े नजर आए और पुलिस बल भी तैनात किए गए। बता दे की नेशनल हाईवे 2 पर लोगों ने सड़क जाम कर केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोल और आरक्षण के मुद्दे को वापस लेने की बात कही वहीं दूसरी तरफ दरियापुर चेरकी समेत कई जगह पर बंदी का असर देखने को मिला और लोग अपने-अपने दुकान बंद कर घर में दुबके रहे वही इस बंद को लेकर शेरघाटी थाना अध्यक्ष अजीत कुमार एवं अन्य पुलिस बल के लोग भी जगह-जगह पर घूम-घूम कर लोगों को समझाते हुए नजर आए। और जाम हटाते हुए दिखे ताकि लोगो कोई समस्या नही हो सके।

वही इस बंदी का व्यापक असर होने से यात्रियों को आता गवन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा लोग अपने कंधे पर मोटरी लेकर सामान लेकर बस वहां को ढूंढते नजर आए लेकिन बंदी के व्यापक असर होने के कारण लोगों को एक आसान से दूसरे स्थान पर जाने में काफी समस्या हो रही थी राहगीरों ने बताया कि इस बंदी के कारण किसी प्रकार का माल वाहक वाहन वाहन एवं पैसेंजर वहां नहीं मिल रहा है जिससे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में काफी समस्या हो रही है।

काराकाट विधानसभा स्तरीय जदयू कार्यकर्ताओं ने की बैठक

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र बिक्रमगंज के जमोढी पंचायत अंतर्गत बुधवार को सदस्य राज्य परिषद जदयू ,बिहार सह सदस्य राजनीतिक सलाहकार समिति जदयू बिहार की नेत्री अरुणा देवी के धांवा गांव आवास स्थित काराकाट विधानसभा स्तरीय एक दिवसीय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता नजीब अंसारी व संचालन प्रखंड अध्यक्ष संजय वर्मा ने की। मौके पर सभा को संबोधित करते हुए सभी कार्यकताओं ने काराकाट विधानसभा को जदयू पार्टी प्रत्याशी सीट से ही चुनाव लडने की बातें कही। दूसरी तरफ जदयू नेत्री अरुणा देवी ने कहा कि विधानसभा के विभिन्न पंचायत के कार्यकताओं में उत्साह की कमी हो रही है। अगर उत्साह में कमी होगी तो जनता दल यूनाइटेड पार्टी कैसे मजबूत होगी। जिसके लिए पंचायत स्तर से प्रखंड स्तर तक कार्यकताओं को जदयू संगठन के विस्तार के लिए संकल्पित होकर कार्य करना होगा। पंचायत अंतर्गत सभी जदयू अध्यक्ष को महीने में एक से दो बार गांव के हर घर में

जाकर सरकार एवं पार्टियों के बारे में विस्तारपूर्वक लोगों जानकारी देनी चाहिए। ताकि सरकार की उपलब्धियों के बारे में आम जनता तक सूचना पहुंच सके। जदयू प्रखंड अध्यक्ष को भी काराकाट विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायतों का सघन दौरा करना चाहिए। जिससे लोगों में जदयू पार्टी के तरफ रूझान बढ़ेगा और अधिक से अधिक लोग पार्टी से जुड़ सके। जदयू नेत्री ने बैठक तहत उपस्थित सैकड़ों कार्यकताओं को संगठन के मजबूती व विस्तार करने के लिए टिप्स भी दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जब संगठन मजबूत होगी तभी आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों को मात देते हुए विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुनः बिहार को विकसित बनाने उन्हें अवसर देगें।

एसटीएफ टीम ने अवैध विद्युत चोरी में सात लोगों पर दर्ज कराई प्राथमिकी

दिनारा (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गुप्त सुचना के आधार पर एसटीएफ के नेतृत्व में एक जांच दल का गठन कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है । कनीय विद्युत अभियंता दिनारा विकास कुमार के द्वारा बताया गया कि जांच दल द्वारा मीटर बाईपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर पोंगाढ़ी के राज नारायण प्रसाद पर 42 हजार 634, जानकी देवी पर 7 हजार 992, नीलम कुमारी मिश्रा पर 22 हजार 893, कमला देवी पर 16 हजार 124 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है । सभी उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर से पहले तार में कटिंग करके तथा मीटर बाईपास करते हुए अवैध रुप से विद्युत ऊर्जा की चोरी की जा रही थी ।

मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताते चलें कि बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से तार संयोजित कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर ग्राम बीसी कलां के हरिहर यादव पर 17 हजार 084, ग्राम पोंगाढ़ी के जितेंद्र राम पर 15 हजार 228, डॉ गौरीशंकर चौधरी पर 67 हजार 322 रुपये राजस्व की क्षति आकलित करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है । उपरोक्त व्यक्तियों के परिसर में मीटर भी अधिष्ठापित नहीं था तथा बिजली सम्बंधित कागजात की मांग करने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं की गयी । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है । जिसमें उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है । जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है । जांच दल में एसटीएफ के सहायक अभियंता मो परवेज आलम, क्षेत्रीय मानवबल मिस्त्री जितेन्द्र शर्मा, रवि कुमार, खालिद खान, रमेश राय, कृष्णा सिंह सहित अन्य कर्मी मौजूद थे ।

भुनेश्वर बने एनयूजे के अरवल जिलाध्यक्ष व सुजीत महासचिव

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। नेशनलिस्ट यूनियन का जर्नलिस्ट शाखा अरवल का बैठक अरवल के आनंद विहार रेस्टोरेंट में चंद्रभूषण शर्मा के अध्यक्षता में आयोजित की गई इस दौरान संगठन के सदस्यों ने पत्रकारों के समक्ष आ रही तमाम प्रकार की चुनौतियां के संबंध में विस्तार पूर्वक अपनी बातें रखी साथ ही वर्तमान परिवेश में पत्रकारों को किन-किन चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है इन सारे बिंदुओं पर संगठन

के अधिकारियों व सदस्यों ने विस्तार पूर्वक अपनी बातें रखी हालांकि इस दौरान संगठन के नए अधिकारियों का चुनाव भी किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर भुवनेश्वर कुमार, उपाध्यक्ष रामकुमार, महासचिव सुजीत कुमार सोनी, सचिव बैजू कुमार, कोषाध्यक्ष एडवोकेट राधाकांत शर्मा के अलावा 11 सदस्य कार्यकारिणी समिति का भी गठन किया गया जिसमें अजीत कुमार, चंद्रभूषण कुमार, विशेश्वर कुमार, महेंद्र कुमार ,कुंदन कुमार, संजय सोनार ,रंजन कुमार, रणविजय कुमार, पंकज नारायण मिश्रा ,अंजनी कुमार, सुधीर सिंह को शामिल किया गया इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि संगठन के लोगों ने इस उद्देश्य से हमें इस ओहदे पर बिठाया है मैं विश्वास दिलाता हूं कि उनके उद्देश्यों पर पूर्ण रूप से खरा उतरने का प्रयास करूंगा उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों के समक्ष तमाम प्रकार की चुनौतियां आ रही है इन सारी चुनौतियों से निपटने के लिए हम तमाम पत्रकार साथी मिलकर एक नई रणनीति बनाएंगे और इसी रणनीति के तहत एक नए तेवर और नए कलेवर के साथ पत्रकारिता को नए आयाम देने का प्रयास करूंगा उन्होंने कहा कि संगठन के तमाम सदस्यों के लिए मेरे दिल में अपार श्रद्धा है और मैं संगठन के तमाम सदस्यों को हृदय से मुबारकबाद देना चाहता हूं इस मौके पर नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ,पूर्व जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार अमर समेत दर्जनों की संख्या में संगठन के लोग शामिल थे।

सुमित अंतिल की सलाह

पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए। अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतक हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।% पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा। कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी- स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना ??है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।% ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी

को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।

प्रियांश आर्य की शानदार पारी, डीपीएल में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रियांश आर्य की 51 गेंदों में 82 रन की शानदार पारी की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराया। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ध्रुव कौशिक (56) और यश ढुल (52) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने हालांकि आर्य और आयुष बडोनी (42) के बीच 101 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 177 रन बनाकर पांच गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर दिया। आर्य ने 32 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है।

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन) (एजेंसी)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

जय शाह को अब मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, ग्रेग बार्कले की लेंगे जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है। इस फैसले के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

ग्रेग बार्कले का फैसला- ग्रेग बार्कले ने पुष्टि की है कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे। बार्कले ने 2020 में आईसीसी के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था और 2022 में फिर से चुने गए थे।

जय शाह की दावेदारी- जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उनकी दावेदारी की पुष्टि 27 अगस्त तक होगी, जो नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। अगर शाह चुनाव में सफल होते हैं, तो उनका कार्यकाल 1 दिसंबर 2024 से शुरू होगा।

आईसीसी चेयरमैन के चुनाव के नियम- आईसीसी के चुनाव में 16 वोट होते हैं और विजेता के लिए 51त्न साधारण बहुमत आवश्यक होता है। पहले दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती थी।

जय शाह का प्रभाव- शाह आईसीसी के बोर्ड में एक प्रभावशाली सदस्य माने जाते हैं

और वर्तमान में आईसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं। उनके कई सदस्यों के साथ अच्छे संबंध हैं, जो उनकी उम्मीदवारी को मजबूत बनाते हैं।

आयु और पद का समय- यदि जय शाह चेयरमैन बनते हैं, तो वे आईसीसी के इतिहास में सबसे कम उम्र के चेयरमैन हो सकते हैं। उनकी आयु 35 वर्ष होगी और वे बीसीसीआई में अपने सचिव पद पर चार वर्ष और रहेंगे। इसके बाद, उन्हें अक्टूबर 2025 से तीन साल का अनिवार्य ब्रेक (कूलिंग ऑफ अवधि) लेना होगा। आईसीसी चेयरमैन बनने पर जय शाह के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिससे उन्हें वैश्विक क्रिकेट के विकास और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलेगा।

पैरालिंपिक में 8 से 10 स्वर्ण पदकों की उम्मीद, खेलों से पहले पीसीआई उपाध्यक्ष ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के प्रमुख भारतीय पैरालिंपिक समिति के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सांगवान ने कहा कि इस बार आठ से दस स्वर्ण पदकों सहित कम से कम 25-30 पदकों का लक्ष्य है। पेरिस ओलंपिक के बाद 28 अगस्त से पेरिस पैरालिंपिक के साथ खेल गतिविधियां जारी रहेंगी। पीसीआई ने प्रतियोगिता के लिए भारतीय पैरालिंपिक टीम के प्रमुख के रूप में सत्य प्रकाश की नियुक्ति की घोषणा की। वह पैरालिंपिक में एक दशक से अधिक की समर्पित सेवा और अनुभव लेकर आए हैं।

सत्य प्रकाश ने कहा, यह दिन मेरे लिए ऐतिहासिक है। मुझे पेरिस पैरालिंपिक में भारतीय दल के लिए शेफ-डी-मिशन के रूप में चुना गया है। मैं इस कर्तव्य को बड़ी जिम्मेदारी के साथ पूरा करूंगा। मुझे इस काम के लिए योग्य मानने के लिए मैं पीसीआई और केंद्र सरकार का आभारी हूं।

पैरालिंपिक में पिछले कुछ वर्षों में भारत द्वारा की गई प्रगति को देखते हुए जिसमें 2016 में चार पदक और 2020 टोक्यो पैरालिंपिक में 19 पदक शामिल हैं, सत्य प्रकाश ने कहा, हमें इस बार कम से कम 25-30 पदक की उम्मीद है। हमें कम से कम 8 से 10 स्वर्ण पदक की उम्मीद है। यह हमारे लिए गर्व की बात होगी। एथलीटों ने वास्तव में अच्छी तैयारी की है। उन्हें जो कुछ भी चाहिए था, वह उन्हें प्रदान किया गया। हमें उम्मीद है कि वे वैश्विक स्तर पर हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। हमने अपने एथलीटों को उनके प्रशिक्षण के लिए बाहर भेजा, पूरे देश में शिविर आयोजित किए। तैयारी अच्छी रही।

उन्होंने एथलीटों को बेहतरीन उपकरण, सुविधाएं और तैयारी प्रदान करने के लिए पीसीआई के मुख्य कोच सत्यनारायण को श्रेय दिया। शेफ डी मिशन के रूप में सांगवान 12 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले 84 पैरा-एथलीटों के भारत के अब तक के सबसे बड़े दल का नेतृत्व करेंगे। उनकी भूमिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि भारतीय टीम को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक समर्थन और मार्गदर्शन मिले।

शेफ डी मिशन की स्थिति एक बहुआयामी भूमिका है जिसके लिए नेतृत्व, सलाह और रणनीतिक योजना की आवश्यकता होती है। सांगवान राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के निर्बाध संचालन की देखरेख, सकारात्मक और सहायक वातावरण को बढ़ावा देने और एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। 2020 टोक्यो पैरालिंपिक में भारत ने पांच स्वर्ण पदक, आठ रजत और छह कांस्य पदक जीते जिससे कुल 19 पदकों का रिकॉर्ड बना।

पुनर्निर्धारण की खबरों पर भड़का पीसीबी, कहा- नकवी की बातों को गलत तरीके से किया पेश

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पुनर्निर्धारण की खबरों को खारिज किया है। पीसीबी ने स्टेडियम के पुनर्विकास पर अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बयानों के बाद एक बयान जारी किया। जियो न्यूज के अनुसार आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जो पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी, से पहले पीसीबी ने 12.8 बिलियन रुपए की लागत से कराची में नेशनल स्टेडियम, रावलपिंडी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम के नवीनीकरण का निर्देश दिया है।

गद्दाफी स्टेडियम में नवीनीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नकवी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और पाकिस्तान के स्टेडियमों में बहुत अंतर है। जियो न्यूज ने नकवी के हवाले से कहा, %अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और हमारे स्टेडियमों में बहुत अंतर है, हमारा कोई भी स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं है। नकवी ने कहा, फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन की टीम दिन-रात काम कर रही है। हम अपने स्टेडियमों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्टेडियमों में से एक बनाएंगे। स्टेडियमों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना पहली प्राथमिकता है। भगवान की इच्छा से चैंपियंस ट्रॉफी निश्चित रूप से पाकिस्तान में होगी।

उन्होंने कहा, मैच की तारीखें बदल सकती हैं, लेकिन पीसीबी सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। मुख्य लक्ष्य यह है कि ये स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी

के लिए तैयार हों। इसके बाद पीसीबी ने एक बयान जारी कर कहा, यह निराशाजनक है कि कुछ मीडिया आउटलेट्स ने कल की मीडिया बातचीत में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की टिप्पणियों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है, सुरक्षा चिंताओं के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तारीखों में बदलाव की संभावना पर उन्हें भ्रामक रूप से उद्धृत किया है, जिससे अनावश्यक सनसनी पैदा हो रही है। पीसीबी ने कहा कि मीडिया से बातचीत में नकवी ने कहा कि स्टेडियमों का पुनर्विकास और पुनः डिजाइनिंग तय समय पर पूरा किया जाएगा जिससे टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

भारत-पाक टी20 विश्व कप मुकाबले में इस्तेमाल की गई न्यूयॉर्क की पिच को आईसीसी ने दी रेटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के लिए पिच और आउटफील्ड को खेल की शासी संस्था से 'संतोषजनक' रेटिंग मिली है। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम में इन दो चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच बहुप्रतीक्षित मैच कम स्कोर वाला रोमांचक मैच था।

ऋषभ पंत के 42 रन की मदद से 119 रन पर ढेर होने के बाद पाकिस्तान अपने 20 ओवरों के कोटे में केवल 113/7 रन ही बना सका जिसमें जसप्रीत बुमराह ने चार ओवरों में 3/14 का खेल बदलने वाला स्पेल फेंका। कम स्कोर वाले मैचों और असमान, अप्रत्याशित उछाल के कारण पूरे टूर्नामेंट में न्यूयॉर्क की ड्रॉप-इन पिचों की जांच की गई। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए

मैच में श्रीलंका की टीम 19.1 ओवर में केवल 77 रन ही बना सकी और दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत और आयरलैंड के बीच हुए मैच के बाद खेल की सतह की गुणवत्ता पर आईसीसी ने एक बयान जारी किया जिसमें रोहित शर्मा को हाथ में चोट लग गई थी। आईसीसी ने कहा, आईसीसी ने माना है कि नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अब तक इस्तेमाल की गई पिचें उतनी अच्छी नहीं रही हैं, जितनी हम चाहते थे। मंगलवार को आईसीसी ने प्रतियोगिता के लिए पिच और आउटफील्ड की रेटिंग जारी की, भारत-आयरलैंड मैच के दौरान इस्तेमाल की गई सतह को असंतोषजनक रेटिंग दी गई और भारत-पाकिस्तान मैच की पिच को संतोषजनक रेटिंग मिली।

न्यूयॉर्क में नासाउ काउंटी की पिच को श्रीलंका-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए असंतोषजनक रेटिंग मिली। साथ ही दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल किए गए ब्रायन लारा स्टेडियम में त्रिनिदाद के तारौबा में पिच को असंतोषजनक रेटिंग मिली। सेमीफाइनल में अफगानिस्तान की टीम 11.5 ओवर में मात्र 55 रन पर ढेर हो गई और दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

न्यूयॉर्क में आठ मैच हुए जिनमें से छह मैचों में इस्तेमाल की गई पिचों को संतोषजनक रेटिंग मिली। टूर्नामेंट के दौरान न्यूयॉर्क में सबसे अधिक स्कोर 137/7 था, जो कनाडा ने आयरलैंड के खिलाफ बनाया था। प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय खेल के बाद, आईसीसी को मैच रेफरी द्वारा विकेट और आउटफील्ड के लिए अंक मिलते हैं। आईसीसी के अनुसार, यदि किसी पिच या आउटफील्ड को घटिया के रूप में चिह्नित किया जाता है, तो संबंधित होम बोर्ड और आयोजन स्थल को यह बताना होगा कि पिच और/या आउटफील्ड ने आवश्यक मानक से नीचे प्रदर्शन क्यों किया।

आईसीसी के अनुसार, यदि किसी पिच या आउटफील्ड को असंतोषजनक या अनुपयुक्त की रेटिंग मिलती है, तो उसे घटिया माना जाता है। आईसीसी द्वारा ऐसे आयोजन स्थल पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए घटिया पिच या आउटफील्ड प्रस्तुत करता है।

संक्षिप्त समाचार

बलौदाबाजार हिंसा में गिरफ्तार कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को कोर्ट से भी झटका, जमानत नहीं

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में हुए हिंसक प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड को कोर्ट ने 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। मंगलवार को जिला सत्र न्यायालय बलौदाबाजार में न्यायाधीश अजय खाखा की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई हुई। कोर्ट ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र की जमानत याचिका खारिज करते हुए न्यायिक रिमांड अवधि को आगे बढ़ा दिया है। फिलहाल रूक देवेंद्र यादव अभी जेल में ही रहेंगे। मंगलवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव सहित 15 कांग्रेसी नेता विधायक देवेंद्र यादव से मिलने रायपुर सेंट्रल जेल गए थे। उधर बलौदाबाजार जिला सत्र न्यायालय ने विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड को 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया। अब वे 27 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में जेल में बंद रहेंगे। बता दें कि बलौदाबाजार में हिंसक प्रदर्शन मामले में विधायक देवेंद्र यादव को पुलिस 4 दिन पहले गिरफ्तार किया है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक की लड़ाई लड़ने की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालयों में 24 अगस्त को धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। विधायक की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस विधायक दल की बड़ी बैठक रायपुर के राजीव भवन में हुई, जिसमें प्रदर्शन की रणनीति पर मंत्रणा की गई। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बताया कि इस मामले को लेकर 23 अगस्त को सभी विधायक राज्यपाल से मुलाकात करने जाएंगे। वहीं सभी जिला मुख्यालय में संबंधित क्षेत्र के विधायक पीसी करेंगे। राजीव भवन में विधायक दल की बैठक के बाद कांग्रेसी नेता गिरफ्तार भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव से मिलने जेल पहुंचे। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेश सरकार पर देवेंद्र यादव को धोखे से गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। बघेल ने कहा कि देवेंद्र ने बताया है कि उसे खढ्ढक की कॉपी नहीं दी है। किस अपराध पर गिरफ्तार किया यह भी नहीं बताया। बघेल ने कहा कि देवेंद्र यादव को जितनी भी नोटिस मिली वह धारा 160 के तहत थी, जो गवाही के लिए होती है। बता दें कि देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद से भूपेश बघेल लगातार प्रदेश के विष्णुदेव साय सरकार पर हमला बोल रहे हैं।

कानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा : नेशनल हाईवे पर गाड़ी और ट्रक के बीच टक्कर

इटावा, एजेंसी। कानपुर हाईवे पर बुधवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला और तीन पुरुष शामिल हैं। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। इटावा के इकदिल में हुए इस हादसे के पीछे कहा जा रहा है कि कार चालक को झपकी लग गई थी। जिसके चलते वह कार पर संतुलन संभाल नहीं सका। बुधवार सुबह 6.30 बजे हुई इस घटना की सूचना मिलने पर इकदिल पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई। घंटों की मशक्कत के बाद दमकल विभाग के कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। पोस्टमार्टम के लिए चार शवों को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, अभी शवों की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि दिल्ली से एक परिवार कार में सवार होकर हमीरपुर के लिए निकला था। यहां कार ने सड़क पर खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इटावा के जिला अस्पताल आपातकालीन विभाग के डॉक्टर के अनुसार, चार पहिया वाहन और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में एक बच्चा और एक महिला गंभीर रूप से घायल है। 4 शव भी अस्पताल लाए गए हैं। 2 घायलों को सैफई रेफर कर दिया गया है।

कसाब को दिलवा चुके हैं फांसी, अब बदलापुर रेप केस में पैरवी करेंगे उज्जवल निकम

मुंबई, एजेंसी। अब तक आतंक और दुष्कर्म जैसे जघन्य मामलों में 628 आरोपियों को आजीवन कारावास और 37 को मौत की सजा दिलवाने वाले उज्जवल निकम बदलापुर केस की पैरवी सरकार की तरफ से करेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद इसकी जानकारी सार्वजनिक की है। डिप्टी सीएम के कार्यालय ने एक्स पर लिखा, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि बदलापुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की तेजी से जांच की जाएगी और मामला फास्ट-ट्रैक कोर्ट में जाएगा। वरिष्ठ वकील उज्जवल निकम को विशेष सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। उज्जवल निकम ने इससे पहले कई हाई-प्रोफाइल मामलों में बतौर वकील पैरवी की है। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में पकड़े गए एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी के फंदे तक उन्होंने अपनी मजबूत दलीलों से पहुंचाया था। लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य कसाब को नवंबर 2012 में पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी। देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित उज्जवल निकम ने इस साल मुंबई उत्तर मध्य निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें बेहद करीबी मुकाबले में कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ ने हरा दिया। इस बीच, ठाणे जिले के बदलापुर में मंगलवार को दो चार वर्षीय लड़कियों के साथ उनके स्कूल के सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के मामले में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने बदलापुर रेलवे स्टेशन पर धावा बोल दिया और पटरियों को अवरुद्ध कर दिया। भीड़ ने पुलिस के साथ झड़प की और उस स्कूल में तोड़फोड़ की जहां यह अपराध हुआ था। कई घंटों की नाकेबंदी के बाद शाम को पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया और पटरियों को खाली कराया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री फडणवीस ने एफआईआर दर्ज करने में शुरुआती देरी के लिए तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित भी किया है।

बुलेट ट्रेन परियोजना पर तेजी से चल रहा काम

मुंबई, एजेंसी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। गुजरात के नवसारी जिले में नेशनल हाईवे 48 पर 260 मीटर लंबे पीएससी ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। इसके अनुसार, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का वायडक्ट गुजरात के नवसारी जिले के अमदपुर गांव में है, जो दिल्ली और चेन्नई के बीच नेशनल हाईवे-48 (गुजरात और महाराष्ट्र से होकर) के उपर से होकर गुजर रहा है। हाईवे पर पूरा किया गया पहला पीएससी बैलेंस्ड कैंटिलीवर ब्रिज है। इस ब्रिज में 104 सेग्मेंट्स हैं जिनमें 50, 80, 80, 50 मीटर के चार स्पेन हैं। यह ब्रिज सूरत और बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच स्थित है। एनएच-48 देश के सबसे व्यस्त हाईवे में से एक है। इसलिए हाईवे पर लॉन्चिंग सावधानी पूर्वक योजना बनाकर सटीकता के साथ पूरी की गई है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीते दिनों कहा था कि बुलेट ट्रेन परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेन में 2 कैटेगरी होंगी, पहली सामान्य और दूसरी स्पेशल वर्ग की। उन्होंने कहा कि 320 फिलर बनाने का काम पूरा हो गया है। समुद्र के नीचे करीब 50 मीटर गहरी सुरंग बनाने और स्टेशन बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि 1995 से 2012 तक दिल्ली मेट्रो के निदेशक रहे ई श्रीधरन ने एक बहुत अच्छी व्यवस्था मेट्रो में की कि श्रेणी का वर्गीकरण नहीं होना चाहिए।

बाल ठाकरे ने राजीव गांधी की आलोचना की, लेकिन ईडी ने उन्हें तंग नहीं किया: उद्धव

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को पिता को याद कर इशारों-इशारों में केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कभी बाल ठाकरे के पीछे केंद्रीय एजेंसियां नहीं लगाईं। उन्होंने कहा कि अविभाजित शिवसेना और कांग्रेस अतीत में कट्टर प्रतिद्वंद्वी थीं, लेकिन दोनों दलों ने कभी भी एक-दूसरे के प्रति बदले की भावना से काम नहीं किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ठाकरे ने यह भी कहा कि केंद्रीय एजेंसियों ने कभी भी शिवसेना नेताओं के दरवाजे नहीं खटखटाए, जबकि पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के बारे में तीखी बातें कही थीं। सद्भावना दिवस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस की मुंबई इकाई द्वारा किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के साथ 2019 में रिश्ते टूटने के बाद शिवसेना ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। उद्धव ठाकरे ने कहा, शिवसेना और कांग्रेस कट्टर प्रतिद्वंद्वी थीं, लेकिन दोनों दलों ने कभी भी एक-दूसरे के प्रति बदले की भावना से काम नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर राजीव गांधी कभी चुनौतियों का सामना करने से पीछे नहीं हटे, जबकि मौजूदा सरकार मणिपुर और कश्मीर में हिंसा भड़कने पर भी चिंतित नहीं है।

कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार भी मौजूद थे। तीनों ही दल विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी का हिस्सा हैं। राज्य में कुछ महीनों में ही चुनाव होने हैं, लेकिन अब तक एमवीए की तरफ से मुख्यमंत्री चेहरे के नाम का ऐलान नहीं किया गया है।

बंद होने वाला है एंबिएंस मॉल अंडरपास? नोटिस देकर जीएमडीए अधिकारी परेशान

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सिरहौल बॉर्डर के पास बने एंबिएंस मॉल यू टर्न अंडरपास को बंद करने की चेतावनी एंबिएंस डिवेलपर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और डीएलएफ साइबर सिटी डिवेलपर्स लिमिटेड को दी है। इस अंडरपास के निर्माण में खर्च राशि का 25-25 प्रतिशत का भुगतान इन दोनों कंपनियों ने करना था। डीएलएफ ने तो 50 प्रतिशत राशि दी, लेकिन एंबिएंस ने कोई राशि नहीं दी। पिछले तीन साल से इन दोनों कंपनियों को राशि की अदायगी के नोटिस देकर परेशान हो चुके जीएमडीए अधिकारियों ने इसे बंद करने का फैसला लिया है। गत 11 जून को जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.श्रीनिवास के नेतृत्व में एंबिएंस मॉल यू टर्न अंडरपास के निर्माण में खर्च राशि की वसूली को लेकर एक बैठक हुई थी। इसमें एंबिएंस और डीएलएफ कंपनी के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था। इन दोनों कंपनियों को 30 जून तक राशि की अदायगी करने के आदेश जारी किए थे, लेकिन इन्होंने इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया। गत नौ अगस्त को इस मामले में जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। मौजूद अधिकारियों ने फैसला लिया कि दोनों कंपनियों को 23 अगस्त तक की मोहलत दी जाए। यदि इस समयावधि में यह राशि जमा नहीं करवाती हैं तो अंडरपास को यातायात के लिए बंद कर दिया जाए। इस मामले में एंबिएंस डिवेलपर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राज सिंह से बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका। बता दें कि एनएचएआई की तरफ से जीएमडीए से इस राशि की मांग की जा रही है। पिछले महीने एनएचएआई अध्यक्ष संतोष कुमार आईएएस की अध्यक्षता में इस सिलसिले में बैठक भी बुलाई थी। वहीं, डीएलएफ के एक अधिकारी ने बताया कि जीएमडीए के सीईओ की बैठक में बताया है कि समझौते की शर्तों की पालना नहीं हुई है। समझौते में शर्त थी कि दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शंकर चौक से लेकर सिरहौल बॉर्डर तक यू टर्न को बंद किया जाएगा। सिर्फ यू टर्न अंडरपास से यातायात का आना-जाना होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। शंकर चौक के समीप यू टर्न अंडरपास बंद नहीं हुआ है। डीएलएफ साइबर सिटी से निकल रहे वाहनों को शंकर चौक यू टर्न पर यातायात जाम में फंसना पड़ता है। सड़क दुर्घटना होने का डर बना रहता है। यू टर्न अंडरपास की राशि जीएमडीए को चुकाने के लिए पिछले साल एंबिएंस कंपनी ने एंबिएंस आईलेंड और एंबिएंस लगून के फ्लैट मालिकों को नोटिस दिए थे। उन्हें 14.61 रुपये प्रति वर्ग फीट के हिसाब से यू टर्न अंडरपास के निर्माण की एवज में राशि देने के लिए कहा था, जिसका विरोध इन सोसाइटियों के फ्लैट मालिकों ने किया था। जीएमडीए के एक अधिकारी ने बताया कि इन दोनों बिल्डर से राशि रिकवर करने के लिए नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की मदद ले सकते हैं। इस विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को अवगत करवा दिया है।

तो भाप बनकर मर भी सकती हैं सुनीता विलियम्स, एक्सपर्ट ने कहा

वाशिंगटन एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर दो महीने से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। स्पेस मामलों के जानकार, पूर्व अमेरिकी सैन्य कमांडर रूडी रिडोल्फी ने तीन भयावह संभावनाएं बताई हैं। रूडी ने कहा कि अगर वह इस खराब अंतरिक्षयान से वापस आने का प्रयास करते हैं तो वह घर्षण से उत्पन्न होने वाली गर्मी से भाप बनकर मर भी सकते हैं।

डेली मेल को दिए एक इंटरव्यू में रिडोल्फी ने बताया कि बोइंग स्टारलाइनर को सुरक्षित रूप से वापस धरती पर लाने के लिए तकनीकी रूप से इसे एक सही एंगल पर लाना होगा। जब तक कैप्सूल वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए सही एंगल पर है तब तो सब ठीक होगा लेकिन अगर यह सही नहीं है तो या तो वह जल जाएंगे या फिर वापस अंतरिक्ष में चले जाएंगे। इस परिस्थिति में उनेक साथ केवल 96 घंटे की ऑक्सीजन आपूर्ति होगी, जिसके साथ उनका बचना बहुत ही मुश्किल होगा। स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान का अंतरिक्ष में उछलना सबसे खराब स्थिति होगी क्योंकि तब वह अंतरिक्ष में ही वाष्पीकृत हो जाएंगे।

दोनों ही परिस्थितियों में उनके जीवन को खतरा हो सकता है।अगर इन्होंने बहुत तेज एंगल के साथ वायुमंडल में प्रवेश करने की कोशिश की तो वायु और स्टारलाइनर के घर्षण के कारण अंतरिक्ष यात्रियों के जलने का खतरा भी रहेगा।

अब रूस में भी हर ओर तबाही का मंजर, यूक्रेन से अपना घर बचा रहे पुतिन; लाखों रूसी भागे

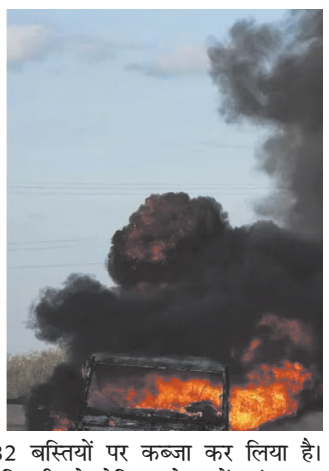

मॉस्को एजेंसी। हफ्तेभर से यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध में पलड़ा अब वलोडोमिर जेलेंस्की के पाले में जाता दिख रहा है। ढाई साल पहले कहां व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर राज करने का ख्वाब देखते हुए शेखी बघार रहे थे। अब पुतिन अपना ही इलाका बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वेस्ट और अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन अब रूस को लगातार चौंका रहा है। रूस के कुर्स्क शहर पर यूक्रेनियों का हमला जारी है। यहां यूक्रेन ने 1250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। कुर्स्क शहर में हर ओर तबाही का मंजर दिख रहा है। आलम यह है कि कुर्स्क क्षेत्र से 1 लाख 22 हजार से ज्यादा रूसियों ने घर-बार छोड़ दिया है। जेलेंस्की ने एक बयान में यह भी कहा कि उसकी सेना ने इस क्षेत्र में 92 बस्तियों पर फतह हासिल कर ली है। रूसी मीडिया के अनुसार, यूक्रेन के कुर्स्क आक्रमण के बीच 122,000 से अधिक रूसी सीमावर्ती क्षेत्रों से भाग गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना ने पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 92 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना कुर्स्क क्षेत्र के निर्दिष्ट क्षेत्रों में अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। गौरतलब है कि यूक्रेन ने छह अगस्त को कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियान शुरू किया। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के प्रमख ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने 15 अगस्त को दावा किया कि उनकी सेना ने इस क्षेत्र में 82 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। पश्चिमी टेरनोपिल क्षेत्र में मंगलवार तड़के रूसी लक्षित हवाई हमलों से ईंधन और लुब्रिकेट (स्नेहक) तेल भंडारण डिपो में आग लग गयी। क्षेत्रीय अधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। टेरनोपिल क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के मुताबिक रूसी सेना ने स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजे टेरनोपिल शहर के तेल भंडारण डिपो पर प्रक्षेप्य दागे गये। उन्होंने बताया गया कि आग पर काबू पाने के लिए 90 से अधिक बचाव दल और दो अग्निशमन गाड़ियों सहित 20 से अधिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने हालांकि लोगों से अपने घरों के अंदर रहने और खिड़कियां बंद करने का आग्रह किया।

कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने कहा कि रूस ने राजधानी में भी रात भर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमले किये। हालांकि हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शहर के बाहरी इलाके में सभी हवाई लक्ष्यों को आसमान में ही ध्वस्त कर दिया गया। यूक्रेन के वायु सेना ने कहा कि रूस ने 26 शहीद लड़ाकू ड्रोन, दो बैलिस्टिक मिसाइलें इस्कंदर एम/केएन-23, एक क्रूज मिसाइल इस्कंदर-के और कई गाइडेड मिसाइलें केएच-59 दागे। इंटरफैक्स-यूक्रेन समाचार एजेंसी के अनुसार, यूक्रेनी वायु सेना ने नौ क्षेत्रों में 25 ड्रोन, एक क्रूज मिसाइल और दो गाइडेड मिसाइलों को मार गिराया।

अब गाजा में नहीं रुकी जंग तो तृतीय विश्व युद्ध पक्का, अमेरिका क्यों हो रहा बैचेन

वाशिंगटन एजेंसी। गाजा में चल रही जंग को 10 महीने से ज्यादा हो गए हैं और इजरायल-हमास के बीच महायुद्ध ने अकेले गाजा शहर में 40 हजार जिंदगियां लील ली हैं। हजारों मासूमों का कत्ल होने के बाद भी यहां हर दिन धमाके और लाशों के ढेर मिल रहे हैं। गाजा में युद्धविराम रोकने के कई प्रयास भी किए गए लेकिन, वो सभी नाकाम रहे। इजरायल और हमास इसके लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। अब अमेरिका ने हाल ही में यह बयान देकर दुनिया को दहशत में डाल दिया कि गाजा में जंग रोकने की यह आखिरी कोशिश है, 40 हजार मौतों के बाद भी अब अगर गाजा में कत्लेआम नहीं रुका तो तृतीय विश्व युद्ध रोकना लगभग असंभव होगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से भी मुलाकात की। अमेरिका को डर है कि

अधिकारियों का कहना है कि इजरायल से अगर उनके बीच जंग होती है तो वो इजरायल को पुरानी लड़ाई के मुकाबले ज्यादा चोट देंगे। हिजबुल्लाह इस युद्ध को करो या मरो की स्थिति बताता है। उसके साथ इस जंग में ईरान का भी समर्थन है। 2006 के मुकाबले ईरान इस बार खुलकर हिजबुल्लाह को समर्थन करेगा क्योंकि हमास चीफ इस्माइल हानियेह की तेहरान में कत्ल के बाद ईरान पहले ही इजरायल पर कहर बरपाने को आतुर है। कुछ दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अली अयातुल्ला खामेनेई ने एक बयान में कहा था कि अगर अब वो पीछे हटे तो अल्लाह भी उन्हें माफ नहीं करेगा। ईरान ने अपनी कसम दोहराई कि वो शांत नहीं है बल्कि इजरायल पर बड़े और अब तक के सबसे घातक हमले की तैयारी कर रहा है। 2006 में लेबनान युद्ध की बात करें तो इस लड़ाई को 34 दिन बाद अमेरिकी की मध्यस्थता के बाद रोका पकड़कर लेबनान लाया गया। इजरायल ने फिर लेबनान पर हवाई कहर बरपाया और 34 दिनों तक दोनों तरफ से जमकर खून बहाया गया। इस युद्ध में करीब 1300 लेबनानी लोग मारे गए और दूसरी तरफ 165 इजरायलियों की मौत हुई। इस युद्ध में इजरायल ने लेबनान शहर में जमकर तबाही मचाई थी। संघर्ष के परिणामस्वरूप 1 मिलियन लेबनानी और 5 लाख इजरायलियों को विस्थापित का दंश झेलना पड़ा। गाजा में युद्धविराम को लेकर अमेरिका अब पूरा जोर लगा रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और उनसे हमास से समझौता करने का आग्रह किया। अमेरिका का कहना है कि इजरायल हमास के साथ युद्धविराम अपनी शर्तों पर करने को तैयार है। अमेरिका ने हमास से भी समझौते पर अपनी हामी भरने का आह्वान किया। हालांकि हमास का

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129